Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 18 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 300 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com


**सुविचार**

मैं सारी जिंदगी जो भी सोचती रही, लिखती रही, वह सब देवताओं को जगाने का प्रयत्न था, उन देवताओं को, जो इंसान के भीतर सो गए हैं।

-अमृता प्रीतम

Rashmika Mandanna Finds Kriti Sanon...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 84,950.95 |
| निफ्टी | : | 26,013.45 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 11,605 |
| चांदी | : | 173.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### हजारीबाग में 38 किलो सोना और 60 केजी चांदी की लूट

**RANCHI :** जिले में 35 किलो सोना और 60 किलो चांदी की लूट की घटना सामने आई है। इस संबंध में पीड़ित द्वारा थाने में आवेदन दिया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए पूरे क्षेत्र में ऑपरेशन चला रही है। बरही चौक पर रविवार की देर रात करीब नौ बजे दो बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया। मौके से अपराधकर्मी फरार हो गए।

### विस नियुक्ति घोटाला में आज होगी सुप्रीम सुनवाई

**RANCHI :** विधानसभा नियुक्ति घोटाले में सीबीआई की याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन की पीठ में इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा की याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआई जांच के आदेश पर रोक लगा दी थी। सीबीआई ने इस रोक को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। झारखंड विधानसभा में हुई नियुक्तियों के दौरान अनियमितता का मामला प्रकाश में आने के बाद मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी, क्योंकि विधानसभा ने एक सदस्यीय न्यायिक आयोग की अनुशंसा और तत्कालीन राज्यपाल (वर्तमान राष्ट्रपति) ने भी विधानसभा अध्यक्ष को सीबीआई जांच कराने का निर्देश दिया था।

### नहीं मिली विनय सिंह से पूछताछ की अनुमति

**RANCHI :** आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन से जुड़े केस के प्रमुख आरोपी विनय सिंह से पूछताछ करने के लिए एसीबी ने कोर्ट से अनुमति मांगी थी। लेकिन, कोर्ट ने एसीबी को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। एसीबी ने हजारीबाग कोर्ट में आवेदन देकर यह आग्रह किया था कि जेल में बंद विनय सिंह से पांच दिनों तक पूछताछ की अनुमति दी जाए। लेकिन, कोर्ट ने एसीबी के आग्रह को ठुकरा दिया। कोर्ट से अनुमति नहीं मिलने के बाद अब एसीबी विनय सिंह से पूछताछ नहीं कर पाएगी।

### जज के सरकारी ड्राइवर का शव धुर्वा डैम से बरामद

**RANCHI :** धुर्वा डैम में हुए एक हादसे में डूबे चौथे व्यक्ति, पुलिसकर्मी सत्येंद्र सिंह का शव सोमवार की सुबह बरामद कर लिया गया। हटिया डीएसपी पीके मिश्रा ने बताया कि रविवार को भी डूबे व्यक्ति की तलाश की गई थी, लेकिन शव नहीं मिला था, सोमवार सुबह शव बरामद किया गया। इससे पहले, इसी घटना में मारे गए तीन अन्य पुलिसकर्मियों के शव पानी से निकाले जा चुके थे। सत्येंद्र सिंह की तलाश में एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम लगातार जुटी हुई थी।

# शब्दों और वाक्यों ने साहित्यिक आयोजन में छोड़ी 'छाप'

**PHOTON NEWS JSR :** साहित्य कला फाउंडेशन द्वारा आयोजित -झारखंड का अपना पुस्तक महोत्सव 'छाप'- का द्वितीय संस्करण सोमवार को बिष्टुपुर स्थित होटल एल्कोर में प्रारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा की सांसद डॉ. महुआ माजी, विशिष्ट अतिथि नवगीत के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, जेएनयू की प्रो. गरिमा श्रीवास्तव, डॉ. विजय शर्मा व फाउंडेशन की मुख्य न्यासी डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने किया। डॉ. महुआ माजी ने बंगाल में पढ़ने की रुचि पर बताया कि वहां बच्चों के लिए काफी कुछ लिखा गया है, इसलिए बचपन से ही पढ़ने के प्रति रुचि होने लगती है। उन्होंने उपस्थित साहित्यकारों से बच्चों के लिए रचनाएं लिखने की सलाह दी, ताकि किताबों के प्रति आसक्ति बनी रहे। वैसे आज की पीढ़ी पढ़ने की बजाय सुनना ज्यादा पसंद कर रही है, इसलिए ऑडियो बुक का प्रचलन बढ़ रहा है। लेकिन, मेरी सलाह है कि पुस्तक मांग कर नहीं, खरीद कर पढ़ें।

## नामचीन हस्ताक्षरों ने साहित्य कला फाउंडेशन के पुस्तक महोत्सव के द्वितीय संस्करण की बढ़ाई गरिमा

### ईश्वर मानकर पूजे जाते हैं गुरुग्रंथ साहिब : डॉ. बुद्धिनाथ

दीप प्रज्वलन के उपरांत दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में- जीवन में किताबें और किताबों में जीवन- विषयक परिचर्चा हुई, जिसमें डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने कहा कि गुरुद्वारों में गुरुग्रंथ साहिब को ईश्वर मानकर पूजा जाता है। जीवन में इससे बढ़कर पुस्तक का महत्व क्या हो सकता है। उन्होंने बताया कि पहले पढ़ने-लिखने की परंपरा नहीं थी, वाचिक परंपरा से बातें विस्तार लेती थीं। सबसे पहले बातों को छंद में लिखा जाता था, फिर सूत्र लिखे गए। महर्षि वाल्मिकी ने रामायण भी छंद में ही लिखा था। महर्षि वेदव्यास ने इसे लिपिबद्ध किया, तो पाणिनी ने उच्चारण करने का तरीका बताया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं राज्यसभा सांसद महुआ माजी

### पूरी जिंदगी बदल देती है कोई पुस्तक : डॉ. विजय

डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने पुस्तक के महत्व पर बताया कि जब वे यूरोप पढ़ाने गई थीं, तो अपने साथ 400 किलो वजन की किताबें ले गई थीं। फिर, स्थानीय महिलाओं से संवाद शुरू किया, उनकी बातें-समस्या सुनीं, फिर उन्हें कहानियों के रूप में लिखा। तब मैंने जाना कि वास्तव में यूरोपीय महिलाओं की स्थिति वैसी नहीं है, जैसा हम भारतीय उन्हें देखकर अनुमान लगाते हैं। वे भी महिला होने की पीड़ा से गुजर रही हैं। डॉ. विजय शर्मा ने द न्यू लाइफ पुस्तक का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे कोई पुस्तक पूरी जिंदगी बदल देती है। अतिथियों का स्वागत डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने किया।

### संथाली व भोजपुरी में भी हुए सत्र

पहले दिन कार्यक्रम में संथाली व भोजपुरी के सत्र भी हुए, तो प्रो. रामदेव शुक्ल के उपन्यास ग्राम देवता, डॉ. कुंदन यादव के कहानी संग्रह- गंडासा गुरु की शपथ- पर भी अलग से सत्र हुआ। इसी क्रम में पढ़ने की संस्कृति का ह्रास विषयक परिचर्चा में शहर से प्रकाशित होने वाले सभी प्रमुख अखबारों के संपादकों ने अपने विचार रखे। किस्सागो परिवार के किस्से : संदर्भ ठाकुरबाड़ी- के बाद पहले दिन के कार्यक्रमों का समापन काव्यराग की बैठ प्रस्तुति से किया गया। साहित्यिक महोत्सव में मंगलवार को भी सुबह 10 बजे से देर शाम तक नामचीन हस्ताक्षरों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

## मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास हुई दुर्घटना

# उमरा के लिए जा रही बस हादसे की शिकार, 45 भारतीयों की मौत

**NEW DELHI @ PTI :** सऊदी अरब में सोमवार की देर रात एक सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई। मक्का से मदीना जाते समय इनकी बस डीजल टैंकर से टकरा गई और इसमें आग लग गई। मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। हादसे में सिर्फ 1 शख्स जिंदा बचा है। उसकी पहचान मोहम्मद अब्दुल शोएब (24 साल) के रूप में हुई है। शोएब ड्राइवर के पास बैठा था। हादसे के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एक सरकारी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। हादसा मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास भारतीय समयानुसार रात लगभग 1:30 बजे हुआ। उस समय कई यात्री सो रहे थे। उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार हैदराबाद में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 9 नवंबर को 54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे। वे 23 नवंबर को वापस आने वाले थे। इनमें से 4 लोग रविवार को कार से अलग से मदीना गए थे। 4 लोग मक्का में रुक गए थे।

- डीजल टैंकर से टकराने के बाद धू-धू कर जल गया वाहन, सिर्फ एक शख्स बचा
- मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल
- हादसे के समय सो रहे थे कई यात्री, नहीं मिला बचने का मौका

### हैदराबाद के एक ही परिवार के थे 18 लोग

दुर्घटना वाली बस में 46 लोग सवार थे। मृतकों में ज्यादातर हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह रियाद में भारतीय दूतावास के संपर्क में है। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे दूतावास से नजदीकी तालमेल बनाकर पीड़ितों की पहचान और अन्य औपचारिकताओं में मदद करें। मारे गए लोगों में से 18 एक ही परिवार के थे। इनमें 9 बच्चे और 9 बड़े शामिल थे। यह परिवार हैदराबाद का रहने वाला था और शनिवार को भारत लौटने वाला था।

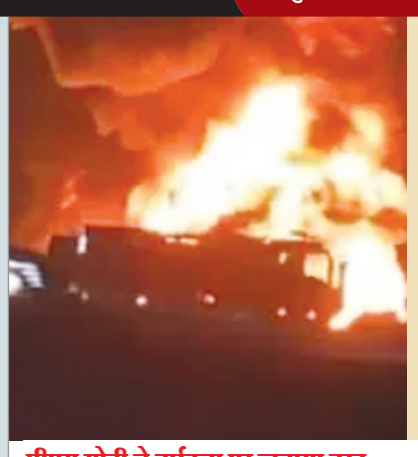

### 12 मृतकों की हो सकी है पहचान

हादसे में मारे गए लोगों में से 12 भारतीय पीड़ितों की पहचान हो पाई है, उनमें अब्दुल मोहम्मद, मोहम्मद मौलाना, सोहेल मोहम्मद, मस्तान मोहम्मद, परवीन बेगम, जकिया बेगम, शौकत बेगम, फरहीन बेगम, जहीन बेगम, मोहम्मद मंजूर, मोहम्मद अली, गौसिया बेगम शामिल हैं।

**पीएम मोदी ने दुर्घटना पर जताया दुख :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी बस दुर्घटना पर दुख जताया। एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि रियाद में वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है।

### भारतीय दूतावास ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जेद्दा में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन जारी किया है। दूतावास ने कहा, सऊदी अरब के मदीना के निकट भारतीय उमरा तीर्थयात्रियों के साथ हुई दुखद बस दुर्घटना को देखते हुए , जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में 24*7 कंट्रोल रूम बनाया हेल्पलाइन का संपर्क विवरण 8002440003 है। घटना के बाद तेलंगाना सरकार ने सचिवालय में कंट्रोल रूम बनाया है, ताकि परिजन अपने परिजनों के बारे में जानकारी ले सकें। परिवारजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं-79979-59754 और 99129-19545। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बस दुर्घटना पर दुख जताया है।

## बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना को सुनाई गई सजा-ए-मौत

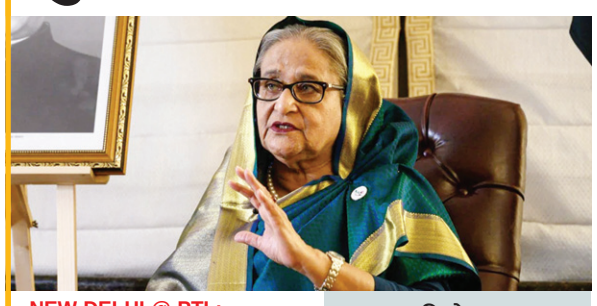

**NEW DELHI @ PTI :** सोमवार को बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए 'मानवता के विरुद्ध अपराधों' के लिए एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने 78 वर्षीय अवामी लीग नेता को हिंसक दमन का मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। पिछले वर्ष पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था।

- एक विशेष न्यायाधिकरण ने विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों की हत्या का माना दोषी
- फैसले में बताया गया- हिंसक दमन का मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार
- पिछले वर्ष बांग्लादेश से भागने के बाद से भारत में रह रहीं हसीना

### गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी फांसी की सजा

ट्रिब्यूनल ने 5 में से दो मामले (हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने के लिए) मौत की सजा दी। बाकी मामलों में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। ट्रिब्यूनल ने दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी 12 लोगों की हत्या का दोषी माना और फांसी की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही कोर्ट रूम में मौजूद लोगों ने तालियां बजाई। तीसरे आरोपी पूर्व आईजीपी अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल जेल की सजा सुनाई गई। ममून हिरासत में हैं और सरकारी गवाह बन चुके हैं। कोर्ट ने हसीना और असदुज्जमान कमाल की प्रॉपर्टी जब्त करने का आदेश दिया है।

### हसीना बालीं- गैरअधिकृत न्यायाधिकरण का फैसला

अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है।

### हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की मांग

फैसले के बाद यूनुस सरकार ने भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की मांग की है। पीएम ऑफिस वाला ने बयान जारी कर कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच जो प्रत्यर्पण संधि है, उसके मुताबिक यह भारत की जिम्मेदारी बनती है कि वह पूर्व बांग्लादेशी पीएम को हमारे हवाले करे।

## राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दी मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी

# बिहार में विधानसभा भंग करने की सिफारिश

**AGENCY PATNA :** सोमवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव पारित किया गया। नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर कैबिनेट के फैसले से संबंधित पत्र सौंपा, जिसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। कैबिनेट की बैठक में एनडीए की प्रचंड जीत को लेकर नीतीश कुमार को बधाई दी गई है। विजय चौधरी ने बताया कि बैठक के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर कैबिनेट के निर्णय से उन्हें अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। मंगलवार को जदयू विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है।

### नेता चुनने के लिए आज जदयू और भाजपा विधायक दल की होगी बैठक

कल इस्तीफा दे सकते हैं सीएम नीतीश, 20 नवंबर को हो सकता है नई सरकार का शपथ ग्रहण

### राजद विधायक दल के नेता बने तेजस्वी

सोमवारको राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनिर्वाचित विधायकों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुन लिया। विधानसभा चुनाव में राजद 143 सीट पर मैदान में थी लेकिन 25 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह ने बताया, नवनिर्वाचित विधायकों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना। बैठक में पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती और जगदानंद सिंह सहित पार्टी के शीर्ष नेता मौजूद थे। बैठक में शीर्ष नेताओं और विधायकों के साथ चुनाव में अप्रत्याशित हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

### दिल्ली ब्लास्ट में एनआईए ने आतंकी उमर को माना सुसाइड बॉम्बर

**RANCHI :** 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास आतंकी धमाके में सुरक्षा एजेंसियों को शू बम (जूता बम) के इस्तेमाल का संदेह है। दूसरी और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बताया है कि कार चला रहा डॉ. उमर नबी एक आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) था। यह पहली बार है, जब किसी सुरक्षा एजेंसी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी पुष्टि की है। इससे यह तय हो गया है कि ब्लास्ट सुसाइड अटैक ही था। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियों को विस्फोट वाली कार से एक जूता मिला है। इसकी जांच में अमोनियम नाइट्रेट और ट्राई एसीटोन ट्राई पराक्साइड (टीएटीपी) के ट्रेस मिले हैं। एजेंसियां इसे शुरूआती सुराग मान रही हैं और इस एंगल से भी जांच कर रही हैं। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से आतंकी उमर के एक और साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को गिरफ्तार किया। आरोप है कि जसीर आतंकी उमर को टेक्निकल सपोर्ट देता था। विस्फोट के लिए ड्रोन मॉडिफाई करता था और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की थी।

- सुरक्षा एजेंसियों को घटना में जूता बम के इस्तेमाल का शक
- श्रीनगर से उमर का एक और साथी गिरफ्तार

**न्यू स्टडी** लंबे समय तक अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने विश्लेषण के साथ दी जानकारी

# दिमाग की संरचना को भी प्रभावित करती है गर्भावस्था

**PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :** चिकित्सकीय रूप से किसी भी महिला के जीवन के लिए गर्भावस्था एक विशेष स्थिति होती है। इस दौरान शारीरिक संरचना से लेकर जैविक क्रियाओं में परिवर्तन की बात सामान्य रूप से चिकित्सा वैज्ञानिक बताते हैं। चूंकि मां के गर्भ में पल रहे बच्चे का पोषण मां के रक्त से होता है, इसलिए इस पीरियड में रक्त संचार से लेकर पाचन, श्वसन, स्वाद और गंध तक की प्रक्रिया पर असर होता है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक रिसर्च करने के बाद यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है कि गर्भावस्था से महिला के केवल शरीर में ही परिवर्तन नहीं आता, बल्कि इस दौरान मस्तिष्क की संरचना पर भी असर पड़ता है। नेशनल ज्योग्राफिक में प्रकाशित रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने विस्तार से विश्लेषण के साथ बताया है कि कैसे गर्भधारण से लेकर प्रसव के बाद तक मस्तिष्क में ऐसे भी बदलाव आते हैं, जो जीवनभर कायम रह सकते हैं। शोधकर्ताओं ने प्रिसिशन ब्रेन इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल करके गर्भवती महिलाओं के दिमाग की संरचना को स्कैन किया। यह पहली बार हुआ कि गर्भावस्था के हर चरण में मस्तिष्क पर पड़े प्रभाव को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया गया।

### रिसर्च के दौरान प्रिसिशन ब्रेन इमेजिंग तकनीक का शोधकर्ताओं ने किया इस्तेमाल

### माइंड में कुछ भाग के सिकुड़ने और कहीं मजबूती का किया गया है आकलन

- पहली बार इस अवधि में मस्तिष्क पर पड़े प्रभाव को व्यवस्थित रूप से किया गया दर्ज
- रक्त संचार से लेकर पाचन, श्वसन, स्वाद और गंध तक की प्रक्रिया पर होता है असर
- इस पीरियड के बाद ब्रेन में कुछ परिवर्तन अस्थायी, तो कुछ आजीवन रहते हैं मौजूद

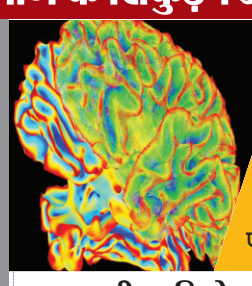

महिलाओं को सहानुभूतिपूर्ण व संवेदनशील बनाने में सहयोग करते हैं दिमागी परिवर्तन

### मातृत्व की प्रवृत्ति से भावनात्मक जुड़ाव

नतीजों में पाया गया कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के दिमाग में कुछ हिस्से सिकुड़ते और कुछ हिस्से मजबूत होते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये बदलाव महज अस्थायी नहीं हैं, बल्कि कुछ संरचनात्मक परिवर्तन स्थायी भी हो जाते हैं। आगे के लिए इस स्थिति का सीधा संबंध मातृत्व की प्रवृत्ति, भावनात्मक जुड़ाव और बच्चे की देखभाल की क्षमता से जोड़कर भी वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं।

### बच्चों की जरूरतों को समझने की कैपेसिटी

इस रिसर्च से जुड़ीं यूनिवर्सिटी ऑफ बर्सिलोना की न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एलिसा ई. ह्यूज के अनुसार, गर्भावस्था मस्तिष्क को इस तरह री-वायर करती है कि महिला को बच्चे की आवश्यकताओं को समझने और ख्याल रखने की क्षमता बेहतर ढंग से मिल सके। यह प्राकृतिक अनुकूलन है। इसे हम वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कर पा रहे हैं। शोध में यह भी सामने आया है कि मातृत्व के दौरान यह दिमागी परिवर्तन महिलाओं को सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील बनाने में सहयोग करते हैं। भविष्य में यह अध्ययन प्रसवोत्तर अवसाद, चिंता और मातृ मानसिक स्वास्थ्य नीतियों को आकार देने में अहम साबित हो सकता है। इसके साथ विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अत्यधिक तनाव, नींद की कमी और सामाजिक सहयोग का अभाव इन सकारात्मक परिवर्तनों को कमजोर कर सकता है।

## हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर

# गुमला सबसे ठंडा जिला 6.6 डिग्री पर पहुंचा पारा

**PHOTON NEWS RANCHI :** हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब झारखंड में साफ दिखने लगा है। जिस तापमान की दस्तक आमतौर पर दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होती थी, वह इस बार नवंबर की शुरुआत से ही महसूस की जा रही है। राज्य के कई जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, जिससे सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में दर्ज किया गया। यहां पारा लुढ़क कर 6.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठंड का असर और तेज महसूस हुआ। मौसम विभाग

के अनुसार, 18 से 23 नवंबर तक सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा। लेकिन, बाद में मौसम साफ रहेगा। 18 नवंबर को सात जिलों में शीतलहर चलने की संभावना जताई गई है। इन जिलों में गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा शामिल हैं। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

BRIEF NEWS

## अवैध खनन पर कार्रवाई, बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

**RAMGARH :** रामगढ़ जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के उद्देश्य से कार्रवाई की गई है। डीसी फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर सोमवार को गोला थाना की ओर से डीएमओ को सूचित किया गया है कि झरिया गढा मोड के पास से दो ट्रैक्टर के चालक पुलिस को देखकर ट्रैक्टर छोड़कर भाग गये। बालू लदे दोनों ट्रैक्टर को गोला थाना में सुरक्षार्थ रखा गया है। इस आलोक में डीएमओ के आदेश पर माइनिंग इंस्पेक्टर राहुल कुमार सिंह के जरिये जांच की। जांच के क्रम में उपरोक्त बालू लदे दोनों ट्रैक्टर वाहन के डाला के अन्दर 100-100 घन फीट बालू लदा हुआ पाया गया। जांच के क्रम में उक्त दोनो ट्रैक्टर वाहनो पर लदे बालू से संबंधित परिवहन चालान नहीं पाया गया। इसके बावत खनन राजस्व का क्षति के आलोक में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

## महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दिए गए दो वाहन

**CHAIBASA :** झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मझगांव विधानसभा क्षेत्र के तांतनगर प्रखंड के कोकचो ग्राम संगठन में महिलाओं के सशक्तिकरण और आजीविका उन्नयन पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मझगांव विधायक निरल पुर्ती और जिला परिषद सदस्य जवाहर बोयपाई उपस्थित हुए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) की महत्वाकांक्षी आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (AGEY) के तहत महिला स्वयं सहायता समूह की दीदियों को दो टाटा मैजिक वाहनों का वितरण किया गया, जिन्हें विधायक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। AGEY, DAY-NRLM की एक उप-योजना है, जिसके माध्यम से SHG सदस्यों को ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित व सस्ती परिवहन सेवा शुरू करने का अवसर मिलता है। योजना के तहत लाभुक महिलाओं को वाहन खरीदने के लिए 6.5 लाख रुपये तक का बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकें।

## गंगा-सतलुज एक्सप्रेस में यात्री की मौत

**DHANBAD :** बनारस से धनबाद आ रही गंगा सतलुज एक्सप्रेस में दिवाकर कुमार (35) नामक याात्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जीआरपी को सोमवार सुबह सूचना मिली थी कि ट्रेन में एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा है। सूचना मिलते ही जीआरपी टीम अलर्ट हो गई और ट्रेन के धनबाद स्टेशन पहुंचते ही दिवाकर को नीचे उतारकर रेलवे अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गजेंद्र राम उनके चचेरे भाई ने बताया कि एक माह पहले दिवाकर के पिता का निधन हुआ था, जिसके बाद वह बनारस गंगा स्नान करने गए थे। चचेरे भाई गजेंद्र राम ने बताया कि ट्रेन धनबाद पहुंचने से लगभग 10 मिनट पहले उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। आशंका है कि ठंड लगने और हार्ट अटैक के कारण उनकी मौत हुई होगी।

# महिला ने प्रेमी संग मिलकर पति की रस्सी से गला घोंटकर कर दी हत्या

## डेढ़ साल से था अफेयर, पति करता था विरोध

**AGENCY PALAMU :** झारखंड में पलामू जिले में पांकी के आसेहार के टिटही टोला में एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या की इस वारदात के बाद परिजनों ने आरोपितों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान उदय यादव (38) के रूप में हुई है। घटना रविवार देर रात की है और सोमवार दोपहर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया है। मृतक के भाई संजय कुमार यादव ने बताया कि उसके भाई की हत्या उसकी भाभी रंजू देवी ने अपने प्रेमी लेस्लीगंज के चौरा

उदय यादव की फाइल फोटो

निवासी चंदन पासवान के साथ मिलकर की है। चंदन और उसकी भाभी के बीच डेढ़ साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों अक्सर बातचीत करते थे, जिससे पति-पत्नी के बीच हमेशा झगड़ा होता था। पत्नी लगातार अपने पति को जान से मारने की धमकी देती रहती थी। संजय ने बताया कि रविवार रात उसकी भाभी और उसके प्रेमी ने मिलकर उसके भाई की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। कुछ देर तक तो भाभी नासमझी का नाटक करती रही, लेकिन बाद में स्थिति साफ हो गई। गला घोंटने में इस्तेमाल की गई रस्सी भी घटनास्थल पर ही मिली। भाभी और उसके प्रेमी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उसके दो बच्चे हैं, एक 11 साल का और दूसरा 8 साल का।

जानकारी के मुताबिक, महिला का प्रेमी चंदन पेशे से ड्राइवर है। वह अक्सर अपने काम को लेकर गांव में राजेश सिंह से मिलने आता था। इसी दौरान उसका संजय की भाभी से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया।

## पति की पिटाई से नाराज नवविवाहिता ने की खुदकुशी

**AGENCY PALAMU :** जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ बहेरा कला गांव में पति की पिटाई से नाराज होकर नवविवाहिता ने फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। घटना रविवार देर शाम की है। महिला की पहचान पूजा कुमारी (25) के रूप में हुई है। इधर, मायके पक्ष से चांदो निवासी भाई बिमलेश कुमार सिंह ने पति, सास, देवर और चाची पर हत्या का आरोप लगाया है। शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में सोमवार को किया गया। जानकारी के अनुसार पूजा देवी का पति घर से बाहर था। लौटने पर पत्नी ने पूछा कि इतनी देर कहां थे। सवाल पूछने पर पति ने गुस्से में आकर उसकी हल्की पिटाई कर दी। पूजा ने नाराज होकर पहले गांव के कुएं में कूद कर खुदकुशी करने की कोशिश की, लेकिन उसे बचा लिया गया। हालांकि घर लाए जाने के बाद उसने कमरे में घुसकर फांसी

पूजा कुमारी की फाइल फोटो

लगा ली। किसी तरह दरवाजा खोलकर पूजा को फंदे से उतारा गया। तबतक उसकी मौत हो गयी थी। सूचना मिलने पर चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। एमएमसीएच पुलिस चौकी की सहायक अवर निरीक्षक पुष्पा डोडराय ने शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। मृतका के भाई के अनुसार 6 महीने पहले पूजा की शादी अपने सामर्थ्य के अनुसार की थी, लेकिन उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था।

उसने आरोप लगाया कि उसके बहन की दहेज नहीं मिलने के कारण पिटायी करके फंदे पर लटका कर हत्या कर दी गयी। भाई के अनुसार पूजा के पति का अवैध संबंध उसकी चाची के साथ है। इधर, पति हरेन्द्र ने बताया कि मामूली डांट फटकार के बाद पूजा ने फांसी लगा ली थी। उसने कहा कि पूजा का किसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसके शरीर पर संबंधित प्रेमी का नाम भी लिखा हुआ है। उससे उसे कई बार प्रेमी से बातचीत करते हुए पकड़ा था। हरेन्द्र ने बताया कि उसकी पत्नी गुस्से में दो मोबाइल फोन तोड़ दिया था। बावजूद इसके उसकी हरकत में कोई सुधार नहीं हुआ।

## मानगो में तेज रफ्तार ऑटो ने ले ली वृद्ध की जान, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

**PHOTON NEWS JSR :** मानगो में एक तेज रफ्तार ऑटो ने एक वृद्ध की जान ले ली। मानगो थाना अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर 10 के पास सोमवार की दोपहर एक दर्दनाक दुर्घटना में 68 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना करीब 12.30 बजे की है। दीन मोहम्मद अचानक जब सड़क पार कर रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में उन के सिर में गंभीर रूप से चोट लग गई। इसके चलते उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने घायल को फौरन एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीन मोहम्मद जवाहरनगर रोड नंबर 11 के रहने वाले थे और दवा लेने के लिए घर

अस्पताल पहुंची पुलिस

से निकले थे। उनकी मौत से घर में लोगों का रो रो कर बुरा हाल है। लोगों का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर आटो चालक के खिलाफ कार्रवाई करे। लोगों का कहना है कि मानगो में इन दिनों तेज रफ्तार आटो चलते हैं। इन पर किसी का अंकुश नहीं है। ट्रैफिक पुलिस भी इन पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। उधर, टेंपो चालक एमडी अहम्मद ने इस हादसे पर सफाई दी है। वह इस हादसे में मृतक दीन मोहम्मद की ही गलती बता रहे हैं। उनका कहना है कि वह चेपापुल की तरफ से टेंपो लेकर आ रहा था। तभी वृद्ध का पैर डिवाइडर में अटक गया और वे सीधे टेंपो के शीशे पर गिर पड़े। अब चालक सही बोल रहा है या नहीं पुलिस ही इसकी जांच कर सकती है। पुलिस को इस मामले में सीसीटीवी फुटेज देखनी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज देख कर ही पता चलेगा कि वास्तव में क्या हुआ था। इधर परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक के तीन बेटे और दो बेटियां हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

## साइबर गैंग का भंडाफोड़ चार आरोपी गिरफ्तार

**HAZARIBAG :** पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के दौरान 19 एटीएम कार्ड, 11 स्मार्टफोन और 1.50 लाख रुपए नगद बरामद किए गए हैं। एसपी अंजनी अंजन ने सोमवार को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग साइबर ठगी की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर सदर के अपर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ग्राम डुमर के सरौनी खुर्द जंगल के पास संदिग्ध रूप से खड़ी दो कारों को रोका। कारों की तलाशी के दौरान राजू वर्मा और शिवा कुमार के पास से 19 एटीएम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज, 11 स्मार्टफोन और 1.50 लाख रुपए नगद मिले। प्राथमिक पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ग्रामीणों को आसान लाभ का लालच देकर उनसे एटीएम कार्ड और बैंक संबंधी दस्तावेज हासिल करते थे। इसके बाद साइबर गिरोह की ओर से भेजी गई ठगी की रकम को विभिन्न एटीएम से निकालकर कमीशन के आधार पर अपने मास्टर माइंड तक एटंचाते थे।

## बिष्टुपुर में चोरी के दो मामलों का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

**JAMSHEDPUR :** बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई दो बड़ी चोरी की वारदातों का पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए खुलासा कर लिया है। दोनों मामलों में विशेष अनुसंधान टीम ने पेशेवर तरीके से काम करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी की गई टाटा सुमो समेत लाखों का सामान बरामद किए हैं। पहली घटना 11 नवंबर की है, जब धतकीडीह सेंटर मैदान के पास खड़ी टाटा सुमो को अज्ञात अपराधियों ने चोरी कर लिया था। वादी शौकत हुसैन के आवेदन पर मामला दर्ज होने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई। टीम ने शहर भर के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की और मानवीय व तकनीकी जानकारी के आधार पर चोरी हुई वाहन को कपाली-

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

कर उसे गिरफ्तार कर लिया.

कांदरबेडा क्षेत्र से बरामद कर लिया। इस मामले में दो आरोपी फैजल अख्तर और फरहान अंसारी उर्फ इमरान को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य फरार अपराधियों की तलाश जारी है। दूसरी वारदात 6 नवंबर की रात सीएच एरिया रोड नंबर-03 स्थित एक फ्लैट में घटी। अज्ञात चोर ने फ्लैट में घुसकर दो लैपटॉप, मोबाइल, हेडफोन, पर्स, स्मार्ट वॉच और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी कर ली थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सुनील पूर्ति उर्फ 'मुर्गी' की पहचान

# बोकारो में हाथियों का उत्पात जारी आठ दिनों में गई तीन की जान

**AGENCY BOKARO :** गोमिया प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आठ दिनों के भीतर हाथियों के हमले में तीन ग्रामीणों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई कारगर पहल नहीं किए जाने से इलाके में भारी रोष है। ताजा घटना कुंदा पंचायत के खरखण्डा गांव की है, जहां बीते रविवार देर रात लगभग 11 बजे झुंड से बिछड़ा एक जंगली हाथी गांव में घुस आया। उसने कई घरों के दरवाजे और दीवारों को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की। इसी दौरान स्थानीय महिला सांझो देवी (60) पर हाथी ने हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, हाथी के धक्के से दरवाजा हिलने की आवाज सुनकर महिला बाहर की

सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन करते ग्रामीण

ओर गई। जैसे ही उसने दरवाजा खोला, हाथी ने उसे सूंढ़ में उठाकर घसीटते हुए कुछ दूर ले जाकर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ललपनिया-रामगढ़ हीरक रोड पर मृतका का शव रखकर जाम कर दिया। देर शाम तक सड़क जाम रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है, लेकिन विभाग और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आठ दिनों के भीतर ही तिलैया गांव के दो युवक झ प्रकाश महतो और चरकु महतो की हाथी के हमले में मौत हो चुकी है। इसके बावजूद हाथियों को भगाने या ग्रामीणों को सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

## चाईबासा में टोटो चालकों के साथ परिवहन अधिकारी करेंगे मीटिंग

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त चंदन कुमार

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें पुलिस अधीक्षक अमित रेनू, तीनों अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, विभिन्न पुलिस पदाधिकारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोड कंस्ट्रक्शन विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक की शुरूआत जिला परिवहन पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत करते हुए की। उन्होंने पिछले वर्षों के हादसों और मृत्यु के आंकड़े, वर्ष 2024-25 के तुलनात्मक डेटा, जिले में जारी सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, नियम तोड़ने वालों पर की जा रही कार्रवाई तथा रोड कंस्ट्रक्शन विभाग द्वारा किए जा रहे सुधारात्मक उपायों की जानकारी दी। दुर्घटनाओं की समीक्षा के बाद जिला उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर बार-बार हादसे हो रहे हैं, वहां राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करें।

# बर्थडे पार्टी में गया था टीआरएफ कर्मी, रहस्यमय हालत में हुई मौत

**PHOTON NEWS JSR :** मानगो थाना क्षेत्र के दाईगुट्टू कावेरी रोड के रहने वाले टीआरएफ में कर्मी 35 वर्षीय संजीत कुमार उपाध्याय की रहस्यमय हालात में मौत ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। परिजनों का आरोप है कि दोस्तों ने उन्हें बर्थडे पार्टी के दौरान जहरीली शराब पिलाकर मौत के घाट उतारा। इस संबंध में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार के अनुसार शनिवार की रात संजीत अपने दोस्तों राहुल तिवारी, रमेश, तेज प्रताप सिंह, तेजू, मोहन सिंह, विजेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह और आकाश के साथ एक बर्थडे पार्टी में गए थे। पार्टी के दौरान ही साथियों ने उन्हें शराब पिलाई। इसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। तबीयत

बर्थडे पार्टी की तस्वीर • फोटोन न्यूज

खराब होने पर दोस्तों ने संजीत के बड़े भाई को फोन कर बुलाया। भाई उन्हें घर लेकर आए और कमरे में सुला दिया। उस वक्त उनकी पत्नी प्रियंका कुमारी मायके गई हुई थीं। अगली सुबह जब संजीत नहीं उठे, तो परिजन उन्हें तत्काल टाटा मुख्य अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि संजीत के साथ पार्टी में शामिल सभी युवक घटना के बाद से फरार हैं और मानवीय आधार पर मिलने तक नहीं आए। इससे दोस्तों पर परिवार का शक गहरा गया है।

परिवार का आरोप है कि यह केवल हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस सभी आरोपियों की तलाश में जुटी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट से मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा।

**आयोजन** एसकेएमयू के नौवें दीक्षांत समारोह में 115 छात्र-छात्राओं को प्रदान की गई उपाधि व मेडल

# विकसित भारत को साकार करने में युवा निभाएं भूमिका : राज्यपाल

- दुमका के संत जेवियर्स कॉलेज की छात्रा तृप्ति शोभा मरांडी को मिली बेस्ट ग्रेजुएट की उपाधि

**PHOTON NEWS DUMKA :** दुमका के कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत का सपना साकार करने में युवा अहम भूमिका निभाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है। युवा इस लक्ष्य को सामने रखकर अपनी भूमिका तय करेंगे, तभी यह सपना साकार होगा। कुलाधिपति ने छात्र-छात्राओं से

कार्यक्रम में छात्रा को डिग्री प्रदान करते गवर्नर संतोष कुमार गंगवार

कहा कि वे शोध व नवाचार के माध्यम से नई संभावनाएं विकसित कर समाज व देश की तरक्की का मार्ग प्रशस्त करें। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय शिक्षा का केंद्र ही नहीं, जनजातीय संस्कृति व परंपराओं के विरासत का संरक्षक भी है। यह विश्वविद्यालय समग्र विकास के सशक्तीकरण का माध्यम है। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की भूमिका जनजातीय समस्याओं के समाधान व इनके संरक्षण को लेकर अहम है। हमारे समक्ष पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां हैं, जिसे खत्म करने के लिए शोध व नवाचार को बढ़ावा देकर नई संभावनाएं तैयार करने की जरूरत है। जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाना और स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध को बढ़ावा देना विश्वविद्यालयों का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि छात्र कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और सामाजिक चुनौतियों का समाधान ढूंढने की दिशा में गंभीरता से पहल करें। छात्रों की शिक्षा तभी सार्थक होगी, जब वे झारखंड के गांवों, दलित व जनजातीय समाज को सशक्त करेंगे। कहा कि यह डिग्री उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है बल्कि इसकी महत्ता समाज व राष्ट्र के विकास के लिए अहम है। यह सपना तभी साकार होगा जब युवा राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। कहा कि आत्मनिर्भर व नवोन्मेषी राष्ट्र निर्माण कर युवा देश को नई ऊंचाईयों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करें। अपने ज्ञान कौशल व संकल्प से समाज व देश को विकसित बनाएं। कहा कि युवा पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन राष्ट्र के सर्वोच्च हित में करें। इस मौके पर 115 छात्र-छात्राओं को उपाधि व मेडल प्रदान किया गया, जिसमें 67 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक और 37 को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। इसमें बेस्ट ग्रेजुएट के तौर पर संत जेवियर्स कालेज महारो की गणित संकाय की छात्रा तृप्ति शोभा मरांडी को प्रदान किया गया।

दीक्षांत समारोह के उपरांत कुल 33697 छात्र-छात्राओं को इन एबसेंसिया डिग्रियां प्रदान की गई। इस मौके पर कुलपति प्रो. डॉ. कुनुल कंडीर ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को रखा।

## निशा हत्याकांड में दोषी को हुई आजीवन कारावास की सजा

**DHANBAD :** कोर्ट ने निशा कुमारी हत्याकांड मामले में सजा के बिंदु पर सोमवार को अपना फैसला सुना दिया है। पिछले दिनों जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम विजय कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने हत्या के आरोपित नीरज आनंद को दोषी माना था। इसके बाद सोमवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए नीरज आनंद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उसपर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक समित प्रकाश ने बताया कि 21 जनवरी 2024 को बैंक मोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित टाटा म्यूचुअल फंड के दफ्तर में निशा कुमारी की हत्या हुई थी। मामले में डेढ़ साल के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। इस फैसले से पीड़ित परिवार संतुष्ट हैं। वहीं मृतका के पति की तरफ से अधिवक्ता विकास भुवानिया ने बताया कि म्युचुअल फंड के मैनेजर नीरज आनंद को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सोमवार को सुनवाई की तारीख तय की थी। इधर, मृतका के पति ने बताया कि कोर्ट के फैसले से पूरी तरह से वह संतुष्ट हैं। उल्लेखनीय है कि 21 जनवरी 2024 को कार्यालय में बुला कर नीरज ने शादीशुदा निशा को चाकू गोद कर हत्या कर दी थी। तीन दिन बाद पुलिस ने नीरज को सरायढेला क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

# घर में शराब पी, ड्राई फ्रूट खाया, फिर ले उड़े लाखों

**KODERMA :** कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के बैजनाथ नगर में बीती रात चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। चोरों ने एक ही रात में तीन घरों को निशाना बनाया, जिससे पूरे इलाके में दहशत और बेचैनी फैल गई है। वारदात के दौरान चोर लाखों रुपये के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़ित परिवारों के मुताबिक, चोर इतने बेखौफ थे कि घर में घुसने के बाद उन्होंने आराम से शराब पी और खाने-पीने का सामान भी खा लिया। किचन में ड्राई फ्रूट बिखरे मिले, जबकि कच्चा पनीर भी गायब पाया गया। मौके से शराब की बोतल बरामद होने के बाद संदेह गहरा गया है कि चोरों ने वारदात से पहले घर में बैठकर शराब पी और फिर पूरी तैयारी के साथ चोरी को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि चोरों ने रातभर इलाके में घूमकर तीन

चोरी के बाद खुली अलमारी व बिखरा सामान

घरों में सेंध लगाने की कोशिश की। इनमें से एक जगह विरोध या किसी बाधा के कारण वे चोरी नहीं कर सके, लेकिन बाकी दो घरों से उन्होंने कीमती सामान, कैश और गहने उड़ा लिए। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

BRIEF NEWS

## रोलिंग ब्लॉक के कारण रांची मंडल की ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

RANCHI : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत विकास कार्य के लिए रोलिंग ब्लॉक लिया जाएगा। ऐसे में रांची रेल मंडल से चलने वाली कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। इसका शेड्यूल रेलवे ने जारी कर दिया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 18602/18601 हटिया टाटानगर हटिया एक्सप्रेस 22 नवंबर को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस 18 नवंबर को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर एक घंटा विलंब से और 19 नवंबर को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 2 घंटे विलंब से हटिया स्टेशन से प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 18035 खड़गपुर हटिया एक्सप्रेस 23 नवंबर को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 2 घंटे विलंब से खड़गपुर स्टेशन से प्रस्थान करेगी।

## विज्ञान व कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

PITHAURIYA : सोमवार को कांके प्रखंड के कोनकी स्थित के गुडविल पब्लिक स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। मौके पर मुख्य अथिति के रूप मे पहुंचे कांके विधायक सुरेश बैठा ने विद्यालय के शिक्षकों की तारीफ की। कहा कि विद्यालय में अनुशासन अच्छा है और यहां के छात्र-छात्राओं द्वारा जो प्रदर्शनी लगाई गई है, इससे साफ जाहिर होता है कि यहां के शिक्षक शिक्षा के प्रति बहुत मेहनती हैं। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की छात्रा पूजा कुमारी ने विधायक का सुंदर चित्र ड्रॉइंग बनाकर सम्मानित किया।

## एजी चर्च हाई स्कूल में मनाया गया बाल दिवस

RANCHI : एजी चर्च हाई स्कूल तिरिल डेला टोली कोकर में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान एनुअल स्पोर्ट्स का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के प्रिंसिपल अजय कुजूर की। उन्होंने बच्चों को सच्ची खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क का महत्व बताते हुए बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। एनुअल स्पोर्ट्स के दौरान स्टूडेंट्स ने उत्साहपूर्वक 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, रिले दौड़, लंबी कूद, चॉकलेट दौड़, बोरी दौड़ सहित कई प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में भाग लिया। पूरे आयोजन में बच्चों ने खेल भावना और टीम भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिताओं में ब्लू हाउस विजेता बना, जबकि रेड हाउस उप विजेता घोषित हुआ। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना के साथ हुआ, जिसे देवघरिया उरांव ने संपन्न कराया।

# जिनका कोई ठिकाना नहीं, उनके लिए शेल्टर होम में 200 बेड तैयार

■ लोगों को कंबल भी दिए जाएंगे, नहीं देना है कोई चार्ज ■ ठंड से बेघरों को बचाने की रांची नगर निगम की पहल

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में ठंड का कहर जारी है। कंपाने वाली ठंड ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। ऐसे में जिन लोगों का कोई ठिकाना नहीं है, उन्हें ठंड से बचाने के लिए रांची नगर निगम ने कमर कस ली है। नगर निगम ने शहर के एक दर्जन शेल्टर होम में तैयारी कर ली है, जहां पर 200 बेड तैयार रखे गए है। इन शेल्टर होम में आने वाले लोगों को कंबल भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा शेल्टर में होम में जरूरी दवाएं भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे कि लोगों को इमरजेंसी में दवा मिलेगी। रांची नगर निगम ने इस बार बेघरों को राहत पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर में रहने वाले ऐसे लोग जिनके पास रात गुजारने के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं है उन्हें रेस्क्यू कर शेल्टर होम पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही हर बेड पर लोगों को कंबल भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे ठंड से बच सकें। बता दें कि प्रतिदिन तापमान गिर रहा है। जिसके कारण बेघर और असहाय लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। रात के समय खुले में रात गुजारना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने पहले से मौजूद शेल्टर होम को दुरुस्त किया है। जरूरत पड़ने पर नए अस्थायी शेल्टर होम भी बनाए जाएंगे।

### किस शेल्टर होम में कितने बेड

- बिरसा मुंडा बस टर्मिनल परिसर, खादगड़ा, रांची (पुरुष) : 50
- धुर्वा बस स्टैंड के समीप : 16
- एजी मोड़ डोरंडा के समीप : 10
- मधुकम चूना भट्ठा : 16
- रिम्स परिसर : 19
- बिरसा मुंडा बस टर्मिनल परिसर, खादगड़ा, रांची (महिला) : 49
- बकरी बाजार : 10
- कर्बला चौक के समीप : 10
- जगन्नाथ मंदिर के समीप : 16
- आईटीआई बस स्टैंड के समीप : 10

### प्रशासक ने किया निरीक्षण

नगर प्रशासक सुशांत गौरव ने खादगढ़ा स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण भी किया। जहां उपलब्ध सुविधाओं को संतोषजनक पाया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए विशेष रेस्क्यू टीमें गठित की जाएं। साथ ही कहा कि आश्रयविहीन और जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें निकटतम आश्रय गृहों तक सुरक्षित पहुंचाएं। उन्होंने सभी जगहों पर साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, बिस्तर, गर्म कपड़े और मूलभूत सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहने चाहिए। निगम की टीमें 247 सक्रिय एक्टिव रहते हुए सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति ठंड में सड़क पर रात बिताने को मजबूर न हो। नगर प्रशासक ने शहरवासियों से भी अपील की है कि यदि वे किसी बेघर व्यक्ति को ठंड में बाहर सोता देखें तो शेल्टर होम की जानकारी दें। इसके अलावा लोग हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दे सकते है।

### कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने की उद्यान विभाग की समीक्षा, कहा-

# योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को करना होगा काम

- अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से ली जानकारी
- हर स्कीम के क्रियान्वयन की समय-सीमा को लेकर दिया सख्त निर्देश
- कॉल सेंटर में किसानों के साथ की बात योजनाओं का लाभ लेने की अपील

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि निदेशालय पहुंचकर उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। यह बैठक अचानक हुई, जिसमें मंत्री ने विभाग के अंतर्गत चल रही योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान कृषि मंत्री ने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके अलावा कई समस्याओं पर चर्चा की, जो योजनाओं के सही क्रियान्वयन में बाधक बन रही है। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं को गति देने के लिए केवल शोकॉज या कार्रवाई करने से काम नहीं चलेगा। रचनात्मक सोच और ठोस कार्य योजनाओं की जरूरत है। उन्होंने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को नए दृष्टिकोण और कार्ययोजना के साथ काम करना होगा। साथ ही यह भी कहा कि योजनाओं में आ रही अड़चनों को हल करने के लिए अधिकारी सुलझाने के उपायों पर काम करें,ताकि अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच सके। कृषि मंत्री ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और अन्य योजनाओं के संचालन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए, ताकि किसानों को जल्द से जल्द इनसे लाभ मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से योजनाओं के क्रियान्वयन की समय सीमा को लेकर सख्त निर्देश दिया, जिससे कोई योजना समय पर पूरी हो सके और किसानों को फायदा पहुंचे।

### ऑपरेटरों को दिया जाए प्रशिक्षण

बैठक के बाद शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि निदेशालय में स्थित किसान कॉल सेंटर का औचक निरीक्षण भी किया। मंत्री ने कॉल सेंटर में बैठकर किसानों से बात की और विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कॉल सेंटर में काम कर रहे ऑपरेटरों को विभाग की योजनाओं के बारे में अधिक जानकारी देने और उन्हें प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया। मंत्री ने यह भी कहा कि किसानों को अधिक से अधिक योजनाओं के बारे में जानकारियां दी जाएं। किसी भी कृषि संबंधित समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 18001231136 पर संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही किसानों से अपील की कि वे कॉल सेंटर पर अपनी कृषि से संबंधित परेशानियों का समाधान प्राप्त करें।

### झारखंड की नई पहचान बनेगा लाह उत्पादन

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान में आयोजित सात दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। समापन समारोह में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने लाह उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि लाह की मांग अब देश तक ही सीमित नहीं रही, अब तो विदेशों में भी लाह की मांग तेजी से बढ़ रही है। अगर आपका उत्पाद बेहतर होगा, तो आपके उत्पाद का बाजार मूल्य भी बढ़ेगा। गांव-पंचायत को अगर कलस्टर के तौर पर विकसित कर लाह के क्षेत्र में काम किया जाए, तो लाह के उत्पादन में झारखंड की एक नई पहचान बनेगी। मंत्री ने कहा कि लाह के उत्पादन से जुड़ कर कई किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव पहले ही आ चुका है और अब मास्टर ट्रेनर्स के इस प्रशिक्षण से लाह उत्पादन से जुड़े किसानों का बड़ा फायदा होने जा रहा है। झारखंड में किसानों के सहयोग से एक दुरुस्त इको सिस्टम बनाना है। सरकार फिलहाल सहयोग की भूमिका में है। उन्होंने कहा कि लाह की खेती झारखंड के लिए कोई नई बात नहीं है, यहां के लोग पारंपरिक रूप से लंबे समय से इस खेती से जुड़े रहे हैं। किसानों को प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने के लिए व्यापक कदम उठाए जाने चाहिए।

## राज्यपाल से मिले विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल को 22 नवम्बर, 2025 को आयोजित झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। दूसरी ओर, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

## होल्डिंग टैक्स का भुगतान न करने वाले 100 बड़े बकाएदारों को मिला नोटिस

RANCHI : रांची नगर निगम होल्डिंग टैक्स बकाएदारों को राहत देने के मूड में नहीं है। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर 2025-26 की चौथी तिमाही तक बकाया होल्डिंग टैक्स का भुगतान न करने वाले 100 होल्डिंग धारकों को नोटिस जारी किया है। निगम ने चेतावनी दी है कि इन धारकों ने यदि सात दिनों के अंदर अपना बकाया भुगतान नहीं किया गया, तो नागरिक सेवाओं को स्थायी या अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। यह कार्रवाई झारखंड नगरपालिका अधिनियम के तहत की जा रही है। इसके बाद डोर टू डोर और वाटर सप्लाई को बंद कर दिया जाएगा।

टॉप टेन बकाएदार और बकाया राशि : 1. चिकित्सक संघ डॉक्टर्स क्लब, केसी राय मेमोरियल हॉस्पिटल- 473725 रुपये। 2. सरोज देवी शर्मा, बजरा, इटकी रोड, साई आटो- 490004 रुपये। 3. लाली कच्छप, ताराबाबू लेन, थड़पखना- 534983 रुपये। 4. मंजूला देवी, हेसाग- 635000 रुपये 5. फूलवंती देवी, प्रगति इंक्लेव, न्यू अलकापूरी- 657184 रुपये। 6. डॉ, . सच्चिदानंद प्रसाद, रिम्स चौक, बरियातू- 731602 रुपये। 7. छोटानागपुर पब्लिक स्कूल, पीएचईडी आफिस, बूटी- 748408 रुपये। 8. इला रानी, कमल कुमार सिंह, प्रकाश यादव, कोकर, एचबी रोड- 984992 रुपये। 9. इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड मैनेजमेंट, पुंदाग-1205799 रुपये। 10. बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, सर्कुलर रोड- 1654297 रुपये।

# विकसित भारत का संकल्प स्वदेशी अभियान से ही हो सकता है मजबूत : अरुण सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को स्वदेशी संकल्प अभियान की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की जबकि संचालन प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने किया। बैठक में अभियान की प्रदेश टोली, जिलाध्यक्ष, जिला टोली, प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष, प्रकोष्ठ संयोजक शामिल हुए। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री सांसद और अभियान के राष्ट्रीय संयोजक अरुण सिंह ने संबोधित किया। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बुनियादी सुविधाओं में तीव्र विकास हो रहा। गांव गरीब किसान विकास की मुख्यधारा से जुड़े हैं। एक नए भारत का उदय हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वीं वर्षगांठ 2047 में विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है,और इस दिशा में कार्य हो रहे। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है, जो अगले दो वर्षों में तीसरी बन जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प स्वदेशी अभियान से ही मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि देश की जनता भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने को ठान चुकी है। उन्होंने जनता के स्वदेशी आंदोलन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आत्म निर्भर भारत संकल्प को पूरा करके विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

बैठक में भाग लेते प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व अन्य ● फोटोन न्यूज

## मंदबुद्धि-निराश्रितों की हुई स्वास्थ्य जांच

RANCHI : सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम, पुंदाग में सोमवार को मंदबुद्धि दिव्यांग एवं निराश्रित प्रभुजनों की स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें न्यूरो सर्जन डॉ. एच.पी. नारायण ने आश्रम में रह रहे सभी लोगों व सेवा कार्यकताओं की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार मरीजों को अपनी ओर से निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराईं। डॉ. एच.पी. नारायण ने आश्रमवासियों को स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता और निरोग रहने के तरीकों को विस्तार से बताया। आश्रम की साफझसफाई और सेवा कार्य देखकर उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा' है। जिन लोगों की कोई देखरेख नहीं, उन्हें आश्रय और सम्मानजनक जीवन देना सबसे बड़ा सामाजिक कार्य है।

### प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई बैठक

# कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने एसआईआर को लेकर सतर्क रहने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को कांग्रेस भवन में झारखंड के सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और लोकसभा-विधानसभा के पूर्व प्रत्याशियों की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू उपस्थित रहे। उन्होंने राज्य में शुरू होने वाली स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। कहा कि बिहार में हुए विवाद की तरह वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटने जैसी स्थिति झारखंड में न हो। इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना अनिवार्य है। उन्होंने जिला कांग्रेस अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि 15 दिसंबर तक सभी बूथों पर बीएलए नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। इस प्रक्रिया में सभी सांसद, मंत्री, विधायक और पूर्व प्रत्याशी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक संसाधन राज्य को भाजपा के नेता निशाने पर रखते हैं। इसी कारण भाजपा चुनावी लाभ के लिए हर संभव हथकंडा अपना सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, चुनाव आयोग को जेबी संस्था की तरह उपयोग करते हुए आम मतदाताओं के नाम कटवाने की संगठित कोशिश कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ● फोटोन न्यूज

**खेल** अलग-अलग जिलों से 600 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हुए थे शामिल

# कराटे चैंपियनशिप में 21 स्वर्ण के साथ रांची ओवरऑल चैंपियन

- रांची की अनन्या ट्विंकल कुजूर गर्ल्स कैटेगरी में चैंपियन
- ब्वॉयज कैटेगरी में पश्चिम सिंहभूम के सत्यम गुप्ता को चैंपियन का खिताब

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप का समापन हुआ। बिशप स्कूल में आयोजित दूसरी सिकोकई चैंपियनशिप में मेजबान रांची के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए 21 स्वर्ण पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं दूसरे स्थान पर पश्चिम सिंहभूम और तीसरे स्थान पर दुमका की टीम रही। चौथे स्थान पर धनबाद की टीम को संतोष करना पड़ा। इस दौरान हंसी संजय प्रसाद, मोहम्मद इस्लाम, अमित कुमार चौधरी, अंकित गोस्वामी ने खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। रांची की अनन्या ट्विंकल कुजूर ने फीमेल कैटेगरी में चैंपियन का खिताब हासिल किया जबकि पश्चिम सिंहभूम के सत्यम गुप्ता ने मेल कैटेगरी में चैंपियन बने। अनुशासित टीम का खिताब धनबाद को मिला। सभी विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी और विशिष्ट अतिथि बिशप स्कूल के प्रिंसिपल आईए जैकब और शैल्बी डिवाइन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निदेशक डॉ देवनिस खेस ने सम्मानित किया।

### खेल के प्रति बढ़ा खिलाड़ियों का रुझान

महुआ माजी ने कहा कि खेल के प्रति खिलाड़ियों का रुझान जिस प्रकार से बढ़ा है इसमें राज्य सरकार का भी बड़ा योगदान है। आईए जैकब ने कहा कि सभी स्कूलों में कराटे खेल को अनिवार्य विषय के रूप में रखना चाहिए। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राइबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन सह इमा के तकनीकी निदेशक रेंसी सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि 55 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में जीत और हार खेल का हिस्सा है। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी आगामी 19 से 21 दिसंबर तक पटना में आयोजित सिकोकई ईस्ट इंडिया कराटे चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

### ये हैं पदक विजेता खिलाड़ी

स्वर्ण पदक विजेता में रित्सिका अनवी (रांची), अनाया ट्विंकल कुजूर (रांची), जुबिन मरांडी (दुमका), नायरा निधि महतो (पश्चिम सिंहभूम), रियांश कुमार (पश्चिम सिंहभूम), आरोही गुप्ता (दुमका), परी कुमारी (रांची), सुनिधि एंजेल एक्का (रांची), मयंक कुमार दास (रांची), शाइनी सिमोना टोपो (रांची), वृष्टि मोनिका केरकेट्टा (रांची), निशित हिमतसिंघका (दुमका) शामिल हैं। रजत पदक जीतने वालों में यामी मुंडा (रांची), कुमारी आश्था (रांची), ध्रुव गुप्ता (रांची), तोषणी कंवर (रांची), साहिल कुमार महतो (रांची), दीपाली सिंह (रांची), काव्या अंजनी वर्मा (रांची) शामिल है।

### इनका रहा योगदान

अनिल किस्पोट्टा, राकेश तिर्की कुंदन उरांव, उमा शंकर महतो,प्रदीप डिक्रूज,आयुष सांगा,दीपशिखा तिग्गा, प्रतिभा तिग्गा,रितिका तिग्गा,आरती टोप्पो, अंजली कुमारी।

## अग्रसेन हितकारिणी सभा ने बच्चों में बांटे गर्म कपड़े

RANCHI : अग्रसेन हितकारिणी सभा, रांची ने भगवान बिरसा मुंडा जयंती और बाल दिवस के अवसर पर राजकीय कृत प्राथमिक विद्यालय रातू प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को सेवा कार्य का आयोजन किया। इस अवसर पर सभा के सदस्यों ने विद्यालय के 108 बच्चों के बीच उनी कपडे का वितरण किया गया। इस दौरान बच्चों ने कविताएं सुनाईं, जबकि वरिष्ठ सदस्य रूपा अग्रवाल ने उन्हें हाव-भाव और अभिव्यक्ति के साथ कविता पढ़ने की कला सिखाई। बच्चों ने बताया कि उन्हें विद्यालय में कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चे हैं। जिन्हें चार शिक्षिकाओं द्वारा शिक्षित किए जाते हैं। सभा के अध्यक्ष ओपी लाल ने कहा कि अग्रसेन हितकारिणी सभा हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के बीच सेवा के कार्य करती है।

## बेड़ो लाइब्रेरी का सदस्यता अभियान शुरू, गणमान्य लोगों ने ली मेंबरशिप

PHOTON NEWS BERO : सोमवार से प्रखंड मुख्यालय बेड़ो स्थित पब्लिक लाइब्रेरी में सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई। अभियान के पहले दिन प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप, प्रज्ञा केंद्र संचालक शाहिद अंसारी सहित कई लोगों ने सदस्यता ग्रहण कर अभियान को गति दी। लाइब्रेरियन शमामा फातिमा ने बताया कि पाठकों के लिए मासिक शुल्क 50 रुपये तथा वार्षिक शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। लाइब्रेरी में सभी आयु वर्ग के पाठकों के लिए सुविधाजनक माहौल और भरपूर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रमुख विनीता कच्छप ने कहा कि लाइब्रेरी में सभी श्रेणी के पाठकों के लिए पुस्तकें, दैनिक अखबार, प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें व पत्रिकाए उपलब्ध हैं। शांत एवं सुरक्षित अध्ययन वातावरण, विद्युत और इंटरनेट की सुविधा, पेयजल की व्यवस्था, साफ-सुथरे शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों और पाठकों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन की सुविधा मिल सके।

# अक्षरों-किताबों के क्षीरसागर में गोते लगाते रहे सुधीजन

## साहित्य कला फाउंडेशन के साहित्यिक अनुष्ठान में नामी-गिरामी हस्तियों ने ज्ञान से किया ओतप्रोत

**PHOTON NEWS JSR :** साहित्य कला फाउंडेशन का दूसरा संस्करण एक नया इतिहास गढ़ने की ओर अग्रसर हो गया है। पहले दिन की शुरूआत भव्य तरीके से हुई। साहित्यकार-सह-राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी की गरिमामय उपस्थिति ने आयोजन को भव्य बना दिया, तो साहित्य जगत के पुरोधा डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने इसे काफी ऊंचाई पर पहुंचा दिया। नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान केंद्र की प्रोफेसर डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने पुस्तकों पर चर्चा करते नारी विमर्श को नया मोड़ दे दिया। इसी कड़ी में संथाली और भोजपुरी भाषा में हुए संवाद सत्र ने मील का पत्थर स्थापित किया।

इसी कड़ी में जब डॉ. कुंदन यादव ने बनारस की छौंक लगानी शुरू किया, तो सभी उसकी सुगंध में मदमस्त होते दिखे। संपादकों की गोष्ठी ने पत्रकारिता जगत की एक-एक मीन-मेख पर खुलकर बातें रख दीं। ठाकुरबाड़ी के संदर्भ में कहे गए किस्से भी श्रोताओं को लंबे समय याद रहेंगे। समापन सत्र संगीत के नाम रहा, जिसमें काव्यराग नामक बैंड ने दिन भर की थकान मिटा दी। अब बातें जरा विस्तार से...

बिष्टुपुर स्थित होटल एल्कोर में कार्यक्रम का आनंद उठाते गणमान्य ● फोटोन न्यूज

डॉ. भुजंग टुडू को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. अमर सिंह (बाएं)

संदीप मुरारका को स्मृति चिह्न भेंट करते आनंद कुमार (बाएं)

### अभी शुरू हुआ है जनजातीय भाषाओं की समृद्धि का दौर

पहले दिन के कार्यक्रम का दूसरा सत्र- जनजातीय भाषाओं की ज्ञान परंपरा और किताबें- था, जिसमें साहित्य कला अकादमी से पुरस्कृत संताली साहित्यकार पद्श्री भुजंग टुडू व पत्रकार भादो माझी के साथ मॉडरेटर की भूमिका में शहर के संदीप मुरारका रही। उनके प्रश्नों का उत्तर देते हुए दोनों वक्ताओं ने बताया कि संताली साहित्य का इतिहास महज 100 वर्ष पुराना है, इसलिए इसकी समृद्धि का दौर अभी शुरू हुआ है। टुडू ने भी इस बात को दोहराया कि जनजातीय साहित्य या संस्कृति वाचिक परंपरा से ही शुरू हुई है। लगभग 1894 में पहला साहित्य लोकगीत के माध्यम से लिखा गया था।

इसके बाद ओलचिकि लिपि के जनक पं. रघुनाथ मुर्मू ने संताली भाषा को विस्तार दिया। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके लिए सबसे पहले हमें अपने ही समाज में पाठक वर्ग तैयार करना होगा।

## वाचिक परंपरा में लौट रही नई पीढ़ी : डॉ. महुआ माजी

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने अपने संबोधन में कहा कि आजकल यह कहा जाता है कि अब नई पीढ़ी में पहले की तरह पुस्तकों में रुचि नहीं है, लेकिन यह सही नहीं है। अब नई पीढ़ी पढ़ने की जगह सुनना ज्यादा पसंद कर रही है। हम कह सकते हैं कि यह पीढ़ी वाचिक परंपरा में लौट रही है। शायद यही वजह है कि आज डिजिटल या ऑडियो बुक की भरमार हो गई है। उन्होंने शिकागो यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे मीलों दूर रह रहे भारतीय अपनी संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं। इसी कड़ी में उन्होंने बताया कि झारखंड में साहित्य व कला एकेडमी का प्रस्ताव राज्य सरकार की कैबिनेट से पारित हो गया है। इससे साहित्य को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के विकास पर कहा कि 32 जनजातीय भाषाओं में 9 ही विकसित हुई हैं, नई पीढ़ी अन्य भाषाओं पर भी लेखन-संवर्द्धन करे, तो काफी कुछ हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदी 48 भाषाओं से बनी है, लेकिन, मेरी सलाह है कि इसे इतना सरल बनाया जाना चाहिए कि दक्षिण भारतीय को भी समझने में आसानी हो। उन्होंने बंगाल के प्रसिद्ध लेखक माइकल मधुसूदन दत्त का उदाहरण देते हुए कविताओं-गीतों को छंद-लय में विकसित करने पर जोर दिया, ताकि इसे लोग ज्यादा दिनों तक याद रख सकेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. महुआ माजी ● फोटोन न्यूज

## मुद्रित साहित्य ही स्थायी ज्ञान का माध्यम : डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र

कार्यक्रम का सबसे पहला सत्र -जीवन में किताबें और किताबों में जीवन- पर रहा, जिसमें नवगीत के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने साहित्य की वाचिक परंपरा से लेकर इंटरनेट युग तक को एक सूत्र में पिरो दिया। उन्होंने कहा कि एक दशक से इंटरनेट का दौर चल रहा है, जिसमें आज की पीढ़ी गूगल-ज्ञान पर ज्यादा भरोसा करती है। लेकिन, उन्हें जानना चाहिए कि मुद्रित या छपा हुआ साहित्य ही स्थायी रूप से ज्ञान दे सकता है। उन्होंने बताया कि लेखन की शुरूआत से पहले वाचिक परंपरा ही कायम थी। लोग एक-दूसरे से सुनकर दूसरों तक ज्ञान फैलाते या पहुंचाते थे। धीरे-धीरे लिखने की परंपरा शुरू हुई। पहले कहा जाता था कि जिसके पास पुस्तक है, वही पंडित या ज्ञानी है। यह लोकोक्ति वर्षों तक चली। नई पीढ़ी को मेरी सलाह है कि गूगल पर बहुत सी अशुद्धियां रहती हैं, इसलिए मुद्रित साहित्य पर भरोसा रखो। अंत में उन्होंने बच्चों पर लिखी कविता, मोर के पांव ही न देख तू, मोर के पंख भी तो देख... शूल भी फूल है, बस एक नजर तो देख तू... नाश तो हर किसी के हाथ में, सर्जना करे वही बड़ा... सुनाई।

भादो माझी को स्मृति चिह्न भेंट करतीं डॉ. नेहा तिवारी ● फोटोन न्यूज

साहित्यिक महोत्सव में शामिल कॉलेज की छात्राएं ● फोटोन न्यूज

## बनारस का रस : गंडासा गुरु की शपथ

इस शीर्षक वाले कहानी के लेखक-सह-आईएएस डॉ. कुंदन यादव से सत्यार्थ अनिरुद्ध ने ढेरों बातें कीं। डॉ. यादव ने कहा कि जब काशीनाथ सिंह ने काशी का असी किताब लिखी, तो मुझे लगा कि यह तो एक मोहल्ले की कहानी है, तभी मुझे लगा कि पाठकों तक पूरे बनारस का रस पहुंचाना चाहिए। इसी परिकल्पना के साथ मैंने यह किताब लिखी। इस किताब का शीर्षक उस व्यक्ति पर लिखा, जिसने पानी वाले सांप के काटने पर गंडासे से अपनी पूरी अंगुली ही काट दी थी, जिससे विष पूरे शरीर में न फैल सके। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि 1990 के बाद बनारस का मिजाज और रहन-सहन काफी बदल गया है। फ्लैट कल्चर आने से लोगों का मेल-जोल भी वैसा नहीं रहा। यह शहर बहुत धीरे-धीरे चलता है। किसी को जल्दी नहीं रहती है। इस लिहाज से यह शहर, देश के अन्य नगरों से काफी अलग है। उन्होंने बताया कि पिताजी पुलिस विभाग में थे, सो उनके तबादलों की वजह से मैं 17 जिलों में पढ़ा। अब मुंबई में रहता हूं।

एक शाम कविताओं के गायन की काव्यराग बैंड में चिन्मयी त्रिपाठी व जोएल मुखर्जी की प्रस्तुति

## अखबारों की लेखन शैली व संस्कृति पर आए विविध पक्ष

कार्यक्रम का पांचवां सत्र-पढ़ने की संस्कृति का ह्रास और अखबारों की चुनौतियां- विषय पर थी, लेकिन इसमें अखबारों की लेखनशैली व संस्कृति पर भी खूब बातें हुईं। प्रभात खबर के संपादक संजय मिश्र ने कहा कि शब्दों का मानकीकरण नहीं हुआ है, जिससे अलग-अलग अखबारों में एक ही शब्द विभिन्न रूप में दिखते हैं। उन्होंने फेक न्यूज शब्द पर भी आपत्ति जताई। कहा कि यह शब्द अंग्रेजी से लिया गया है, जैसे येलो जर्नलिज्म को पीत पत्रकारिता कहा जाता है। ये हिंदी के शब्द हैं ही नहीं। न्यूज, फेक नहीं हो सकता है।

दैनिक भास्कर के संपादक कुमार भवानंद ने कहा कि आदमी हर वक्त पढ़ता ही रहता है, चाहे डिजिटल हो या प्रिंट। अखबार भी डिजिटल फॉर्म में आ गए हैं। हां, सोशल मीडिया पर आप भरोसा नहीं कर सकते।

चमकता आईना के संपादक जयप्रकाश राय ने कहा कि पहले हाथ से लिखा जाता था, अब की-बोर्ड पर लिखा जाता है। दोनों में आसमान-जमीन का अंतर है। इससे भी बड़ी बात कि पहले अखबार छपने से पहले तीन-चार स्तर पर पढ़ लिया जाता था, अब ऐसा नहीं होता, इसलिए त्रुटियां रह जाती हैं।

दैनिक जागरण के संपादक उत्तम नाथ पाठक ने कहा कि जेन-जी में हिंदी की स्वीकार्यता है नहीं। पहले हर स्कूल में हिंदी के अखबार जाते थे, जिसे बच्चों को पढ़ने के लिए कहा जाता था, अब ऐसा नहीं है। शायद, इसी वतह से बच्चों में हिंदी प्रायोरिटी में है नहीं।

उदितवाणी के संपादक उदित अग्रवाल ने कहा कि आज के बच्चों के पास पढ़ने के लिए बहुत से ऑप्शन हैं। आज की पीढ़ी कंटेंट कंज्यूम करती है, पढ़ती नहीं है। वैसे भी जब बच्चा घर में अपने बड़ों को पढ़ते हुए नहीं देखेगी, तो क्या सीखेगी। इसलिए सबसे पहले घर में ही पढ़ने की संस्कृति विकसित करनी होगी, तभी हम बच्चों से उम्मीद रख सकते हैं कि वह भी पढ़े।

दैनिक हिंदुस्तान के संपादक गणेश मेहता ने कहा कि ऊर्जा कभी खत्म नहीं होती है, उसी तरह पढ़ना भी है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। जहां तक चुनौती की बात है, तो जहां चुनौती होती है, वहीं से निर्माण भी शुरू होता है। बदलाव को स्वीकार करना होगा। क्रिकेट में भी टेस्ट मैच से टी-20 तक आ गया है, भविष्य में यह टी-10 तक पहुंच जाएगा।

श्रोताओं की ओर से डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, डॉ. अशोक कुमार झा अविचल, डॉ. विजय शर्मा व वैभव मणि त्रिपाठी ने भी संपादकों से सवाल पूछे।

## भोजपुरी में हुई उपन्यास ग्राम देवता की बात

गांव के देवता या देवता का गांव विषयक परिचर्चा प्रो. रामदेव शुक्ल के उपन्यास ग्राम देवता पर आधारित रही। इसमें डॉ. मुन्ना कुमार पांडेय ने पुस्तक के लेखक व गोरखपुर यूनिवर्सिटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर रामदेव शुक्ल से संवाद किया। उन्होंने बताया कि यह किताब लिखने की प्रेरणा कई प्रसंगों-संस्मरणों पर रही। उन्होंने बताया कि यह पहला भोजपुरी उपन्यास है, जिसका 2020 में अंग्रेजी में अनुवाद हुआ। प्रो. शुक्ल ने कहा कि भोजपुरी बढ़ेगी, तो हिंदी भी बढ़ेगी। इस भाषा को हिंदी का दुश्मन नहीं समझा जाना चाहिए। इस परिचर्चा में भिखारी ठाकुर से लेकर कृष्ण बिहारी मिश्र तक चर्चा हुई। प्रो. शुक्ल ने शुरुआत में कहा कि हिंदी और अंग्रेजी में एक ही वस्तु या भाव अभिव्यक्ति के लिए गिने-चुने शब्द हैं, जबकि भोजपुरी में अनेकों शब्द हैं। इसे उन्होंने आम का उदाहरण देकर समझाया।

## किताबों के ढेर में अंतिम सांस लेना पसंद करूंगी : गरिमा श्रीवास्तव

उद्घाटन सत्र में जेएनयू की प्रो. डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने अपने पिता के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि यदि कोई मुझसे पूछे कि मैं कैसे मरना पसंद करूंगी, तो मैं कहूंगी कि मैं किताबों के ढेर में अंतिम सांस लेना पसंद करूंगी। उन्होंने बताया कि मेरे पिता भी प्रोफेसर थे, सो उनके पास ढेरों किताबें थीं। उनकी मृत्यु के उपरांत उनकी किताबें कूड़े की तरह एक कमरे में रखी थीं। लेकिन, मेरे लिए वह कबाड़ नहीं था। इससे पहले उन्होंने महिलाओं के यौनशोषण के किस्से सुनाए, जिसमें सांगली-महाराष्ट्र का भी प्रसंग था। उन्होंने बताया कि वहां सड़क किनारे 20 रुपये में भुट्टा सेंक रही महिला, उतने ही रुपये में देह का भी सौदा कर लेती है। यूरोपीय देशों की महिलाएं अब भी द्वितीय विश्वयुद्ध के काल में जी रही हैं। उनके साथ 1992 से 1995 तक यौन उत्पीड़न हुए कि उन्होंने इसी को नियति मान लिया है।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ● फोटोन न्यूज

## आज होंगे ये कार्यक्रम

**JAMSHEDPUR :** छाप महोत्सव में 18 नवंबर को सुबह से शाम तक कई कार्यक्रम होंगे। इसमें सबसे पहले सुबह 10 बजे से कबीर में प्रेम और कबीर से प्रेम पर ख्यातिलब्ध लेखक पुरुषोत्तम अग्रवाल से साहित्यकार विमलचंद्र पांडेय बात करेंगे।

- सुबह 10.40 बजे से कल्पना की उड़ान और युवा होता बालपन विषय पर पुस्तक उड़ने वाला फूल पर लेखिका उपासना से डॉ. क्षमा त्रिपाठी बात करेंगी।
- सुबह 11.20 बजे से अंग्रेजी का सत्र होगा, जिसमें कल्चरल वर्सेस मॉडर्निटी पर ख्यात लेखक जेरी पिंटो से डॉ. नेहा तिवारी कन्वर्सेशन करेंगी।
- दोपहर 12 बजे से जीवन की विविधताओं पर ओड़िया लेखक व पत्रकार डॉ. गौरहरि दास से बात करेंगे बालकृष्ण बेहरा।
- दोपहर 12.40 बजे से स्त्री विमर्श पर लेखिका डॉ. बीना ठाकुर से बात करेंगे साहित्यकार अशोक कुमार झा।
- दोपहर 1.20 बजे से प्रयागराज के दौर में इलाहाबाद की यादें विषय पर लेखक और पटकथाकार शेषनाथ पांडेय से बात करेंगे वैभव मणि त्रिपाठी।
- दोपहर 2 बजे से पोर्टल वाला मीडिया, रील के मकड़जाल वाले दौर में पत्रकारिता की चुनौतियां विषयक परिचर्चा में बैजनाथ मिश्र, अनुज कुमार सिन्हा और श्याम किशोर चौबे से बात करेंगे आनंद कुमार।
- महोत्सव के अंतिम सत्र में भोजपुरी भाषा की पहली साइंस फिक्शन फिल्म मद्धिम का प्रदर्शन होगा। प्रदर्शन के पश्चात निर्देशक विमल चंद्र पांडेय तथा कलाकार डॉ. मुन्ना कुमार पांडेय से डॉ. प्रियंका सिंह बात करेंगी।
- कार्यक्रमों का संचालन मीनाक्षी शर्मा व डॉ. प्रियंका सिंह करेंगी।

**समस्या** ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों का बुरा हाल, पहले पेड़ के नीचे चलता था स्कूल, अब जर्जर भवन की छत के नीचे बांधी जाती है तिरपाल

# सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा ध्वस्त, बच्चों की पढ़ाई पर असर

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिम सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड के तोडांगसाई गांव में स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय का भवन खंडहर हो चुका है। स्कूल भवन की दीवारें गिरने की हालत में हैं और छत के प्लास्टर भी झड़ रहे हैं। इस स्थिति में बच्चों का यहां बैठ कर पढ़ना खतरे से खाली नहीं है। दो साल पहले शिक्षकों ने बच्चों को पेड़ के नीचे बैठा कर पढ़ाना शुरू किया था, लेकिन प्रशासन ने जुलाई 2023 में स्कूल को प्राथमिक विद्यालय रुकमुट में शिफ्ट कर दिया।

**एक कमरे में दो स्कूल :** रुकमुट में एक कमरे में उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय तोडांगसाई का संचालन होता है, जबकि दूसरे कमरे में प्राथमिक विद्यालय रुकमुट संचालित होता है। यह कमरा भी जर्जर अवस्था में है और बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण छत के नीचे तिरपाल बांधकर बच्चों को पढ़ाया जाता है।

**सरकार की अनदेखी :** यह मामला झारखंड में शिक्षा की बुनियादी ढांचा की खराब स्थिति को दशार्ता है। सरकार रंगरोगन के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करती है, लेकिन जहां स्कूल भवन जरूरी है वहां इसका निर्माण नहीं कराया जाता। यह स्थिति शिक्षा के अधिकार को प्रभावित कर रही है और बच्चों के भविष्य को खतरे में डाल रही है।

**दूरी अधिक, आधी हुई बच्चों की संख्या :** तोडांगसाई गांव से शिफ्ट कर रूमकूट में चलाए जा रहे स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण अभिभावक इस स्कूल में बच्चों का नामांकन कराने से भी कतराने लगे हैं। पहले जब तोडांगसाई में स्कूल संचालित होता था तो 80 से 85 बच्चे पढ़ते थे। दो साल से स्कूल को रुमकूट में शिफ्ट किए जाते ही छात्रों की संख्या आधी हो गई है। इस मामले में प्रशासन की उदासीनता दिख रही है। सरकार दो वर्षों में इस आदिवासी बहुल गांव में एक स्कूल भवन तक नहीं बना पाई है।

**प्रखंड के 35 स्कूलों के भवन जर्जर :** गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत करीब डेढ़ सौ सरकारी विद्यालय संचालित हैं। इनमें से 35 स्कूलों का भवन बेहद जर्जर हालत में है। प्रखंड संसाधन केंद्र से इसको लेकर जिले के अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है। लेकिन न भवनों की मरम्मत हो रही न ही नए स्कूल भवन बन रहे। मासूम बच्चों की जान सांसत में है।

**केस एक :** गोइलकेरा प्रखंड मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूरी पर स्थित तोडांगसाई प्राथमिक विद्यालय का भवन दो साल पहले उपयोग विहीन हो गया। प्रशासन ने स्कूल भवन को खाली करा दिया और इसे रूमकुट गांव के प्राइमरी स्कूल में शिफ्ट कर दिया। तोडांगसाई स्कूल को दो वर्षों से भवन का इंतजार है।

**केस दो :** गोइलकेरा का उत्क्रमित मध्य विद्यालय लाजोरा बाहर से चकाचक नजर आता है। अंदर वर्ग कक्षों की हालत खस्ता है। जर्जर होते भवन के कमरों के प्लास्टर झड़ रहे हैं। बच्चे सहमे हुए शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। शिक्षकों को भी भय सताता है। निर्माण के बाद डेढ़ दशक में स्कूल भवन की कभी मरम्मत नहीं हुई।

**रंग-रोगन और सामानों की आपूर्ति में 41 करोड़ खर्च :** पश्चिम सिंहभूम जिले के 890 स्कूलों में डीएमएफटी मद से 41 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यह खर्च स्कूलों के रंग-रोगन और सामानों की आपूर्ति में खर्च हुए हैं। जबकि अधिकांश स्कूलों में भवनों की हालत खस्ता है।

**जिले को भेजी गई है सूची : बीपीओ :** गोइलकेरा बीआरसी के बीपीओ राजेश गुप्ता ने बताया कि स्कूल भवनों की मरम्मत और नए कमरों के निर्माण से संबंधित प्रतिवेदन जिला कार्यालय को समयांतराल पर भेजा जाता है। तोडांगसाई स्कूल भवन निर्माण के लिए भी पत्राचार किया गया है।

पश्चिमी सिंहभूम के स्कूल की गिरी छत व तिरपाल के नीचे पढ़ते छात्र

BRIEF NEWS

## सड़क दुर्घटना में एनटीपीसी के इंजीनियर की मौत

**BHAGALPUR :** जिले के बाईपास थाना क्षेत्र के खुटाहा पुल के समीप सोमवार को अनियंत्रित हाईवा की चपेट में आने से सुल्तानगंज निवासी संजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कहलगांव एनटीपीसी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। घटना को लेकर संजय के पड़ोसी कपिल ने बताया कि संजय रोजाना की तरह अपनी बाइक से कहलगांव से अलीगंज स्थित अपने किराए के मकान लौट रहे थे। इसी दौरान नाथनगर की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। संजय अलीगंज के शैलबाग में अपने परिवार के साथ रहते थे। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने हाईवा और चालक की तलाश शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

## ट्रैक्टर से दबकर एक महिला की मौत, चार लोग जख्मी

**NALANDA :** नालंदा जिले के इसलामपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रैक्टर व ई-रिक्शा की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार लोग जख्मी हो गए। मृतक व जख्मी एक ही परिवार के हैं। सभी शादी समारोह में शामिल होने हरथु गांव जा रहे थे। उसी दौरान दुर्घटना हुई।मृतका सोहसराय थाना क्षेत्र के सोहडीह निवासी नजीमुद्दीन की 70 वर्षीया पत्नी सुखैदा खातून हैं। जख्मी सानिया खातून, लाडली खातून समेत चार लोग इसलामपुर अस्पताल में इलाजरत हैं। मृतक के परिवार ने बतया कि सभी लोग ई-रिक्शा पर सवार हो रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होने हरथु गांव जा रहे थे। उसी दौरान हादसा हुआ। इस्लामपुर थाना के थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के बाद ट्रैक्टर छोड़कर चालक फरार हो गया।

## 122 लीटर विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

**KATIHAR :** कटिहार जिला के कोढ़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक जुगाड़ गाड़ी से कुल 122.857 लीटर विदेशी शराब बरामद की है और तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।
कोढ़ा थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि महीनाथपुर पेट्रोल पम्प के पास तीन व्यक्ति एक जुगाड़ गाड़ी से अवैध शराब की खेप लेकर आ रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर पुलिस बल के साथ पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में महीनाथपुर पेट्रोल पम्प के पास एक जुगाड़ गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें कुल 122.857 लीटर विदेशी बरामद किया गया तथा तीन तस्कर को गिरफ्तार किया गया।

# सोनपुर मेले में दिखा 'गज-ग्राह' की लड़ाई का अद्भुत सैंड आर्ट

**AGENCY SARAN :** विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला अपनी सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के लिए जाना जाता है और इस बार यहां एक स्थानीय कलाकार अशोक कुमार द्वारा बनाया गया एक शानदार सैंड आर्ट दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है। यह कलाकृति अंग्रेजी बाजार स्थित जिलाधिकारी आवास के पास प्रदर्शित की गई है। यह बालू कलाकृति पौराणिक कथा 'गज और ग्राह' की लड़ाई और उद्धार पर आधारित है। कलाकार ने बड़ी कुशलता से उस क्षण को दर्शार्या है जब भगवान विष्णु, सुदर्शन चक्र से मगरमच्छ का वध कर हाथी को मुक्ति दिलाते हैं। यह दृश्य कला और भक्ति का एक सुंदर संगम प्रस्तुत करता है। इस अद्भुत सैंड आर्ट में सिर्फ पौराणिक कथा ही नहीं बल्कि सोनपुर मेला और बिहार की पहचान से जुड़े तत्वों को भी खूबसूरती से उकेरा गया है। इस बालू कलाकृति में एक तरफ घोड़ा और बैल जैसे पशुओं को दर्शार्या गया है, जो इस ऐतिहासिक पशु मेले के महत्व को चित्रित कर रहा है। इसके अलावा, बिहार का मानचित्र भी शामिल किया गया है, जिस पर सोनपुर का स्थान चिह्नित है।मेले के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए कलाकृति में जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग, बिहार सरकार का सोनपुर मेला प्रतीक चिन्ह भी बहुत ही आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। इस कलाकृति को बनाने वाले कलाकार अशोक कुमार ने बताया कि इस सैंड आर्ट को बनाने में स्थानीय कलाकार सोनू कुमार ने सहयोग प्रदान किया है। उनकी यह कलाकृति न केवल मेले की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि स्थानीय कला और कलाकारों को भी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। यह सैंड आर्ट मेले में आने वाले दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और लोग रुककर इसकी प्रशंसा कर रहे हैं।

### जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा बोले-

# 'सुशासन' मॉडल के प्रतीक हैं नीतीश

**AGENCY PATNA :** बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी अपने बयान में नीतीश कुमार को 'सुशासन' मॉडल का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को कुशासन के अंधकार से निकालकर विकास और प्रगति की उस गगनचुंबी ऊंचाई पर पहुंचाया, जिसकी कल्पना भी पूर्ववर्ती दौर में असंभव मानी जाती थी।
कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार ने उम्मीद खो चुकी जनता के भीतर विश्वास और आशा की नई किरण जगाई। उन्होंने आगे कहा कि यही कारण है कि दो दशकों के ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सुशासन के बाद बिहार की जनता ने एक बार फिर भारी जनसमर्थन के साथ श्री नीतीश कुमार पर अपना भरोसा जताया और उन्हें पुनः नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी।
प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पूरी ताकत लगाकर झूठ और दुष्प्रचार के सहारे जनता को बरगलाने का हर हतकंडा अपनाया, लेकिन अंततः नतीजा सच्चाई और सुशासन के पक्ष में ही आया। यह इस बात को सिद्ध करता है कि जनता का अटूट भरोसा न सिर्फ नीतीश कुमार पर कायम है, बल्कि दिनों-दिन और अधिक प्रगाढ़ होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार नए कार्यकाल में विकास की नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। डबल इंजन की केंद्र और राज्य सरकार के साझा समन्वय से आने 9वाले पांच वर्षों में बिहार देश के शीर्ष दस समृद्ध राज्यों में शामिल होगा।

## पूर्व मंत्री श्याम रजक को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग

**NAVADA :** बिहार में नई सरकार के गठन की चचाओं के बीच रजक समाज तथा समाजवादियों द्वारा पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता श्याम रजक को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग तेज हो गई है। इसी क्रम में पुराने समाजवादी डॉ साकेत बिहारी की अध्यक्षता में नवादा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि श्याम रजक को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाकर गरीब, पिछड़े और दलित समाज को सशक्त प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। बैठक में विभिन्न जगहों से आए समाजवादी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि श्याम रजक लम्बे समय से सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहे हैं। समाजवादियों का मानना है कि महादलित और वंचित वर्ग की आवाज को सशक्त बनाने के लिए श्याम रजक जैसा अनुभवी और संघर्षशील नेता राज्य नेतृत्व में शामिल होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जाता है तो सामाजिक न्याय को नई दिशा मिलेगी और बिहार के विकास में सहभागिता बढ़ेगी। रजक समाज के नेता कारू रजक ने भी बैठक में स्पष्ट कहा कि बिहार की राजनीति में श्याम रजक का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि 74 के जेपी आंदोलन से जुड़े रहे श्याम रजक ने जीवन भर वैचारिक राजनीति और गरीबों के संघर्ष को आगे बढ़ाया है। उनके नेतृत्व में महादलित समाज, मजदूर, पिछड़ा वर्ग और अन्य वंचित लोग मजबूत राजनैतिक प्रतिनिधित्व प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में उपस्थित समाजवादियों ने यह भी कहा कि आज जब बिहार में समावेशी नेतृत्व की आवश्यकता है, तब श्याम रजक को उपमुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक समानता और न्याय के मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। उनका कहना था कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में रजक समाज को भी उचित सम्मान और प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। वरिष्ठ समाजवादी नेता अनिल प्रसाद सिंह ने भी अपने संबोधन में कहा कि श्याम रजक सामाजिक न्याय की मजबूत आवाज हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में सर्वसमावेशी विकास चाहती है, तो श्याम रजक को उपमुख्यमंत्री के रूप में अवसर देकर बिहार को नई दिशा और नई ऊर्जा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में रजक समाज, महादलित समाज, छात्र और युवा उनसे प्रेरित हैं, तथा ऐसे समय में इस वर्ग की उम्मीदों का सम्मान होना चाहिए। बैठक में वक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि नेतृत्व से लिखित ज्ञापन देकर श्याम रजक को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग की जाएगी। साथ ही इस मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में जन-जागरण अभियान चलाने की भी घोषणा की गई। अंत में बैठक का धन्यवाद ज्ञापन साकेत बिहारी ने किया और कहा कि यह लड़ाई समानता और अधिकारों की लड़ाई है, जो तब तक जारी रहेगी जब तक श्याम रजक को उपयुक्त सम्मान नहीं मिल जाता।

श्याम रजक की फाइल फोटो

## पश्चिम चंपारण में अनियंत्रित कार ने बारातियों को रौंदा, तीन की मौत

**AGENCY PATNA :** बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया-बेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या -227 के पास बीती देर रात एक सड़क हादसे में 03 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल है। हादसा बिशुनपुरवा गांव के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े बारातियों को रौंद दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि "नरकटियागंज के धूमनगर से लौरिया के बिशुनपुरवा बारात आई थी। सभी बाराती सड़क किनारे खड़े थे और बारात लड़की के घर पर ले जाने की तैयारी कर रहें थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित हो गई और लोगों को कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि मौके पर चीखझपुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक 03 लोगों की मौत हो चुकी थी, जबकि कई लोग

घायल हैं। कार चालक भागने में सफल रहा। इसके बाद गुस्साएं लोगों ने गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच राहत-बचाव कार्य में जुट गई। घायलों को नजदीकी सीएचसी भेजा गया। जहां कई लोगों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। मृतकों में दिनेश कुशवाहा (40), राजेश महतो (35) और दिनेश कुशवाहा (35) के नाम सामने आए हैं।

## छात्रा के साथ छेड़खानी के आरोप में स्कूल के प्रिंसिपल बंधक, ग्रामीणों ने की पिटाई

**AGENCY ARARIA :** अररिया आरएस थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईटहरा के प्रिंसिपल समसुल होदा को सोमवार को ग्रामीणों ने पहले तो स्कूल में घंटों बंधक बनाए रखा। उसके बाद पुलिस के पहुंचने पर जमकर उनकी पिटाई की। स्कूल के प्रिंसिपल को स्कूल की एक छात्रा के साथ चॉकलेट आदि का प्रलोभन देकर अश्लील हरकत करने और छेड़खानी करने का आरोप लगाया गया है। प्रिंसिपल को तब जाकर मुक्त कराया गया,जब मौके पर आरएस थाना की पुलिस पहुंची। लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस के समक्ष ही आरोपी प्रिंसिपल की जमकर पिटाई की। किसी तरह पुलिस आरोपी प्रिंसिपल को आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ से उसे छुड़ाकर अपने साथ थाना लेकर गई।स्थानीय पार्षद और ग्रामीणों ने

आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया। मौके पर पहुंचे नगर पार्षद श्याम कुमार मंडल ने बताया कि आरोपी प्रिंसिपल समशुल होदा है। ग्रामीणों की शिकायत थी कि यह प्रिंसिपल स्कूल की भोली भाली छात्रा के साथ छेड़खानी और अश्लील हरकत करता रहता है।ग्रामीणों के साथ उन्होंने जानकारी दी कि स्कूल के आरोपी प्रिंसिपल ने स्कूल की एक छात्रा के साथ चॉकलेट का प्रलोभन देकर उसके साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी करने की कोशिश की। आरोपी प्रिंसिपल स्कूली छात्रा के शरीर को गलत नीयत से स्पर्श करने लगा। जिसका छात्रा द्वारा विरोध किया गया और उन्होंने घर जाकर प्रिंसिपल की करतूतों की जानकारी अपने अभिभावक को दी।जिसके बाद अभिभावक ग्रामीणों को साथ स्कूल पहुंचकर आरोपी प्रिंसिपल को उसके प्रधानाचार्य कक्ष में ही ताला मारकर बंधक बना दिया।स्कूल के प्रिंसिपल की बंधक बनाए जाने की जानकारी के बाद आरएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला खुलवाकर अपने साथ थाना लेकर जाना चाही लेकिन बाहर में खड़े सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित भीड़ पुलिस के चंगुल में रहे आरोपी प्रिंसिपल समशुल होदा की जमकर पिटाई करनी शुरू कर दी, जिसके बाद किसी तरह पिटाई से बचाते हुए आरोपी प्रिंसिपल को अपने साथ थाना लेकर गई।

NEWS BOX

## दुकान का गेट बाहर से बंद कर चोर हुए फरार, बढ़ती चोरी से आक्रोश

**AGENCY DARBHANGA :** बिहार में दरभंगा जिले के नदियामी गांव स्थित विष्णु ट्रेडर्स हार्डवेयर दुकान में रविवार की देर रात चोरी की बड़ी वारदात हुई है। दुकान संचालक मनोज कुमार चौधरी उर्फ.ठक्को जी के अनुसार, लगभग रात दो बजे अज्ञात चोर दुकान से मोटर चोरी कर ले गए। घटना उस समय हुई जब उनके स्टाफ दुकान के अंदर ही सोए हुए थे। स्टाफ ने बताया कि चोरों ने पहले बाहर से लाईट बंद कर दी, फिर दुकान के पश्चिमी गेट को बाहर से बंद कर दिया, ताकि अंदर सोए कर्मचारी बाहर न निकल सकें। इसके बाद चोरों ने भीतर घुसकर मोटर खोल ली और फरार हो गए। सुबह कर्मचारियों ने किसी तरह गेट खोला और देखा कि मोटर गायब है, जबकि उसका एक पार्ट्स सर्किट फर्श पर गिरा हुआ था। दुकान मालिक मनोज कुमारेन्द्र चौधरी ने बताया कि उन्हें किसी पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने मामले की जानकारी फोन पर सकतपुर थाना को दे दी है, लेकिन अब तक पुलिस मौके पर जांच करने नहीं पहुंची है। मनोज चौधरी ने कहा कि वे जल्द ही सकतपुर थाना और महिला थाना, दोनों में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे।

## दरभंगा में धान खरीद के लिए जिलाधिकारी ने की बैठक

**AGENCY DARBHANGA :** छपरा खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सारण,अमन समीर की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, डीएम एसएफसी एवं अन्य सभी संबंधित सदस्यों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने धान उत्पादन और विभागीय लक्ष्यों के आधार पर प्रखंडवार लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पंचायतवार अधिक से अधिक किसानों का निबंधन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अभी से ही आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया ताकि धान अधिप्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे धान कटनी का प्रतिवेदन प्रतिदिन जिला सहकारिता पदाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला सहकारिता पदाधिकारी इस दैनिक प्रतिवेदन के आधार पर निर्धारित अवधि में किसानों से नियमित रूप से समन्वय स्थापित कर उन्हें धान अधिप्राप्ति के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे अधिप्राप्ति कार्य में अधिकतम बढ़ोतरी लाई जा सके।

## नालंदा जिले में छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमला

**AGENCY NALANDA :** बिंद थाना क्षेत्र के मसियाडीह गांव में सोमवार को छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की रेडिंग टीम पर शराब धंधेबाजों ने गोलीबारी करते हुए जानलेवा हमला कर दिया। मोर्चा संभालते हुए टीम ने जवाबी फायरिंग कर स्थिति को नियंत्रण में किया। चुलाई शराब जब्त करने के बाद धंधेबाजों ने हमला किया था। धंधेबाजों ने करीब 6 चक्र फायरिंग की थी। रेडिंग टीम ने 20 लीटर चुलाई शराब जब्त करते हुए कई भट्ठियों को नष्ट किया। सैकड़ों लीटर छोवा भी बहाया गया। इसके बाद थाना पुलिस, खनन विभाग और विद्युत विभाग भी छापेमारी करने पहुंच गई। खनन विभाग ने मौके से एक अवैध बालू लोड ट्रैक्टर भी जब्त किया है। वहीं, विद्युत विभाग की टीम ने बिजली चोरी पकड़कर जुमार्ना लगाया है। उत्पाद थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि विभाग की 10 सदस्यीय टीम गुप्त सूचना पर मसियांडीह गांव में शराब धंधेबाजों पर कार्रवाई करने पहुंची थी। जहां चुलाई शराब जब्त करने पर धंधेबाजों ने हमला कर दिया। बदमाश टीम पर फायरिंग करने लगें। आत्मरक्षार्थ टीम भी जवाबी फायरिंग की। अजीत यादव, संजय यादव, बलराम यादव, सोना देवी और सुरुचि कुमारी को आरोपित कर केस दर्ज कराया गया है।

**स्वास्थ्य** माताओं ने अपने नवजात शिशु के सुरक्षित भविष्य को दी प्राथमिकता

# सारण जिले में सात महीनों में 31,985 संस्थागत प्रसव

**AGENCY SARAN :** सारण ज़िले की माताओं ने अब अपने और अपने नवजात शिशु के सुरक्षित भविष्य को प्राथमिकता देते हुए घर के बजाय अस्पतालों में प्रसव कराना शुरू कर दिया है। यह एक सकारात्मक बदलाव है, जिससे ज़िले के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।
जिला चिकित्सा पदाधिकारी सागर दुलाल सिंह द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े के अनुसार अप्रैल से अक्टूबर 2025 के दौरान ज़िले में कुल 31,985 गर्भवती महिलाओं का प्रसव अस्पतालों में सुरक्षित ढंग से संपन्न हुआ। यह आंकड़ा महिलाओं की बदली हुई सोच को

दर्शार्ता है। सबसे अधिक संस्थागत प्रसव सदर अस्पताल और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में दर्ज किए गए जिनकी संख्या 3,097 रही। इन सात महीनों में 525 ऑपरेशन से प्रसव हुए। ज़िला अस्पताल ने अकेले 460 ऑपरेशन कर जटिल मामलों में कई माताओं और शिशुओं की जान बचाई। सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की त्वरित कार्रवाई के कारण अधिक रक्तस्राव और नवजात की धड़कनें गिरने जैसी गंभीर स्थितियों को समय रहते टाल दिया गया। हमारा प्रयास हर मां और बच्चे को सुरक्षित घर भेजना है। जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 1,400 और शहरी परिवारों को 1,000 की प्रोत्साहन राशि ने गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया और अस्पताल जाने का डर दूर किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत प्रसव के लिए निःशुल्क एंबुलेंस सेवा ने ग्रामीण क्षेत्रों तक अस्पताल की पहुंच आसान बना दी।

## जिलाधिकारी ने भू-अर्जन की धीमी गति पर जताई नाराजगी

**AGENCY SARAN :** सारण जिलाधिकारी अमन समीर ने आज जिला मुख्यालय में एक समीक्षा बैठक कर जिले में चल रही विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के तहत भू-अर्जन के मामलों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। भू-अर्जन की वर्तमान गति को असंतोषजनक पाते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया में शीघ्रता लाने के लिए स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए। बैठक में भारतमाला परियोजना, रामजानकी पथ, दीघा पुल के समानांतर गंगा नदी पर प्रस्तावित 6 लेन केबल ब्रिज, तथा विभिन्न महत्वपूर्ण बाईपास और रिंग रोड परियोजना जिनमें रिविलगंज, परसा, गरखा, अमनौर, छपरा बाईपास और शेरपुर-दिघवारा रिंग रोड परियोजना के लिए चल रहे भू-अर्जन कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया। इसके अतिरिक्त, एन एच-31 गाजीपुर-बलिया-मांझी 4 लेन सड़क, एन एच 722- सोनहो फ्लाईओवर, गोल्डेनगंज आरओबी, शीतलपुर-मशरख पथ एस एच 73 पर आरओबी निर्माण, और मेडिकल कॉलेज संपर्क पथ जैसी सड़क एवं पुल परियोजनाओं के भू-अर्जन कार्य में भी तेजी लाने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को भू-अर्जन के कार्य को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल कर कार्य करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। उन्होंने सभी भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वे भू-अर्जन के मामलों की प्रगति की दैनिक समीक्षा करें।

## अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत, परिवार में मातम

**DARBHANGA :** जिले में बहेड़ी-खराड़ी सड़क स्थित लक्ष्मीपुर पुल के निकट सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक नगर पंचायत बहेड़ी निवासी साजन कुमार महतो (उम्र 27 वर्ष), पिता महेश महतो व माता ममता देवी, अपने रिश्तेदार को समस्तीपुर जिला के वारिसनगर छोड़कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुल के पास एक अज्ञात चारपहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे साजन कुमार महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। राहगीरों व स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना मृतक के परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मृतक के परिवार घटना स्थल पर पहुंचकर रो-रोकर बेहाल हो गए।

# आतंक का पाठ पढ़ने वाले डॉक्टर

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास जिस कार में भीषण धमाका हुआ और जिसके चलते 10 से अधिक लोग मारे गए, उसका चालक भी एक डॉक्टर ही निकला। नाम है उमर मोहम्मद। उसने विस्फोटक से लैस कार के साथ या तो खुद को उड़ा लिया या फिर किसी गफलत में धमाका कर बैठा। पुलवामा का उमर उन तीन डॉक्टरों का सहयोगी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में करीब 3000 किलो विस्फोटक और हथियार मिले थे। इनमें एक का नाम डॉक्टर मुजम्मिल है और दूसरे का डॉक्टर आदिल। दोनों कश्मीर के हैं। इनकी तीसरी साथी डॉक्टर शाहीन है। शाहीन लखनऊ की है। इनके और साथियों की भी तलाश की जा रही है। हैरानी नहीं कि उनके संपर्क में और भी ऐसे डॉक्टर निकलें, जो आतंकी हों। इन डॉक्टरों के अतिरिक्त एक अन्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस की गिरफ्त में है। उसने चीन से मेडिकल की पढ़ाई की है। उसे गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने उसके दो साथियों के साथ हथियारों संग गिरफ्तार किया। वह अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बनाने की तैयारी कर रहा था, ताकि एक साथ तमाम लोगों को मारा जा सके। यह पहली बार नहीं है, जब किसी आतंकी साजिश और घटना में किसी डॉक्टर का नाम सामने आया हो। इसके पहले भी कई डॉक्टर आतंक की राह पर चलते पकड़े जा चुके हैं। हाल के समय में इनमें सबसे चौंकाने वाला नाम पुणे के डॉक्टर अदनान अली सरकार का था। उसे एनआईए ने 2023 में गिरफ्तार किया था। वह शहर का प्रतिष्ठित डॉक्टर था, लेकिन खूंखार आतंकी समूह आईएस के लिए काम कर रहा था। बीते वर्षों में डॉक्टरों के अलावा कई ऐसे आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं, जो इंजीनियर थे। इनमें से एक बेंगलुरु में बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर रहा था और शामी विटेनस नाम से ऑनलाइन सक्रिय रहकर मुस्लिम युवाओं को आईएस में भर्ती के लिए उकसाता भी था और उन्हें सीरिया भेजने में मदद भी करता था। डॉक्टरों और इंजीनियरों के अलावा अन्य तमाम उच्च शिक्षित मुस्लिम युवा आतंकी के रूप में पकड़े जा चुके हैं। कुछ इसलिए नहीं पकड़े जा सके, क्योंकि वे पुलिस के हत्थे चढ़ने के पहले आईएस या अलकायदा का हाथ बंटाने सीरिया और अफगानिस्तान पहुंच गए। अब ऐसे पढ़े-लिखे और यहां तक कि उच्च शिक्षित युवाओं की गिनती करना कठिन है, जो आतंकी बन गए। यह धारणा नितांत मिथ्या सिद्ध हो चुकी है कि अशिक्षित अथवा गरीब ही मजहबी उन्माद से ग्रस्त होकर या फिर किसी प्रताड़ना के चलते आतंकी बनते हैं। पिछले दो-तीन दशकों में देश और दुनिया में न जाने कितने ऐसे मुस्लिम युवकों ने आतंकी बनना पसंद किया है, जो उच्च शिक्षित थे। दुनिया भर से ऐसे युवाओं को सबसे अधिक आकर्षित किया आइएस ने। भारत में केरल से लेकर कश्मीर तक में अनेक पढ़े-लिखे मुस्लिम युवा आतंकी बन चुके हैं। पहले उनके बारे में ऐसी खबरें आती थीं कि वे किसी जिहादी मौलवी-मौलना के संपर्क आए और आतंकी बन गए। फिर ऐसी खबरें आने लगीं कि वे इंटरनेट पर जिहादी सामग्री देखकर आतंकी बन गए। कुछ तो मजहबी उन्माद से इतना अधिक भर गए कि उन्होंने गजवा ए हिंद या ऐसे ही किसी नाम से खुद का आतंकी गुट बना लिया। क्या यह किसी से छिपा है कि ऐसे नामों की प्रेरणा मजहबी मान्यताओं से ही मिलती है। मोडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते हुए आतंकी बनना पसंद करने वालों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि वे प्रताड़ित थे या फिर आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। वे चाहते तो खुशहाल जिंदगी जीते रह सकते थे, लेकिन उन पर आतंकी बनने का भूत सवार हुआ। ऐसा क्यों हुआ, इसका जवाब इस कथन में नहीं खोजा जा सकता कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। इस कथन को लेकर सदैव विवाद होता रहता है, लेकिन, इसमें तो कोई विवाद ही नहीं कि मजहब की आड़ लेकर या फिर उसके सहारे ही आतंक के रास्ते पर चला जाता है। दुनिया भर के जिहादी गुट मजहबी मान्यताओं से ही लैस हैं। इन्हीं के सहारे वे अपनी जिहादी हरकतों को सही ठहराते हैं। उनके खिलाफ समय-समय पर फतवे जारी होते रहे हैं, लेकिन अब डाक्टरों, इंजीनियरों के भी आतंकी बनने से यही सिद्ध होता है कि वे प्रभावी नहीं साबित हो रहे हैं। जिहादी आतंक एक विचारधारा की उपज है। इस खतरनाक विचारधारा से अकेले पुलिस, खुफिया एजेंसियां और सरकारें नहीं निपट सकतीं। उससे निपटना सरकारों के साथ समाज की भी जिम्मेदारी है। समाज इस जिम्मेदारी का निर्वहन तभी कर सकता है, जब वह यह समझेगा कि समस्या उन मजहबी सिद्धांतों और मूल्यों-मान्यताओं में है, जिनकी बड़ी आसानी से मनचाही व्याख्या कर ली जाती है। जिहादी आतंक से निपटने के लिए यह भी आवश्यक है कि सस्ती और संकीर्ण राजनीति न हो। दिल्ली में धमाका होते ही बिहार में मतदान के दूसरे चरण का उल्लेख कर-के चटखारे लेकर यह कहा जाने लगा, पता करो कहीं चुनाव हैं क्या। ऐसी छिछली बातें आतंकियों और उनके समर्थकों की ही मदद करती हैं। देश के किसी न किसी हिस्से से पुलिस की ओर से रह-रहकर किसी आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ करने, आतंकियों को गिरफ्तारी करने और उनके पास से विस्फोटक-हथियार बरामद करने की खबरें आती ही रहती हैं। इसका यह मतलब नहीं कि आतंकी खतरा कम हो रहा है।

# अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

करीब 4410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है। बाहुबली नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे ह्यबाहुबलीह्ल का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया। एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है।

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से बाहुबली रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है। बाहुबली नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे ह्यबाहुबलीह्ल का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया। एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है। इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रेंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था, परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी। भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निमार्ता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में, यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है। एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है। भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विस्तार है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है, उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं। सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है। एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का स्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी। देश के सुदूरवर्ती द्वीपों, सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी। यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज जब विश्व अंतरिक्ष की नई प्रतिस्पर्धा में प्रवेश कर चुका है, जहां अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ में हैं, भारत ने शांत, दृढ़ और सटीक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। चंद्रयान-3 के बाद बाहुबली की यह सफलता भारत की उसी निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जिसने विज्ञान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा है। कुल मिलाकर, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल खोज का नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुका है।

# अभी खत्म नहीं हुआ आतंक के खिलाफ युद्ध

दिल्ली में लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट ने फिर याद दिला दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग अभी खत्म नहीं हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही महीने बाद यह आतंकी घटना इसकी पुष्टि करती है कि लड़ाई बस एक नए चरण में प्रवेश कर गई है। दुश्मन हालांकि कमजोर हो गया है, फिर भी वार करने में सक्षम है। चिंताजनक बात यह है कि लाल किले की आतंकी घटना की साजिश बहुत सावधानी से रची गई। विस्फोट से कुछ घंटे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर फरीदाबाद की दो रिहाइशी इमारतों में लगभग 3000 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया। इनमें 350 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट भी था। यह एक ऐसा उर्वरक होता है, जिसे आसानी से एक घातक बम में बदला जा सकता है। इस बरामदगी ने संभवतः एक और भी बड़ी त्रासदी को टाल दिया। आतंकवाद के इस कृत्य में डाक्टरों की संलिप्तता यह बताती है कि कट्टरपंथ अब विश्वविद्यालयों, अस्पतालों जैसी उन जगहों में भी घुस रहा है, जिन्हें कभी सुरक्षित माना जाता था। लाल किला विस्फोट कांड की शुरूआत बीते 27 अक्टूबर को हुई, जब श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को डॉ. आदिल की पहचान करने में मदद मिली, जिसे बाद में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। जब जांचकताओं ने अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कालेज में उसके लाकर की तलाशी ली तो उन्हें वहां से एक असाल्ट राइफल मिली। उससे पूछताछ के दौरान पुलिस को फरीदाबाद में छिपे विस्फोटकों का एक जखीरा मिला, जिससे यह उजागर हुआ कि यह नेटवर्क कश्मीर से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक व्यापक रूप से फैला हुआ है। इस नेटवर्क के तार भारत की सीमाओं से परे भी जुड़े रहे हैं। आतंकियों के हैंडलर पाकिस्तान में सक्रिय थे। इस मामले में एक अन्य आतंकी अल फलाह विश्वविद्यालय के डॉ. मुजम्मिल शकील को भी गिरफ्तार किया गया। विस्फोटकों से लदी कार भी एक डॉ. उमर मोहम्मद चला रहा था। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध आत्मघाती हमलावर दिल्ली में घुस आया था और उसने गाड़ी एक मस्जिद के पास खड़ी कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि जब कार खड़ी थी, तब वह एक बार भी उससे बाहर नहीं निकला। ऐसा लग रहा था कि वह या तो निर्देशों का इंतजार कर रहा था या अपने लक्षित लक्ष्य का। जांचकताओं का मानना है कि फरीदाबाद में हुई गिरफ्तारियों से समूह में दहशत फैल गई होगी। फंसने का एहसास होने पर उमर मोहम्मद ने हताशा या घबराहट में बम विस्फोट कर दिया होगा। हो सकता है कि उसके संचालक ने उसे जिंदा पकड़े जाने के बजाय आत्मघाती हमला करने के लिए राजी किया हो। जो भी हो, यह किसी से छिपा नहीं कि चरमपंथी समूह युवा शिक्षित दिमागों को यह विश्वास दिलाकर प्रभावित करते हैं कि शहादत एक महान कार्य है। एक बार फिर सुराग पाकिस्तान की ओर इशारा कर रहे हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई लश्कर-ए-तैयबा और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस जैसे आतंकी समूहों को एक साथ लाने के लिए काम कर रही है। इसका उद्देश्य भारत में आतंकी गतिविधियों को पुनर्जीवित करना और जम्मू-कश्मीर से परे भी अशांति फैलाना है। दिल्ली में विस्फोट के समय से पता चलता है कि यह ऑपरेशन सिंदूर का बदला लेने के लिए था, जो भारत का सफल आतंकवाद-रोधी अभियान था। पाकिस्तान की नई आक्रामकता वैश्विक राजनीति से भी जुड़ी हुई प्रतीत होती है। हाल में उसने मध्य एशिया में अपनी स्थिति का रणनीतिक लाभ उठाकर अमेरिका के साथ रिश्ते फिर से बनाने में कामयाबी हासिल की है। जब भी पाकिस्तान को वैश्विक समर्थन मिलता है, वह उसका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के जरिए भारत को उकसाने के लिए करता है। हालांकि आज भारत पहले जैसा नहीं रहा। आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया अब धीमी या रक्षात्मक नहीं रही। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमाण था कि भारत आत्मविश्वास और सटीकता के साथ कार्रवाई करने के लिए तैयार है, फिर भी लाल किला विस्फोट दशार्ता है कि आतंकियों ने भी अपने तरीके बदल लिए हैं। अब वे छोटे, छिपे हुए ठिकानों में काम करते हैं और आम जिंदगी में घुल-मिल जाते हैं, जिससे पुलिस के लिए समय रहते उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए कड़ी सतर्कता की आवश्यकता है। सुरक्षा, सतर्कता केवल जम्मू-कश्मीर या दिल्ली जैसे बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे देश में होनी चाहिए। आतंकियों के पास से बरामद विस्फोटकों की विशाल मात्रा विनाश के संभावित पैमाने को उजागर करती है। इससे इस आशंका को बल मिलता है कि कई समन्वित विस्फोटों की योजना बनाई गई हो सकती है। इसलिए खुफिया नेटवर्क को मजबूत करना, शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में निगरानी कड़ी करना और अंतर-एजेंसी समन्वय में सुधार करना महत्वपूर्ण है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को खुद को आतंकवाद के शिकार के रूप में पेश करते हुए गुप्त रूप से उसका समर्थन करने वाले पाकिस्तान के दोहरे खेल का पदार्फाश करना भी जारी रखना चाहिए। जो देश अभी भी पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी सहयोगी मानते हैं, उन्हें उसके वास्तविक रिकार्ड की याद दिलानी चाहिए। भारत को संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और एफएटीएफ जैसे वैश्विक मंचों का उपयोग आतंकवाद को पनाह देने या उसे वित्तपोषित करने वाले देशों के खिलाफ सख्त अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई के लिए दबाव बनाने के लिए करना चाहिए। भारत को अपने अगले कदमों की योजना बनाते समय तत्काल सैन्य या जवाबी कार्रवाई से आगे बढ़ना चाहिए। आज आतंकवाद-निरोध के लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें मजबूत कूटनीति, उन्नत रक्षा और खुफिया प्रणालियां, आंतरिक सामाजिक सामंजस्य और सबसे बढ़कर, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति शामिल है।

## Social Media Corner

सच के हक में...

मदीना में भारतीय नागरिकों से जुड़ी दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हमारे अधिकारी सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ भी निरंतर संपर्क में हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रखर ध्वजवाहक और सनातन संस्कृति के अडिग प्रहरी आदरणीय बालासाहेब ठाकरे जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ। राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ मजबूत ढाल बनकर खड़े रहने वाले बालासाहेब ठाकरे जी ने आजीवन संस्कृति और स्वधर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों और विचारधारा से समझौता नहीं किया। वे हर एक राष्ट्रप्रेमी के लिए मूल्य-आधारित राजनीतिक जीवन की प्रेरणा हैं।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड की जनता अपराधियों से ज्यादा वदीर्धारी गुंडों से त्रस्त है। चतरा जिले में कोल परियोजनाओं में ढुलाई करने वाले लगभग 1500 हाईवा संचालकों ने पुलिस द्वारा अवैध वसूली के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है। टंडवा-सिमरिया रोड में पुलिस द्वारा प्रत्येक हाईवा से 5,000 से 10,000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। संचालकों का कहना है कि बेवजह केस और जुमार्ने के डर से वे त्रस्त हो चुके हैं और इसी कारण इस शोषण के खिलाफ सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

# पुष्कर ऊंट मेला : हर तरह से सहेजने की जरूरत

राजस्थान का पुष्कर ऊंट महोत्सव संपन्न हो गया। इस बार संसार के सबसे विशालतम ऊंट मेले की तस्वीर बदली-बदली दिखी। मेले में ऊंट कम, घोड़े ज्यादा दिखे। ऊंटों के लिए ही विश्व प्रसिद्ध पुष्कर ऊंट मेला को प्रदेश की जीवंत परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा कहा जाता है। मेले को विश्व के सबसे बड़े ऊंट मेले की उपाधि प्राप्त है। मेले की परंपरा वैसे तो औपचारिक रूप से ब्रिटिश शासनकाल से हुई थी, लेकिन मेले की रौनक जैसे कभी पहले हुआ करती थी, वैसी अब नहीं दिखती। वजह, मेले में ऊंट के अलावा दूसरे पशु ज्यादा दिखने लगे हैं। मेले में सर्वाधिक संख्या में ऊंट होते थे। मेला लोकगीतों की धुनों और पर्यटकों की भीड़ से गूंजा करता था। सूर्यास्त के समय रेत पर ऊंटों की लंबी-लंबी परछाइयों को देखकर पर्यटक मनमोहित होते थे। तब ऐसा एहसास होता था कि जैसे राजस्थान की आत्मा भी रेत के जहाजों संग साथ-साथ चल रही हों। पर लगातार घटते ऊंटों की संख्या से ज्यादातर परंपराएं अतीत का हिस्सा बनती जा रही हैं। ऊंटों के इस पांच दिवसीय मेले का सांस्कृतिक आकर्षण और उत्सव-उल्लास, देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता था। इस बार मेला देखने के लिए करीब 46 देशों के पर्यटक पहुंचे। प्रत्येक वर्ष करीब पांच लाख विदेशी दर्शक आते हैं। राजा-महाराजाओं की धरती कहे जाने वाले राजस्थान में ऊंटों को केवल पशु नहीं, बल्कि रेगिस्तान का जहाज और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। पुष्कर मेला सालाना सरकारी आयोजन है, जो ऊंटों एवं अन्य पशुधन के लिए समर्पित है। यह दुनिया के विशाल व्यापार पशु मेले में से एक है, जिसमें विभिन्न आर्कषण वाले पशुओं की खरीद-फरोख्त के अलावा महत्वपूर्ण पर्यटन आकर्षण का नजारा देखने को मिलता है। मेले में व्यापार, मेलजोल और धार्मिक आस्था-तीनों का संगम एक साथ समाहित होता है। पर्यटकों को भी पुष्कर ऊंट मेला-2025 का स्वरूप बदला हुआ दिखा, क्योंकि मेले में ऊंटों से ज्यादा घोटे थे। जबकि, परंपरागत रूप से अन्य पशुओं के मुकाबले ऊंटों की संख्या ज्यादा होनी चाहिए थी। मेले में इस साल करीब 4000 विभिन्न प्रजातियों के घोड़े पहुंचे। जबकि, ऊंटों के पहुंचने की संख्या मात्र 1400 के आसपास बताई गई। ऊंटों की इस घटती हुई संख्या के मायने क्या हैं। क्या ऊंटों की घटती आबादी इसके पीछे है। देशभर में ऊंटों की संख्या लगातार तेजी से कम हो रही है। सिर्फ राजस्थान ही ऐसा राज्य है जहां ऊंटों की संख्या बीते कुछ दशकों से सर्वाधिक रही है। एकाध दशकों से वहां से भी ऊंटों की आबादी तेजी से घट रही है। ऊंटों की घटती संख्या को लेकर राजस्थान सरकार भी परेशान है। 19 सितंबर 2014 से ऊंट को राजस्थान का राज्य पशु भी घोषित किया गया। ऊंटों का संरक्षण कैसे हो, इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने अक्टूबर-2016 को ऊंट संरक्षण योजना भी बनाई। हालांकि इस योजना का कोई खास नतीजा नहीं निकला तो वर्ष 2022-23 से ऊंट पालक योजना शुरू की गई, जिसमें प्रत्येक ऊंट पालक को 10 हजार सालाना प्रोत्साहन राशि देना आरंभ हुआ। पिछले वर्ष यानी 2024-25 में सरकार ने यह राशि दोगुनी करते हुए 20 हजार प्रति ऊंट देना शुरू किया है। अफसोस की बात यह है कि हालात इससे भी नहीं सुधरे। चिंता की बात यह है कि किसानों का ऊंट पालन से लगातार मोहभंग हो रहा है। सरकार फिर भी ऊंटों के संरक्षण को लेकर कोर-कसर नहीं छोड़ रही। कुछ वर्षों से प्रदेश में सालाना ऊंट महोत्सव का आयोजन भी शुरू कर दिया गया है। इस साल 11-12 जनवरी को ये आयोजन हुआ था। ऊंटों के नहीं रहने से पुष्कर मेले का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। वर्ष 1961 में केंद्र सरकार द्वारा कराई गई ऊंटों की गणना में इनकी संख्या 10 लाख पाई गई थी। जो अब 1,85000 तक सिमट गई है। ऊंट पालन वाले प्रमुख प्रदेश राजस्थान की खराब स्थिति बताती है कि साल 2047 तक ऊंट देश से तकरीबन विलुप्त हो जाएंगे।

## अराजकता का दौर

सूडान में अर्धसैनिक बलों द्वारा हिंसा कोई नई बात नहीं है। फिर भी, अक्टूबर के अंत में दारफुर इलाके के एल-फशर शहर पर कब्जा करने के बाद रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा वहां किए गए बलात्कार, लूटपाट और सामूहिक हत्याएं सूडान के गंभीर मानकों के हिसाब से भी चौंकाने वाली हैं। मुख्य रूप से एक अरब मिलिशिया और सूडान के अफ्रीकी समुदायों के खिलाफ अपनी क्रूरता के लिए जाना जाने वाले आरएसएफ ने अत्याचारों की एक लहर फैला दी है, जिसमें एक प्रसूति अस्पताल में किया गया नरसंहार भी शामिल है। आरएसएफ अब दारफुर इलाके की पांच राजधानियों पर नियंत्रण रखता है और इस अकालग्रस्त इलाके पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। सजा से बेखौफ होने का खौफनाक मुजाहिरा करते हुए, आरएसएफ के उग्रवादियों ने अपने कुछ अपराधों के वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। साल 2000 के दशक की शुरूआत में अरब वर्चस्ववादी जंजावीद मिलिशिया से जन्मे इस समूह पर दारफुर में गैर-अरब समुदायों के खिलाफ नस्ली सफाए और नरसंहार के आरोप लगे थे। इसने 18 महीने पहले दारफुर में सूडानी सेना के आखिरी बड़े गढ़, अल-फशर की घेराबंदी की, जिससे इस इलाके में अकाल पड़ गया। अप्रैल 2023 में सूडान में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद से 12 मिलियन से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं और हजारों लोग मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, यह देश इस समय दुनिया के सबसे बुरे मानवीय संकट से जूझ रहा है। यूं तो सेना और आरएसएफ, दोनों पर ही युद्ध अपराधों के आरोप लगे हैं, लेकिन अर्धसैनिक बल द्वारा किए गए अत्याचारों को नरसंहारकारी बताया जा रहा है। जब 2019 में तानाशाह उमर अल-बशीर का शासन का पतन हुआ, तो कई लोगों को यह उम्मीद थी कि सूडान एक नई सुबह की दहलीज पर है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Misreading between the lines

I was (ironically) teaching a communications course at a college some months ago when I noticed that the boys were sitting with their arms crossed, a gesture that typically signifies defensiveness or disagreement. The students were mostly girls; there was just a handful of boys, sitting together at the extreme left of the room. Aah, I thought to myself, they probably don't want to be lectured by a woman. But I wasn't quite sure; some of the boys had been quite responsive earlier in the day.

"Is there a problem?" I asked. "This corner is very quiet and you are all sitting tight, with your arms crossed." "Ma'am, we're freezing to death. They've turned up the AC in this part of the room and we're trying desperately to keep ourselves warm," said one of the students. "Oh dear, let me get that fixed," I said and went over to talk to the supervisor, laughing at myself for misreading the situation. Here I was, a long-time teacher of non-verbal communication, behaving like a novice and jumping to the wrong conclusion.

When it comes to reading body language, it's easy to fall into the trap of wrong assumptions. 'A person not making eye contact has something to hide.' 'All smiling people are happy.' 'A listener fidgeting in their seat is not paying attention.' People often bandy about such notions, only to discover later that they're totally misplaced.

A friend of mine told me about a recent pitch she made to an investor. She said she knew she had a great product and a compelling argument. But as she took the investor through the presentation, she felt her confidence ebbing away. Because he didn't nod or smile or ask a single question. The only time he spoke was to say 'Thank you' as he left the room. My friend was shattered till she got a call from the investor's assistant, saying he'd loved the pitch and wanted to set up a longer meeting. "But he didn't say anything or even smile," wailed my friend. "That's just his way. He's very reserved. If he didn't like it, he wouldhave said something,"

explained the assistant.So, there you have it. Another case of crossed wires. As humans, we are programmed to look for facial and behavioural cues that we can gauge for meaning. The practice is believed to have started with our ancient ancestors, for whom body language was the only basis of communication and they often had only a moment to identify if the person facing them was a friend or foe.It's no longer a matter of life or death. At least, not usually. Today, reading someone's body language is meant to help us work better with them.Only, it's not a foolproof language. Unlike words, behavioural cues do not have clear, distinct meanings. Nor do gestures or expressions always signify the same thing. Non-verbal communication is a dynamic, complex process that depends heavily on the communicator and their circumstances.First, one man's smile need not be his neighbour's style. To truly understand a person's state of mind, you must consider their overall personality. A warm handshake from an introvert is more meaningful than multiple hugs from an extrovert who dispenses affection like a vending machine.Second, you need to factor in the situational context. Just as you can't isolate one gesture and read meaning into it, you can't separate cues from the environment in which they occur. A loud voice on a football field is very different from a raised voice in the office.

# Uttarakhand ka tempo high hai!

**Please let us not force this grand melange of cultures in a restrictive narrative crafted by some political strategists for winning elections**

In my student years spent in Nainital, the local slang for a lucky period in someone's life was "Yaar aajkal uska tempo high hai!" Invoking the phrase, one can safely say, "Aajkal Uttarakhand ka tempo high hai!"For proof, see how between two phases of the crucial Bihar Assembly elections, the Prime Minister found time to visit Uttarakhand to celebrate the silver jubilee of its becoming an independent state. The state was carved out of the vast northern hilly regions of Uttar Pradesh after the Pahadis went on a dharna against the Samajwadi Party government in Lucknow perennially neglecting the poor region.With the late Mulayam Singh Yadav's son on the rise again, this is the perfect time for politicians to remind the Uttarakhandis of a sorry chapter about many demonstrators demanding a separate state being shot dead by Yadav's government in Rampur. It also provides sub-plots about how the subsequent Chief Ministers from OBC and Dalit ranks went back on their word for a fair division of joint assets between UP and Uttarakhand.

The BJP says it broke the jinx and put Uttarakhand, christened Devbhumi, on a fast track for development. Speaking in Dehradun, the PM pronounced that Uttarakhand's greatness lay in its 'spiritual power': adhyatmic shakti. He underscored, as is his wont, his deep personal attachment to the spiritually charged holy land and added that in the coming years, this area will become the 'spiritual capital' of India.

The young Chief Minister, Pushkar Singh Dhami, also came in for special praise for having implemented the Uniform Civil Code, and for putting a stop to religious conversions and communal riots. While the jury is still out on the assertions, here are a few thoughts about what Uttarakhand's long history of spiritual and religious beliefs evolving out of a melange of faiths and local beliefs and practices has actually been.The new Devbhumi narrative crafted by the Sangh came to my generation of Pahadis as a shock, when a multi-coloured dreamscape created by our ancestors is sought to be bulldozed to pave way for a new vision of Bharat Mata and "tikaoo vikas". The latter is a self-contradictory term as the great environmentalist Anupam Mishra pointed out. The term, he said, was a shoddy translation of what the UN was selling as "sustainable development". Development, Mishra pointed out, means moving ahead, while "tikaoo" means static. How do the NGOs and villagers they were working with reconcile to this cracked vision of modern development, where the more you changed, the more things remained the same?

To free land from land-grabbers, the double-engine Dhami government is going to squeeze out all shrines, mazaars and churches. An ugly new word, 'Land Jihad', has been coined. The government in promoting religious tourism has clarified that it considers the Sangh's version of Sanatan Hindu Dharma as the golden benchmark. But what about Uttarakhand's pre-Sanatan pantheon of local gods and goddesses? What about demi-gods like Golu Devta, Sam and Airy, gods of cattle rearers? Muslim pirs, Nathpanthi Gorakh Baba, Guru Nanak, and the famous gurdwara located near Kedarnath in Hemkund Sahib?As for Muslim pirs, Syed Kalu (of Turkic origin) and Maimanda Pir, Devbhumi itself has never discriminated between them and other holy ones. Maimanda Pir is said to have received his diksha in Kashi. Both Kalu Pir and Maimanda Pir are still routinely invited through songs sung during exorcism rites to protect the innocent and drive out evil: "Tu Maimanda pir masaan…Turkani ko putra haat avyu..." (You the son of a Turk mother, the brave Maimanda, please emerge from the burial site). The two are referred to as the bravest among the brave and the pir of pirs ("Veeranu ko veer, piran ko pir").

It is unsurprising that in the manner of many other medieval pirs, gurus and sadhus, at each place the great men paused to take a break, a commemorative shrine came up. As a child, one has seen at least three Kalu Pir shrines in Almora, Ranikhet and Haldwani and heard of two more, one in Lohaghat near the Nepal border and Bhimtal.

So yes, Devbhumi it is, but not in the way it is being sought to be projected. Landscapes such as these are not sanctified by the size of shrines and the wealth of rich devotees in the name of who those disaster-prone six-lane roads and year-long religious tourism channels are being created.The sacred ecology of the region has been protected and maintained by a humble bunch of local faithfuls. Please let us not force this grand melange of cultures in a restrictive narrative crafted by some political strategists for winning elections, and influencing young minds with a wrong understanding of what it means to live and love.

# Export mission meets the moment, needs steady implementation

**These two export-promotion-package initiatives should partially shield exports from the multiple headwinds they face—but only if they are rolled out on time and implemented well**

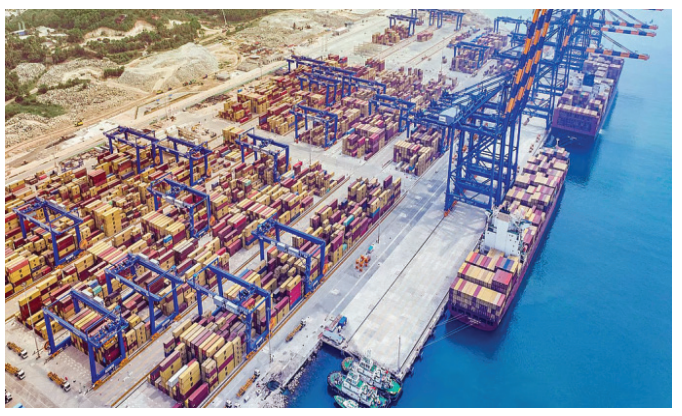

The government's ?45,000-crore package for export promotion is its latest attempt to support a sector facing unprecedented geopolitical shocks. The package includes a ?25,000-crore Export Promotion Mission, which primarily is a consolidation of a few existing schemes to ensure that the nation can respond swiftly to global trade challenges and evolving exporter needs. It focuses on better access to trade finance for smaller enterprises, improved market access and visibility for Indian products, and enhanced export readiness through compliance, packaging, and certification support. The scheme is also looking to boost exports from non-traditional districts and sectors. It integrates existing export support measures such as the Interest Equalisation Scheme and the Market Access Initiative to align them with contemporary requirements. The other part of the package—Credit Guarantee Scheme for Exporters—will provide government cover to exporters, enabling their access to ?20,000 crore of additional credit.These two initiatives, along with the recent extension of the Remission of Duties and Taxes on Exported Products (RoDTEP) scheme, should partially shield exports from the multiple headwinds they face—but only if they are rolled out on time and implemented well. The Export Promotion Mission, initially announced in the Union budget to last for six years up to 2030-31, is yet to be rolled out eight months into the current financial year. The mission's goal of encouraging exports from non-traditional districts is ambitious, but worth pursuing to broaden the export base and benefit newer districts. It can also serve as a logical extension of the 'One District, One Product' scheme.

The laudable larger goal of both parts of the package—enabling smaller exporters' easier access to credit—should give this hard-hit, crucial segment a fresh lease of life. The schemes for credit guarantee and interest equalisation, which is now part of the mission, meets the need of the moment. However, experts have questioned the sufficiency of the funds allocated. The amount of ?25,000 crore for six years—amounting to an annual allocation of a bit over ?4,000 crore—may not be enough. The interest equalisation scheme alone cost more than ?3,500 crore last year. The learning from RoDTEP—that once launched, there should not be too much tinkering with a scheme—should also be borne in mind. It's a mission well begun, but its success will depend on how it hits the ground.

# How Bihar election has become a remarkable case study

**The Red Fort car blast depicts Pakistan has changed its tactics of sponsoring terror in India through a white-collar terror spread**

The jury is out. The Bihar elections announce—don't take us for granted – because if you do, we will show you your place by voting for a party that we may or may not have considered otherwise, writes Editor-in-chief Jyoti Malhotra in her weekly column The Great Game Tiraskar is the voter's terse message.Voters were, so filled with contempt for the Congress — read, Rahul Gandhi — that they have reduced the grand old party to six seats in Bihar. Both at Tarn Taran in Punjab as well as Budgam in J&K, the people have given a fair warning to the ruling parties—AAP and NC respectively. The BJP's hunger to win, as Bihar showed and has been clear in election after election, has never been in any doubt, she writes.

The Mahagathbandhan (MGB) has plenty to reflect on, writes senior journalist Radhika Ramaseshan in her Edit-Oped NDA sweep leaves Opposition searching for answers. The Congress was curiously reluctant to own up Tejashwi as its leader; the MGB pulled in different directions, she avers. As far as Prashank Kishor is concerned, he faltered on two counts — one, announcement to contest from Tejashwi' s seat Raghopur; second, his targets were not clear, she writes.

he ten percentage difference in the vote share between the two alliances, the NDA at 47.2% and the MGB at 37.3 %, gave a massive advantage to the NDA, writes Monash University prof Manisha Priyam in her article What drove NDA to landslide victory. How to we make sense of this mandate? The answer lies in a range of electoral maneuvrings, she writes. In the end, it was the NDA's allies that were scoring a perfect 10. Critical to BJP courting Nitish Kumar was his carefully cultivated image of delivering on pro-women development schemes, she writes, with the Rs 10,000 bonanza to women acting as the top-up.

Bihar tells us what exactly women voters are looking for and why Nitish presents the perfect case study. They build a relationship with leaders who address them, writes senior journalist Ruhi Tiwari in her article Why Bihar's women voter is the real winner of 2025. Women across states have used cash transfers to start small businesses to earn a livelihood with dignity, she explains.The spectre of terrorism was once again at Delhi's doorstep, after more than a decade. The Delhi car blast incident marks a visible shift in Pakistan's approach to cross-border terrorism against India, writes former Vice Chief of Army Staff Lt Gen SK Saini (retd) in his Op-Ed piece White-collar terror is now an inescapable reality. Pakistan's deep state now seeks to orchestrate attacks by leveraging home-grown, white-collar professionals — doctors, students, seemingly respectable citizens. These groups find new ways to evade detection, sow confusion during investigations and forestall leads.A Delhi University professor reportedly got his name deleted from Delhi's electoral roll and got himself enrolled in Bihar to vote. India's electoral law draws a bright, simple line: you may register only where you are 'ordinarily resident'; Ordinary residence is about where you actually live your life, says former Chief Election Commissioner of India SY Quraishi in his Edit piece Let's shut the door on poll-time 'tourism' . You vote where you live. Not where your ancestral house stands locked, not where your party wants you for a week, not where it is convenient on polling day. The law of ordinary residence should not be stretched for the sake of electoral convenience, he adds, while enumerating practical steps to separate bona fide movers from tactical shifters.The increasingly protectionist stance being taken by the US in its trade policies, in its new visa policies for professionals and students, and its stance on illegal immigrants, gives one clear message from the West — 'go home', writes Gurbachan Jagat, former Manipur Governor and ex-DGP, J&K in his Edit piece Nuggets in the dust. Sehjaldeep Kaur, a girl from a village in Hoshiarpur, having secured the 13th rank in the National Defence Academy merit list, and young women cricketers from villages and towns across India have shown the way of sheer grit and hard work.Single-minded devotion to excellence has enabled our girls to overcome constraints . This is what young students should learn from their

example, poor farmers should learn to support children's activities, the government and the industry should recognise talent and find ways to keep this talent here and growing, he writes. History will not recount how many elections or byelections we won — it will judge us on how we developed our human resources.

A Major Defence Framework Agreement was signed between the US and India on the sidelines of the ASEAN Defence Ministers' Meeting-Plus in Kuala Lumpur. Renewal of the bilateral framework is a gambit shrouded in ambiguity, writes Lok Sabha MP Manish Tewari in his Edit piece What lies beneath India-US defence pact. America's complete estrangement from India would be a geopolitical gift to Beijing and Moscow of incalculable value. If this renewal is a sign of strategy or weakness, of wisdom or folly is an avoidable binary. It is a continuum born out of shared strategic imperatives, he thinks.

Coming to Delhi's persistent air pollution, curbing local burning represents one of Delhi's most direct and achievable pathways to cleaner air, write Arunabha Ghosh, CEO, Council on Energy, Environment and Water, and Priyanka Singh in their Op-Ed piece Why Delhi must tackle its own fires first. They have given solutions — Delhi government should first map and manage ward-level hotspots. enforce responsibility among bulk waste generators, scale up clean waste processing and bioremediation and finally eliminate solid fuel use for cooking and heating.

A debate has sparked after a national science academy, which had famously refused to make APJ Abdul Kalam its Fellow, bestowed upon industrialist Mukesh Ambani its Fellowship — an honour till now reserved only for scientists having stellar academic and research achievements. ISRO is autonomous on paper, but it has no courage left to correct a minister when he disrespects its founder publicly, writes science commentator Dinesh C Sharma in his edit piece Academic autonomy under siege. The Indian Statistical Institute, established nearly a century ago, is on the radar of the Central government, he writes.

# India to source 10% of annual LPG imports from US under first-ever deal

**The contract is India's first-ever structured LPG purchase agreement with the US, and is benchmarked to Mont Belvieu, the key US pricing hub for LPG.**

**New Delhi.(Agency)**

India has signed its first structured, long-term contract to import liquefied petroleum gas (LPG) from the United States, a move the government says will strengthen the country's energy security and diversify supply sources at a time of rising global volatility.Union Petroleum and Natural Gas Minister Hardeep Singh Puri announced on Monday that state-run oil companies have finalised a one-year deal to import around 2.2 million tonnes per annum (MTPA) of LPG from the US Gulf Coast for the contract year 2026. This volume represents nearly 10% of India's annual LPG imports, marking a major shift in the country's sourcing strategy.The contract is India's first-ever structured LPG purchase agreement with the US, and is benchmarked to Mont Belvieu, the key US pricing hub for LPG. A joint team of officials from Indian Oil Corporation (IOC), Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL) and Hindustan Petroleum Corporation Ltd (HPCL) had travelled to the US over the past few months to negotiate with major American producers."This is a historic first," Puri said, noting that one of the world's fastest-growing LPG markets is now formally opening up to US supplies. "In our endeavour to provide secure and affordable LPG to the people of India, we have been diversifying our sourcing. This deal marks a significant step in that direction."

**WHY THE DEAL MATTERS**

India is the world's second-largest LPG consumer, with demand driven by rapid household adoption and the continued expansion of the Ujjwala Yojana, which provides subsidised LPG connections to low-income households. Currently, India imports over 50% of its LPG needs, with most of the supply coming from West Asian markets.The move to source a sizeable portion from the US is part of New Delhi's strategy to reduce dependence on traditional suppliers, improve supply stability and hedge against sharp price spikes in the global market.Puri highlighted that despite global LPG prices surging more than 60% last year, the government ensured that Ujjwala beneficiaries continued to pay only Rs 500–550 per cylinder, while actual costs touched Rs 1,100. The government, he said, absorbed the remaining burden, spending over Rs 40,000 crore to shield consumers from the price shock.The minister called the US deal another step toward ensuring "secure, affordable, and reliable LPG supplies" for Indian households.The agreement is expected to deepen India-US energy cooperation and could pave the way for longer-term supply contracts in the future. For Indian oil marketing companies, diversifying sourcing away from a single geography reduces supply-chain risk and adds greater pricing stability.

## Japan's economy contracts as exports get hit by US tariffs

**TOKYO.(Agency)**

Japan's economy sank at an annualized rate of 1.8% in the July-September period, government data showed Monday, as US President Donald Trump's tariffs sent the nation's exports spiraling.

On a quarter-by-quarter basis, Japan's gross domestic product, or GDP, or the sum value of a nation's goods and services, slipped 0.4%, in the first contraction in six quarters, the Cabinet Office said.The annualized rate shows what the economy would have done if the same rate were to continue for a year. The fall was still smaller than the 0.6% drop the market had expected.A big decline during the quarter came in exports, which were 1.2% down from the previous quarter.Some businesses had sped up exports, when they could, to beat the tariffs kicking in, inflating some of the earlier data for exports.On an annualized basis, exports dropped 4.5% in the three months through September.Imports for the third quarter slipped 0.1%. Private consumption edged up 0.1% during the quarter.Tariffs are a major blow to Japan's export-reliant economy, led by powerful automakers like Toyota Motor Corp., although such manufacturers have over the years moved production abroad to avert the blunt of tariffs.The U.S. now slaps a 15% tariff on nearly all Japanese imports. Earlier the tariffs were 25%.Japan also faced political uncertainty recently, until Sanae Takaichi became prime minister in October.

## SC defers hearing by six weeks on Sahara firm's plea seeking nod to sell properties to Adani

**New Delhi.(Agency)**

The Supreme Court on Monday deferred by six weeks hearing on Sahara firm's plea seeking its nod to sell properties to the Adani Group as it asked the Centre to also file its response to the note submitted by amicus curiae on the issue.A bench of Chief Justice BR Gavai and Justices Surya Kant and MM Sundresh impleaded the Ministry of Cooperation in the matter after Solicitor General Tushar Mehta, appearing for the Centre, said a lot of cooperative societies were formed by the Sahara Group, which may be affected.Senior advocate Shekhar Naphade, who is an amicus curiae in the matter, submitted a note to the court, saying he has received a lot of objections with regard to the properties sought to be sold by the Sahara group and in particular he has filed objections with regard to 34 properties.

Senior advocate Kapil Sibal, appearing for the Sahara Group, said he would like to file a response to the note submitted by the amicus and emphasised that a lot of properties were sold or leased out based on forged documents.The bench said it is not the appropriate forum to look into the sale or lease documents and the trial court or a specific committee appointed can look into those deeds.CJI Gavai told Naphade, "Let the Union of India file its response and then we will look into those issues".

The bench posted the matter for further hearing after six weeks and asked the Centre to file its response to the Sahara firm's plea as well as to amicus curiae's note.On October 14, the top court sought the response of the Centre, the Securities and Exchange Board of India (SEBI) and other stakeholders on a plea of Sahara India Commercial Corporation Ltd seeking permission to sell its 88 prime properties to Adani Properties Private Limited.

## CIBIL Score 750: Why your Loan still gets rejected | RBI Rules Explained

**New Delhi.(Agency)**

Whenever it comes to taking a loan from a bank from a banking institution, it is imperative to mention the CIBIL score. CIBIL must be good to purchase a loan and it is considered better at 750. But, did you know that the loan gets rejected even if you have 750 CIBIL? Let us tell you in detail about the issues related to CIBIL score and the rules related to loans of RBI.Even if the CIBIL score is above 750, the loan gets rejected because banks not only look at your score, but also check your overall financial position, job stability and liabilities label. If anything goes back and forth, you will not be able to get the loan even if the CIBIL score is fine.CIBIL SCORE: RBI Loan Guidelines

Your income and job stability matter the most in getting a loan cleared. If you change jobs frequently or have been unemployed for a long time, banks consider you a bit risky. At the same time, if you are constantly

working in the same field and are associated with a trustworthy company, then the bank feels confident. Apart from this, your existing debts are also very important. If 40-50% of your earnings are already going into EMIs, banks are hesitant to grant a new loan.Many people apply for multiple loans or credit cards at the same time. This shows many "hard inquiries" in your report, which banks consider to be a sign of economic pressure. In such cases, the chances of loan rejection are increased. Also, if your old record with the bank you are applying to is not good. Such as missing EMI or loan settlement has been delayed. So it might even go against you.

In the new rules, the minimum condition of credit score for first-time borrowers has been removed. That means banks can no longer reject anyone just by looking at the low score.

## Is your Digital Life Certificate rejected? Here's how you can fix it

**New Delhi.(Agency)**

Many government pensioners now use the digital life certificate, or Jeevan Pramaan, to finish their yearly verification without visiting a bank or pension office. With the November 30 deadline approaching, some still receive messages saying their certificate has been rejected.This leads to confusion and, in some cases, delays in pension payments. Here is a simple look at why this happens and what pensioners can do.WHAT THE DIGITAL LIFE CERTIFICATE ACTUALLY IS

A digital life certificate is an electronic proof that a pensioner is alive. It is created using the pensioner's Aadhaar number and a biometric check, either through a fingerprint or an iris scan. Once the certificate is generated, it is automatically sent to the bank, post office, or treasury that manages the monthly pension.Pensioners can also check their status on the Jeevan Pramaan website by entering their Pramaan ID.WHY SOME CERTIFICATES GET REJECTED

Rejections usually happen when the details entered during the process do not match the records held by the authorities. This could be something as simple as a spelling mistake in the pensioner's name or an incorrect date of birth.At times, the pensioner may have typed the wrong PPO number or bank details, which leads to an error at the backend.Another common reason is poor biometric capture. Many older pensioners struggle with faint or unclear fingerprints, which can cause the system to fail the verification. Sometimes, issues with the Aadhaar authentication server or weak internet connectivity during the scan also lead to a failed submission.WHAT PENSIONERS CAN DO TO CORRECT THE PROBLEM

If the certificate has been rejected, the first step is to contact the bank or pension office handling the pension. They can check the exact reason in their system and guide the pensioner accordingly. In most cases, the solution is simply to generate a new digital life certificate with the correct details.Pensioners should make sure their Aadhaar information matches the records exactly. If fingerprints are weak, using an iris scanner often gives better results. A fresh certificate usually resolves the issue quite quickly, provided the information is accurate.

## Sensex, Nifty open in green as earnings optimism lifts sentiment

**New Delhi.(Agency)**

Benchmark stock market indices opened higher on Monday, supported by a steady improvement in corporate earnings and broader optimism around Q2 results.At around 9:18 am, the S&P BSE Sensex was up 87.27 points at 84,650.05, while the NSE Nifty50 rose 24.50 points to 25,934.55. Broader market indices were mixed in early trade.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said the Q2 results declared so far point to a clear improvement in profitability. "Net profits have grown by 10.8%, which is the best in the last six quarters. This is a beat over earlier estimates," he noted.He expects Q3 earnings to strengthen further, led by discretionary consumption. "Discretionary consumption, particularly automobiles, will lead earnings growth in Q3. Whether the present boom in consumption will continue even after the festival season is to be watched," he added.However, Vijayakumar said the market needs foreign inflows to scale new highs. "A sustained uptrend has not been happening since FIIs continued selling on all rallies.

A change in FII strategy is necessary for the market to break into new record highs and remain there," he said, adding that steady earnings improvement from Q3 onward could shift this trend.Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities, said Nifty ended last week with five straight days of gains, while Bank Nifty rose for the sixth session, reflecting renewed optimism after the NDA's Bihar victory and softer inflation at 0.25%.He added that expectations of a US–India trade deal, the end of the US shutdown and cooling crude prices are supporting sentiment. Despite FIIs selling Rs 4,968.20 crore on Friday and Rs 13,652.70 crore so far this month, Tapse believes the index remains on track to test new highs."The all-time high of 26,277.35 is now within reach as long as Nifty holds above 25,600," he said. He expects traders to track this week's FOMC Minutes closely for cues on the Fed's next move. Stocks like BEL, Sun Pharma and Nykaa look attractive on dips, with BEL standing out as his top pick for short-term momentum.According to Amruta Shinde, Technical and Derivative Analyst at Choice Equity Broking, traders should stay cautious due to global uncertainty. She recommends a selective buy-on-dips approach with tight risk controls."Fresh longs are advisable only above 26,100. Tight trailing stop-losses and partial profit-booking are key," she said, adding that close attention to global cues remains essential.

## Fujiyama Power Systems IPO Day 3: Check latest GMP, subscription status and more

**New Delhi.(Agency)**

The IPO of Fujiyama Power Systems Ltd has entered its final day of bidding today, with investors watching closely to see whether subscription momentum picks up before the issue closes on Monday, November 17.As of 10:32 am on Day 3, the public issue was subscribed 45%. The QIB category led the way with 81 percent subscription, while retail investors subscribed 38% and non-institutional investors 16%.The mixed response suggests stronger conviction among institutional participants compared to retail and HNI bidders.The IPO, priced between Rs 216 and Rs 228 per share, aims to raise Rs 828 crore. This includes a fresh issue of Rs 600 crore and an offer for sale worth Rs 228 crore by promoters Yogesh Dua and Pawan Kumar Garg. A single lot comprises 65 shares.The company plans to use the funds to partially finance a new manufacturing facility in Ratlam, repay debt and meet general corporate requirements.

Fujiyama Power Systems, headquartered in Greater Noida, is one of the leading integrated rooftop solar solutions providers in the country. Through its brands Fujiyama Solar and UTL Solar, it offers rooftop solar systems and power backup products to both residential and commercial customers.The company has benefitted from rising adoption of renewable energy solutions as consumers and businesses look for long-term savings and independence from grid volatility.Brokerage firm Master Capital Services Ltd. believes the broader industry backdrop strongly favours companies like Fujiyama. It notes that India's rooftop solar market is expected to grow at a CAGR of 40–43% between FY25 and FY30, supported by government incentives, declining solar equipment costs and rising awareness about energy independence.The brokerage highlights that the rooftop segment could expand from 17 GW in FY25 to nearly 90–100 GW by FY30, creating significant opportunities for players with strong manufacturing capabilities and nationwide distribution.According to Master Capital, Fujiyama's product portfolio, R&D strength and brand presence position it well to capitalize on the accelerating shift toward rooftop solar adoption.

The allotment for the IPO is expcted to be finalised on Tuesday, November 18, while the company's shares are scheduled to list on the NSE and BSE on Thursday, November 20.Investors who want to check whether they received an allotment will be able to do so via the MUFG Intime India portal, the NSE bid verification page or the BSE IPO status page once the allotment is declared.

# Which cities are seeing a rise in office spaces, and why

**India's economic story — steady growth, stable demand, and improving infrastructure — is not only creating demand for office spaces but also enabling developers to capitalise on real estate opportunities.**

**CHENNAI .(Agency)**

From NCR and Pune to Bengaluru and Chennai, India's commercial real estate and office spaces market is riding a fresh wave of corporate expansion and flexible work culture. As India increasingly turns into an attraction for global companies, it has resulted in an office boom, leaving no metro city unaffected.Here's a closer look at the cities leading the charge, and the reasons behind India's unexpected office boom.

**DELHI-NCR: THE IMPRESSIVE RISE**

NCR has been an all-time favourite. However, it is only recently that it has started figuring high in the top city ranking. Cities like Noida and Gurugram are powering the region's 35% rise in new office supply. Even though rapid infrastructure development, a network of expressways, and expanding metro routes have been catalysts, what has brought it to the global centre stage is the soon-to-be-operational Noida International Airport.

Global manufacturing giants and IT companies are setting up Global Capability Centres (GCCs), and leading Indian companies have leased land, driving up the demand for office spaces. Grade A buildings with top-class amenities, sustainable certifications, and tech-enabled facilities have witnessed a phenomenal rise in demand.

**PUNE: IMPROVES ITS RANK**

If there were a prize for "Most Improved City" in the office space race, Pune would win hands down. The city recorded 3.7 million sq ft of new supply in a single quarter — a massive 164% jump from last year per Vestian. Its secret? A perfect mix of strong tech DNA, a rapidly expanding base of GCCs, and a cost advantage that makes it far more wallet-friendly than its big-sister metros.As a result, the city has become the go-to destination not just for start-ups but also for Fortune 500 firms setting up long-term captive operations.

BENGALURU: THE PERENNIAL LEADER

Bengaluru continues to be India's biggest office market and reported 18.2 million sq ft in leasings in the first half of 2025 — the city's highest-ever activity for that period per Knight Frank.With its formidable reputation as India's Silicon Valley, Bengaluru continues to attract large-format campuses, tech giants, and GCCs, which contributed to 65% of all GCC deals in Q3 2025.

**CHENNAI: CONSISTENT IN ITS PERFORMANCE**

New office supply in Chennai jumped a stunning 320% year-on-year. Factor into the equation high leasing volumes and an increasingly diverse mix of occupiers (IT, manufacturing, BFSI, and GCCs), and Chennai has emerged as one of India's most balanced office markets.

Much of it is due to strong infrastructure growth, including new metro expansions and industrial corridors.

**MUMBAI: INDIA'S BUSINESS CAPITAL**

Mumbai's commercial real estate market has always been tight on space, but over the last few years, the action has shifted to suburbs and Navi Mumbai, where new supply doubled to 1.8 million sq ft this year.These emerging clusters offer the one thing South Mumbai cannot: large, modern office parks with amenities and rentals that don't break the bank. Financial services, media houses, and start-ups are spreading out, reshaping the city's traditional business map.

**HYDERABAD: STRONG DEMAND**

Even though Hyderabad saw a dip in new completions this year, demand hasn't slowed. With year-to-date absorption at 7.5 million sq ft, it remains a favourite for companies that seek to capitalise on existing infrastructure, the city's large campuses, and the presence of world-class tech talent. Remember, it was India's first planned cyber city.

# Dr Umar a shoe bomber, traces of 'mother of Satan' explosive found in i20: Sources

- According to sources, fresh forensic and material evidence recovered from the blast site has shifted the focus sharply onto a shoe found inside Umar's i20 car.

**New Delhi.(Agency)**

A major breakthrough has emerged in the investigation into the deadly Red Fort blast, with sources now suspecting that Jaish-linked suicide bomber Dr Umar un Nabi may have acted as a "shoe bomber" when he triggered the explosion that killed 12 people and injured several others.

According to sources, fresh forensic and material evidence recovered from the blast site has shifted the focus sharply onto a shoe found inside Umar's i20 car.Investigators recovered the shoe from beneath the driver's seat, near the right front tyre of the vehicle. Inside it, they found a metal-like substance that, based on the probe so far, is believed to have been used to activate the detonation.

Traces of the highly volatile explosive TATP, referred to as the "mother of Satan" because of its extreme sensitivity, were detected on both the tyre and the shoe, strengthening the possibility that Umar may have concealed an initiation mechanism in his footwear to set off the blast.

Probing teams have also confirmed that Jaish operatives had stockpiled a significant quantity of TATP for a major attack and that the Red Fort explosion involved a combination of TATP and ammonium nitrate.Evidence recovered from under the rear seat area of the car further suggests the presence of additional explosive material.

The investigation has additionally established that Rs 20 lakh was routed to the module through arrested lady doctor Shaheen, who allegedly facilitated the funds for planning the Delhi blast.

The growing body of evidence has led agencies to draw parallels with the December 2001 attempt by Richard Reid, the infamous "shoe bomber" who tried, and failed, to detonate TATP hidden in his shoes aboard an American Airlines flight from Paris to Miami.

Officials say the pattern and placement of explosives in the present case bear similarities to Reid's method, and it is now increasingly believed that Umar may have adopted a comparable technique to carry out the Red Fort blast.

The probe continues as teams work to reconstruct the precise mechanism used in the devastating attack.Sources earlier said that the Jaish-linked terror module that has been busted in the wake of the Delhi blast, planned on carrying out twin attacks in multiple cities, codenamed 'D-6'. Plan A was to execute attacks in different cities on the anniversary of Babri masjid demolition, which was foiled, sources said. Plan B was to execute an attack in Delhi, which they did.

## "Deeply Saddened": PM Modi On Medina Bus Accident That Killed 42 Indians

**New Delhi.(Agency)**

Prime Minister Narendra Modi on Monday said he was "deeply saddened" by the bus accident in Saudi Arabia's Medina, in which several Indian Umrah pilgrims are feared dead.42 Indians, most of them from Telangana, were on board the bus which reportedly collided with an oil tanker at around 1:30 am (IST).

"Deeply saddened by the accident in Medina involving

Indian nationals. My thoughts are with the families who have lost their loved ones," PM Modi said in a post on X.

"I pray for the swift recovery of all those injured," he said.The prime minister said the Indian embassy in Riyadh and Consulate in Jeddah are providing all possible assistance and officials are also in close contact with Saudi Arabian authorities.Minority Affairs Minister Kiren Rijiju said he was "shocked and deeply saddened" by the tragic bus accident on the Medina-Mecca highway in Saudi Arabia that claimed the lives of Indian pilgrims."My heartfelt condolences to the bereaved families," Rijiju said in a post on X.

## MCD polls: 'It is now time for progress of rural areas'

**New Delhi.(Agency)**

The BJP on Sunday campaigned vigorously for the upcoming bypolls in 12 wards of the Municipal Corporation of Delhi (MCD), promising a continued focus on development. Addressing a meeting of election coordinators, ministers, MPs, MLAs, and district presidents, BJP national organisation general secretary BL Santosh emphasised the party's vision for transformation of rural belts. The meeting was attended by Delhi BJP president Virendra Sachdeva and Chief Minister Rekha Gupta.

In the afternoon, a Tridev Sammelan was held in support of BJP candidate Rohini Raj from Dakshinpuri ward. Gupta addressed party workers, highlighting the government's push for development in rural areas, particularly in the Najafgarh–Kirari belt. She credited the hard work of Tridevs, page pramukhs, booth pramukhs and Shakti Kendra conveners for driving progress in the region, securing funds and attention that previous governments had overlooked.

Gupta urged voters to deliver a strong mandate for the BJP candidate in Ward 128, stressing that a decisive vote would send a clear message of unity and growth for Najafgarh.

"Your support for your MP and MLA has been overwhelming. Now is the time to send an even stronger message," the chief minister said.Gupta also announced that over Rs 200 crore in projects had been approved for the Najafgarh–Kirari region, aimed at addressing long-standing issues such as waterlogging, inadequate drainage and poor road infrastructure.

She emphasised that the BJP-led government's focus on rural Delhi would ensure that the region catches up with the rest of the capital in terms of development. Gupta said coordination between the Centre and the state had helped speed up projects.

She urged voters to support the BJP candidate and reaffirm their faith in the party's commitment to progress. She said the results would soon be visible in every village and colony.

## Op Sindoor just a trailer: Army Chief's warning to terror sponsor Pakistan

**New Delhi.(Agency)**

Chief of Army Staff General Upendra Dwivedi on Monday gave a blunt and pointed message to Pakistan, stressing that Operation Sindoor was just a "trailer". He warned that India would teach the neighbouring country "how to behave responsibly" if it did not mend its ways.Speaking at the Chanakya Defence Dialogue, the Army Chief said, "Operation Sindoor was just a trailer that ended in 88 hours. We are prepared for any circumstances in the future. If Pakistan gives a chance, we will teach it how to behave responsibly with a neighbouring nation."

Operation Sindoor was launched on May 7 in response to the deadly Pahalgam attack that claimed 26 lives. The operation targeted terror launchpads in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (POK) and triggered a wave of cross-border clashes, which ended in Pakistan pleading for a ceasefire on May 10. Both countries then reached an agreement not to fire on each other.

Reiterating that terror and talks cannot go together, Gen Dwivedi said Pakistan continued to support state-sponsored terrorism.

"Deterrence works when there is political will, trust in military power, and the required military capability. As of now, we have all three," he said.

Highlighting the situation in Jammu and Kashmir during the pre-Article 370 period, Gen Dwivedi said terrorism in the Valley fell sharply since December 5, 2019."There have been many positive changes since August 5, 2019, after Article 370 was revoked. Earlier, on Independence Day, children used to ask which flag they should draw. That confusion no longer exists. Terrorism in the Valley has fallen sharply, with recruitments dropping," he said.

The Army chief said that 31 terrorists were killed, of which 61 per cent of them were from Pakistan. There was just one recruitment and even he was caught, he said.

Without naming Pakistan, Gen Dwivedi said it was a matter of concern for India "when a country encourages state-sponsored terrorism".

## Centre Said Delhi Saw "Zero" Rabies Deaths In 2 Years. RTI Says 18 Died

**New Delhi.(Agency)**

A Right to Information (RTI) response has cast doubt on the Union government's recent assertion in Parliament that Delhi reported no human deaths from rabies between 2022 and 2024.

Records from Maharshi Valmiki Infectious Diseases (MVID) Hospital, the only dedicated infectious diseases facility run by the Municipal Corporation of Delhi, indicate that 18 people lost their lives to rabies during this period. The hospital logged six deaths in 2022, two in 2023, and ten in 2024, all at its Kingsway Camp centre.

The figures stand in stark contrast to a written reply given in the Lok Sabha this year by Minister of State for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying SP Singh Baghel. His response stated that Delhi recorded "zero human rabies deaths" between January 2022 and January 2025, even as the same reply acknowledged a year-on-year rise in reported animal bite cases: 6,691 in 2022,

17,874 in 2023 and 25,210 in 2024.

The conflicting datasets have sparked concerns about gaps in health surveillance and inconsistencies in reporting rabies cases, a disease that remains fully preventable but almost always fatal once symptoms begin.

According to the minister's parliamentary statement, states are required to upload monthly data on dog bites and rabies fatalities under the National Rabies Control Programme to the Integrated Disease Surveillance Programme portal, which is intended to streamline nationwide monitoring.

Under the National Action Plan for Dog-Mediated Rabies Elimination by 2030, rolled out jointly in 2021 by the Health Ministry and the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, responsibilities are divided between two agencies. The National Centre for Disease Control handles the human health component, while the Department of Animal Husbandry and Dairying oversees the animal health aspect.

The plan prioritises mass vaccination and sterilisation of dogs, alongside ensuring continuous availability of anti-rabies vaccine and rabies immunoglobulin at government hospitals.

## MCD polls:' Rural areas bearing brunt of bulldozer action'

**New Delhi.(Agency)**

The Aam Aadmi Party (AAP) also launched its campaign for the upcoming Municipal Corporation of Delhi (MCD) bypolls on Sunday, accusing the ruling BJP of governance failure and alleging widespread corruption. Addressing a jansabha in Pochanpur village in southwest Delhi, AAP leaders criticised the BJP's handling of rural Delhi and unauthorised colonies, claiming that unchecked bulldozer action and cash extortion were rampant, with officials filing complaints, sending bulldozers and pocketing money.

AAP Delhi State President Saurabh Bharadwaj, speaking in support of Rajbala Sehrawat, the party's candidate for Ward 120 in Dwarka B, said the BJP's promises of development had not materialised.

"Before the Delhi elections, the BJP claimed that bringing them into power would lead to prosperity, clean streets, rising land prices and a cleaner Yamuna," Bharadwaj said. "The people of Delhi believed it and gave them a chance. But none of those promises were fulfilled."

Bharadwaj further criticised the lack of tangible improvements under BJP's governance, highlighting unresolved issues like sewage problems and air pollution.

He added, "Instead, the only thing that has spread is 'goondagardi'—bulldozers are being used to demolish properties, and no one knows where to turn for help.

The same BJP MPs, MLAs, and MCD officials are behind these actions."

He also pointed out the lack of accountability, stating that with the BJP controlling the MCD, the Delhi government and the central government, there was no one left to challenge them. "Complaints are being filed by their own people and bulldozers are being sent to unauthorized colonies under their orders," Bharadwaj alleged.

## 'Zero Seats, 99% Candidates Flopped': BJP Mocks Prashant Kishor's Poll Debut

- 99 per cent of candidates put up by Prashant Kishor's Jan Suraag Party, or 236 of 238 individuals, lost security deposits of Rs 10,000 each after flopping in the 2025 Bihar Assembly election.

**New Delhi.(Agency)**

Poll strategist Prashant Kishor's electoral debut flopped last week after his Jan Suraaj Party was routed in the Bihar election. Kishor's party contested 238 of the state's 243 Assembly seats but failed to win any of them, although it did begin the day with leads in four constituencies.

However, by the time the dust settled, the Jan Suraaj was wiped out and, with it, possibly Kishor's political ambitions too. "Won zero seats, came second in one, finished fourth (or worse) in 122, and polled fewer than NOTA (the 'none of the available' option on EVMs) in 61."The extent of that wipe-out was flagged by the BJP's Amit Malviya in a gleeful X post, which said 99 per cent of Kishor's candidates, or 236 of 238, had lost security deposits of Rs 10,000 each.A security deposit - Rs 10,000 per candidate for an Assembly election and Rs 25,000 for a Lok Sabha poll - is required by law to ensure only genuinely interested individuals participate in any election. And those who fail to get at least a sixth of winning candidate's votes lose the deposit.

Malviya also pointed to the Jan Suraaj's poor vote-share.It picked up only 3.34 per cent of the 16.77 lakh registered votes, Malviya said on X.To be fair, the poor performance was not unexpected. Every exit poll consulted said Kishor's Jan Suraaj would be decimated - a poll of exit polls gave it one seat, at best - and they were right.But exit polls also suggested the Jan Suraaj could steal crucial vote share from the opposition. One exit poll, Peoples Pulse, predicted the party might scoop up nearly 10 per cent of the votes - more than the Congress - which would be an excellent return for a party making its election debut.In that, though, they were wrong. Kishor's party finished with less than four per cent of the votes.Kishor, though, may take some solace from the thumping more established parties - the Congress and the Rashtriya Janata Dal - took at the hands of the Bharatiya Janata Party-Janata Dal United.In its first public comment since the crushing defeat, the Jan Suraaj accused JDU boss Nitish Kumar's administration of having "diverted" Rs 14,000 crore from the World Bank to his campaign.

The party's National President, Uday Singh, said the funds were used for freebies. Starting in June and till the election was announced, Nitish Kumar 'splurged' Rs 40,000 crore to 'purchase' votes, he alleged."Please remember... it was not till the Jan Suraaj promised Rs 2,000 old age pension that the government raised the amount from Rs 700 to Rs 1,100 per month," he declared, claiming also a section.

NEWS BOX

## Trump plans to meet with Mamdani, says he'll 'work something out' with New York City's mayor-elect

**WEST PALM BEACH . (Agency)**

President Donald Trump indicated Sunday that he plans to meet with New York City's mayor-elect Zohran Mamdani and said they'll "work something out," in what could be a detente for the Republican president and Democratic political star who have cast each other as political foils.

Trump has for months slammed Mamdani, falsely labeling him as a "communist" and predicting the ruin of his hometown, New York, if the democratic socialist was elected.He also threatened to deport Mamdani, who was born in Uganda and became a naturalized American citizen, and to pull federal money from the city.Mamdani rose from an obscure state lawmaker to become a social media star and symbol of the resistance against Trump during his mayoral campaign. He campaigned on an array of progressive policies and a message that was stark in its opposition to the aggressive, anti-immigrant agenda Trump has rolled out in his second White House term.The 34-year-old appealed to a broad cross-section of New Yorkers and defeated one of its political heavyweights, former Gov. Andrew Cuomo, by nearly 9 percentage points.

In his election night victory speech, Mamdani said he wanted New York to show the country how to defeat the president. But the day after, while speaking about his plans for "Trump-proofing" New York once he takes office in January, the incoming mayor also said he was willing to work with anyone, including the president, if it can help New Yorkers.Representatives for Mamdani did not have an immediate comment Sunday night on the president's remarks, but a spokesperson pointed to the mayor-elect's remarks last week when he said he planned to reach out to the White House "because this is a relationship that will be critical to the success of the city."

## Leftist, far-right candidates go through to Chilean presidential run-off

**SANTIAGO .(Agency)**

Chile's leftist former labor minister Jeannette Jara and far-right leader Jose Antonio Kast will go head-to-head in a presidential run-off after topping Sunday's first round of voting in an election dominated by violent crime.With 82.97 percent of the results counted, Jara, a 51-year-old communist running on behalf of an eight-party coalition, won 26.71 percent, compared to 24.12 percent for Kast, the Servel electoral service said.The election was dominated by deep concern over a surge in murders, kidnappings and extortion widely blamed on foreign crime gangs.

Kast, 59, has vowed to build walls, fences and trenches along Chile's border with Bolivia to keep out migrants from poorer countries to the north, such as Venezuela.As the results came in, he called for unity and vowed to "rebuild" Chile after four years of center-left rule, which he termed "maybe the worst government in Chile's democratic history."

Jara, a minister under outgoing center-left President Gabriel Boric, has promised to hire more police, lift banking secrecy to tackle organized crime and tackle cost-of-living issues.Her score was several percentage points below pollsters' predictions, while Kast's exceeded expectations.Rodrigo Arellano, an analyst at Chile's University for Development, called the results "very bad news" for Jara and said it seemed "unlikely" she could win the December 14 run-off."Not only is her vote count low, but the combined total of the opposition candidates is almost more than double hers," he pointed out, blaming anti-incumbent and anti-communist sentiment."Don't let fear harden your hearts," Jara appealed to voters, insisting that the answer to crime was not to "come up with ideas, each more radical than the next" and hide behind bulletproof glass -- a dig at Kast's draconian campaign security measures.

Maverick economist Franco Parisi caused surprise by finishing third on 19.42 percent, ahead of ultra-right MP Johannes Kaiser on 13.93 percent and former conservative mayor Evelyn Matthei, the establishment choice, on 12.70 percent.

## UN Security Council set to vote on international force for Gaza

**UNITED NATIONS .(Agency)**

The UN Security Council is set to vote Monday on a US-drafted resolution bolstering Donald Trump's Gaza peace plan, especially the deployment of an international force, as Washington warns that a failure to act could lead to renewed fighting.

The draft, which has been revised several times as a result of high-stakes negotiations, "endorses" the plan, which allowed for a fragile ceasefire between Israel and Hamas to take hold on October 10 in the war-wracked Palestinian territory.The Gaza Strip has been largely reduced to rubble after two years of fighting, sparked by Hamas's attack on Israel on October 7, 2023.The latest version of the text, seen by AFP, authorizes the creation of an International Stabilization Force (ISF) that would work with Israel and Egypt and newly trained Palestinian police to help secure border areas and demilitarize the Gaza Strip.The ISF also would work on the "permanent decommissioning of weapons from non-state armed groups," protecting civilians and securing humanitarian aid corridors.In addition, it would authorize the formation of a "Board of Peace," a transitional governing body for Gaza -- which Trump would theoretically chair -- with a mandate running until the end of 2027.Unlike previous drafts, the latest version mentions a possible future Palestinian state.Once the Palestinian Authority has carried out requested reforms and the rebuilding of Gaza is underway, "the conditions may finally be in place for a credible pathway to Palestinian self-determination and statehood," the draft says.

# A red line': Spat over Taiwan is threatening China-Japan ties

**BEIJING .(Agency)**

Less than a month into her term, Japan's conservative leader has stirred tensions with China by suggesting a Chinese move against Taiwan could prompt a Japanese military response.China objects to the involvement of other countries in Taiwan, notably the United States, which is the main supplier of weapons to the self-governing island. Beijing claims it as its own and says it must come under its control. It says it's a domestic issue and "a red line" that others should not cross.

Takaichi went beyond past Japanese statementsSpeaking to a parliamentary committee, Prime Minister Sanae Takaichi said on Nov. 7. that a Chinese naval blockade or other action against Taiwan could be grounds for a Japanese military response. Her comments were stronger than those of her predecessors.Previous prime ministers have expressed concern about China's threat to Taiwan but haven't publicly said how Japan would respond.Takaichi later refused to retract her remarks but told the same parliamentary committee three days later that she would avoid talking about specific scenarios in the future.Japan's new leader is a longtime supporter of Taiwan. She views China as a growing threat and has ordered an acceleration of plans to boost Japan's military spending. Foreign Minister Toshimitsu Motegi said Friday that Japan's position on Taiwan has not changed.China responds with stern warningsTakaichi's comments caused an uproar in China, with the foreign and defense ministries, the Taiwan Affairs Office and state media all weighing in. Her remarks came as a surprise because tensions over Taiwan were not particularly high, said Wang Huiyao, the president of the Center for China and Globalization, a think tank in Beijing. "We can't just let the prime minister speak so openly at parliament," he said.One of the first to speak out was China's consul general in Osaka, who said in a now-deleted social media post that China has no choice but to cut off an intruding "dirty neck." Motegi called the post "extremely inappropriate."China's Foreign Ministry called in Japan's ambassador on Thursday to warn against any interference in Taiwan. The next day, Japan's Foreign Ministry summoned China's ambassador in Tokyo to

complain about the social media post.

Beijing is upping the ante

On Friday night, China took aim at Japan's tourism economy. It issued a notification advising against travel to Japan. About 7.5 million Chinese tourists visited in the first nine months of this year, the largest number from any country and about one-fourth of the total.China's Education Ministry followed up with a warning to students on Sunday about recent crimes against Chinese in Japan, though it didn't advise them not to go.Also on Sunday, China's coast guard announced that it was patrolling the waters around a group of uninhabited islands that both countries claim.A bigger concern for Japan would be if China were to restrict the export of rare earth magnets, vital components in auto manufacturing and other industries. There was no immediate indication China was considering it.Japanese officials are trying to calm the waters. Motegi said he planned to ask China to make "an appropriate response" to prevent a major impact on relations.US-Japan alliance looms in the background

Japan's position is complicated by its post-World War II constitution, which bans its use of force except for defending its territory — the military is called the Self-Defense Force.Former Prime Minister Shinzo Abe succeeded in expanding the military's mandate by winning parliamentary approval in 2015 of a law that allows Japan to come to the aid of an ally — most likely the US — in a conflict that is determined to be an existential threat to Japan.Takaichi, who rose in politics as a protégé of Abe, said that a Chinese move against Taiwan could qualify as a threat, setting off the ensuing firestorm.

# Bus fire in Saudi Arabia kills 42 Indian Umrah pilgrims

- Reacting to preliminary reports that the accident involved Hyderabad residents Telangana CM Revanth Reddy directs officials to coordinate with MEA.

BOGOTA.. **(Agency)**

A bus carrying Umrah pilgrims, most of them reportedly from Hyderabad, caught fire in Saudi Arabia after colliding with a tanker lorry, killing 42 people, including 20 women and 11 children.The accident reportedly occurred around 1:30 am IST at Mufrahath, between Badr and Madinah, on a wide road prone to high-speed traffic. Most passengers were asleep at the time, worsening the impact of the tragedy. Reported by Mathrubhumi News.

Telangana Chief Minister Shri Revanth Reddy has expressed profound shock over the horrific accident. Reacting to preliminary reports that the accident occurred while traveling from Mecca to Medina and involved Hyderabad residents, he has directed the Chief Secretary and DGP to obtain full details. He has also instructed officials from the Ministry of External Affairs and the Saudi Embassy to be contacted to undertake immediate relief measuresChief Secretary K. Ramakrishna Rao has spoken with Coordination Secretary Gaurav Uppal in Delhi and issued directives. A control room has been set up at the Secretariat to monitor the situation and provide information to families.

Hyderabad MP Asaduddin Owaisi confirmed that 42 Umrah pilgrims were on board when the bus caught fire. He said he is in touch with Abu Mathen George, Deputy Chief of Mission at the Indian Embassy in Riyadh, who is gathering information about the incident. Owaisi also urged the central government to ensure the repatriation of the victims' bodies to India and to provide proper medical care for the injured.

## Trump signals possible US talks with Venezuela's Maduro as aircraft carrier arrives in Caribbean

**WASHINGTON.(Agency)**

Donald Trump suggested Sunday that future talks with Venezuelan counterpart Nicolas Maduro could be on the table, as a regional US military buildup has whipped up tensions between the nations.The US president spoke after Washington further upped the ante by announcing plans to designate as a terrorist group a cartel that it claims Maduro runs.

"We may be having some discussions with Maduro, and we'll see how that turns out," Trump told reporters in Florida, adding: "They would like to talk."Pressed for more details, he replied: "Venezuela would like to talk. What does it mean? You tell me, I don't know. I'd talk to anybody."

Earlier Sunday, the US State Department said it would classify Cartel de los Soles (Cartel of the Suns), which it claims is headed by Maduro as a foreign terrorist organization (FTO).

"Cartel de los Soles by and with other designated FTOs including Tren de Aragua and the Sinaloa Cartel are responsible for terrorist violence throughout our hemisphere as well as for trafficking drugs into the United States and Europe," Secretary of State Marco Rubiosaid in a statement.The designation, effective from November 24, follows a huge US military mobilization in the Caribbean which Washington states is necessary to prevent drug smuggling into the United States.But Caracas claims it is really a ploy to overthrow its leftist president Maduro, who the United States considers an illegitimate leader and a drug lord -- a charge that he denies.Deadly US strikesRubio reiterated an established US stance Sunday that Cartel de los Soles is led by Maduro and other high-ranking officials "who have corrupted Venezuela's military, intelligence, legislature, and judiciary.""Neither Maduro nor his cronies represent Venezuela's legitimate government," he added.The US Treasury in July announced sanctions against Cartel de los Soles after it was classified as a Specially Designated Global Terrorist entity for allegedly providing "material support" to other Latin American crime groups.Rubio also said Sunday the United States "will continue using all available tools to protect our national security interests and deny funding and resources to narco-terrorists."Since launching the anti-trafficking military campaign in September, US forces have killed at least 83 people accused of ferrying drugs in international waters, according to an AFP tally of publicly released figures

## Bangladesh tribunal to deliver verdict against ousted PM Sheikh Hasina on Monday

**Jerusalem. (Agency)**

Bangladesh's International Crimes Tribunal (ICT-BD) is set to announce its verdict on Monday in a landmark case against deposed prime minister Sheikh Hasina, who is being tried in absentia on charges of crimes against humanity linked to last year's student-led uprising that toppled her government.

The tribunal, scheduled to convene at 11:00 am, will also issue verdicts against two of Hasina's former aides, ex-home minister Asaduzzaman Khan Kamal and former police chief Chowdhury Abdullah Al-Mamun. Prosecutors have sought the death penalty for all three.

Hasina, 78, was ousted on August 5, 2024, after weeks of nationwide protests.A UN rights office report estimated that up to 1,400 people were killed between July 15 and August 15 during the crackdown that came to be known as the July Uprising.Hasina and Kamal were declared fugitives by the court and tried in absentia. Mamun initially faced trial in person but later turned approver.Chief Prosecutor Mohammad Tajul Islam described Hasina as the "mastermind" of the alleged atrocities, though her supporters insist the charges are politically driven. The tribunal concluded hearings on October 23 after 28 working days, during which 54 witnesses detailed the state response to the student movement.

Hasina fled to India on the day she was deposed and has continued to live there. The interim government of Muhammad Yunus has requested her extradition, but New Delhi has yet to respond. Kamal is also believed to be in India.Hasina has rejected the allegations, calling the tribunal a "kangaroo court" run by her

political rivals. In recent interviews, she said she was willing to stand trial under international oversight, even before the International Criminal Court, claiming she would be cleared by an impartial process.

Ahead of the verdict, Bangladesh has tightened security nationwide.Dhaka Metropolitan Police have issued a shoot-on-sight order targeting anyone involved in violent acts, including arson or attacks on civilians and law enforcement. Army units, Border Guard Bangladesh personnel and riot police have been deployed around the tribunal complex, leaving the capital's streets largely empty.

# US Man Dies After Eating Burger Due To Rare Tick-Borne Meat Allergy

**MEXICO CITY . (Agency)**

A 47-year-old man in the United States is the first person known to have died from alpha-gal syndrome, a severe red meat allergic reaction linked to a tick-borne illness, NBC News reported. The man, who died in 2024, had a known allergy to galactose-alpha-1,3-galactose (alpha-gal), a sugar found in red meat. A tick bite triggered it after he ate a burger containing beef, which led to anaphylaxis and killed him.He started to vomit hours after having a burger at a barbecue in New Jersey. The case emerged as a mystery as there were no signs of a heart attack or other life-threatening issues.A team of researchers at UVAHealth in Virginia studied his case and last week published the findings in The Journal of Allergy and Clinical Immunology: In Practice.We report here the first documented fatal case of AGS occurring after consuming mammalian meat," the authors write in the research."The postmortem examination showed no significant abnormalities in the cardiac, respiratory, neurological, or

abdominal systems, including on microscopic examination of the heart, right lung, and liver, as well as on cardiac pathology examination."To know the exact reason, his wife asked her friend, Dr Erin McFeely, who then contacted the researchers to review the autopsy report and address the possible role of AGS.Toxicology revealed blood ethanol of 0.049% and a diphenhydramine level of 440 ng/mL. The conclusion of the autopsy was "Sudden unexplained death.""The tragedy is that they didn't think of that episode as anaphylaxis, and therefore didn't connect it to the beef at the time," Dr Thomas Platts-Mills, an allergist at the University of Virginia School of Medicine who discovered alpha-gal syndrome and.

NEWS BOX

## Masters of spin no more: Irfan Pathan feels Indian batters' skill on decline

**New Delhi. (Agency)**

Irfan Pathan feels that the Indian batters' ability to play spin is on a sharp decline after India lost to South Africa by 30 runs in the Kolkata Test. On a pitch that proved to be tricky for all the batters, India failed to chase down 124 runs and were bundled out for just 93. Out of the 20 Indian wickets across both innings, 12 went to spinners.Simon Harmer was the hero with the ball for South Africa as he picked up four-wicket hauls in both the innings as the Indian batters had no clue how to negate his off-spin and the variations produced by the 36-year-old. This has been a worrying trend for India as this the

fourth Test they have lost in the last 6 matches that they have played, where the opposition spinners enjoyed a lot of success.Speaking on his YouTube channel, Pathan first criticised the batting approach in the second innings as he felt it was too defensive. The former all-rounder said that if atleast two of the top seven had taken an aggressive approach, then India could have won the game.Pathan said it didn't necessarily mean big shots, but he wanted the batters to keep the game moving."I was watching the match, and I felt the batting approach needed to shift into aggression. Why do I say this? Look, I've played a lot of first-class cricket in Motibagh. I've played on turning tracks too. With more than a hundred first-class matches and close to 30 Tests for India in red-ball cricket, my experience says this — if you need around 125 runs in the final innings.

# RIP Test Cricket: Harbhajan slams Kolkata pitch after India suffer shock loss to SA

**Former India spinner Harbhajan Singh criticised the team management following India's defeat to South Africa in the opening Test at Eden Gardens, saying that the obsession with preparing rank turners is damaging both the spirit of Test cricket and the development of Indian players.**

**TBILISI . (Agency)**

Former India spinner Harbhajan Singh launched a scathing attack on the team management after India's 30-run defeat to South Africa in the opening Test at Eden Gardens, criticising the preparation of rank turners and warning that such surfaces are damaging the future of Test cricket.Chasing a modest 124, India were dismissed for 93 on Sunday, with only Washington Sundar crossing 30 as the hosts collapsed under relentless pressure from South Africa's spinners. The pitch came under immediate scrutiny after 15 wickets fell on Day 2, prompting widespread debate over India's longstanding tactic of preparing sharply turning tracks.Pitches in the subcontinent have frequently dominated headlines whenever a Test finishes inside three or four days. With the Kolkata Test wrapping up in just two sessions on Day 3, India's approach once again came under fire. After the defeat, head coach Gautam Gambhir maintained that there was nothing wrong with the surface, saying it was exactly the kind of pitch India had asked for ahead of the series.Harbhajan did not hold back while dissecting the loss. He said on YouTube, "They have completely destroyed Test cricket. RIP to Test cricket, rest in peace Test cricket. The kind of work they have done, the kind of pitches that have been made for so many years now, I have been seeing it. No one talks about it because it is fine, the team is winning, someone is taking wickets, someone is becoming great by taking those wickets, so everyone feels everything is going well. But I feel that this practice has not started today. It has been going on for many years, and I feel it is the wrong way of playing."He added that excessive reliance on turning tracks was stunting the growth of India's cricketers.

"You are not moving forward in any way, you are just going around in circles like an ox tied to a mill. You are winning, but there is no real benefit. As a cricketer, you are not growing. So I feel it is high time to see and reflect on this, that playing matches on such pitches where your batsmen are not even sure how to score runs, and you are making them look like they do not know how to bat. Then what difference remains between a capable bowler and a capable batsman if the conditions become so favourable that people are getting out because of the pitch and not because of skill?"

# Cristiano Ronaldo set for record sixth World Cup as Portugal thrash Armenia 9-1

**New Delhi. (Agency)**

Portugal secured their place at the 2026 FIFA World Cup with a commanding 9-1 win over Armenia on Sunday, confirming that Cristiano Ronaldo is set to join Lionel Messi as one of the first footballers to appear in six World Cup tournaments.

Despite serving a suspension after his red card in the defeat to Ireland, Ronaldo watched his side seal the top spot in Group F and stay on course for a historic campaign. The 39-year-old has indicated the tournament in the United States, Canada and Mexico could be his final shot at lifting the one trophy missing from his illustrious career.In his absence, Bruno Fernandes and Joao Neves each delivered hat-trick performances to power Portugal to an emphatic victory. The result not only cemented their dominance in the group with 13 points but also ensured the team's momentum remains intact as Ronaldo prepares for what could be his World Cup farewell.Fernandes was at the heart of Portugal's attacking display, scoring three times, including two penalties, while Neves struck twice in the first half before

completing his treble in the 81st minute. Reflecting on his first goals for the national team, Neves said, "The most important thing was qualifying for the World Cup. For me, as I always say, the team always comes before the individual," adding, "I'm very happy to have scored my first goal for the national team, and my second and third as well. I'm happy to be able to share the pitch with great players and a great team."Portugal opened the scoring early through Renato Veiga's close-range header in the seventh minute, only for Armenia to level through Eduard Spertsyan. That brief moment of parity, Armenia's third goal of the qualifiers, was swiftly erased as Portugal surged ahead. Gonalo Ramos restored the lead, Neves added a brace—including a superb free kick - and Fernandes converted from the spot to give the hosts a 5-1 advantage at the interval.The second half saw Portugal continue their relentless approach. Fernandes netted twice more, one from a Ramos assist and another penalty, before Neves completed his hat trick. Francisco Conceio hammered in a long-range strike in stoppage time to round off the rout. Armenia, despite early resistance, struggled to cope with Portugal's pressing and fluid transitions, with Diogo Costa and the back line comfortably managing what little threat came their way.

## Bring back Mohammed Shami: Ganguly tells Gautam Gambhir after Kolkata Test loss

**AUCKLAND. (Agency)**

Former BCCI President and India captain Sourav Ganguly has advised Gautam Gambhir to bring back Mohammed Shami to the Test team after the loss to South Africa in Kolkata. India lost the match by 30 runs as the Proteas scripted a memorable Test win after 15 years on Indian soil.Shami last played a Test match way back in 2023 when he represented India in the World Test Championship against Australia. Since then, the pacer was snubbed for the England tour and the series against the West Indies and South Africa. Chief selector Ajit Agarkar said that Shami didn't have enough game time under his belt and his fitness wasn't up to the mark.Speaking to Sports Tak, Ganguly said that Gambhir should have faith in the trio of Shami, Jasprit Bumrah and Mohammed Siraj going forward. The current Cricket Association Of Bengal president said that Shami and the spinners can win Tests for India.I am very fond of Gautam; he has done well in the 2011 and T20 World Cups. He will continue for a while, but he must play on good pitches in India. He must have faith in Bumrah, Siraj, and Shami,"

Ganguly said while speaking to Sports Tak."I think Shami deserves a place in this Test team. Shami and the spinners will win Tests for him," Ganguly added.

Since returning to the domestic circuit this season, Shami has been in fine form, picking up 17 wickets in four matches with an average of 17.35.'PLAY ON GOOD WICKETS'

Ganguly also said that Gambhir and the Indian team management should play on good tracks and keep the pitch out of the game. The former India captain also told the coach to try and win Tests in five days instead of looking for a quick finish."Play on good wickets. I hope Gautam Gambhir is listening. He needs to take the wicket out of the game. Because if his batters aren't putting up 350–400, he will not win Tests," Ganguly said.

## Rajasthan confirm Rahul Dravid replacement, Sangakkara to double as head coach

**New Delhi. (Agency)**

Former Sri Lanka captain Kumar Sangakkara has been reappointed as the head coach of the Rajasthan Royals for Indian Premier League (IPL) 2026. The 2008 champions made the announcement, days after confirming their retentions for the season. Sangakkara, who was promoted to the role of Director of Cricket of the Royals' franchises, will double as head coach.

Sangakkara will replace Rahul Dravid, who coached the team in the IPL 2025 season before making a shocking exit. Dravid parted ways with the franchise after the

Royals finished second-last, their worst performance in five years in the IPL.

The goal is always constant. We want to win the IPL. That doesn't change," Sangakkara said after taking over as the head coach of the Royals.Sangakkara will be involved in all the key decisions as Rajasthan prepare for the auction, which will be held in Abu Dhabi on December 16.Sangakkara returns to the role that he carried out between 2021 and 2024. The former Sri Lanka batter was widely credited for taking the team out of a crisis situation and leading them to two play-offs in four years. Sangakkara formed a wonderful working relationship with former captain Sanju Samson during his time as head coach.Rajasthan, under Samson and Sangakkara, reached the final of the IPL in 2022, their first since winning the crown in the inaugural edition. Rajasthan, however, lost to Gujarat Titans in the final.Rajasthan Royals will be looking for a new captain after Samson was traded to Chennai Super Kings before the retention deadline day. In return, Rajasthan have brought in Ravindra Jadeja and Sam Curran from the Super Kings.Rajasthan have a strong Indian core with Yashasvi Jaiswal, Vaibhav Suryavanshi, Riyan Parag and Dhruv Jurel. The inclusion of Jadeja will only strengthen their squad.

# Sanju Samson: The relentless talent wrestling with expectations and the Kambli paradox

**New Delhi. (Agency)**

Sanju Samson represents the Vinod Kambli paradox in Indian cricket. Everyone wants him to succeed, but time and again, he finds new ways to defy hope. Much like Kambli, who was a prodigious talent gifted with moments of breathtaking brilliance but whose international career fizzled prematurely, Samson's journey is one of unfulfilled potential and recurring heartbreak.Samson's T20I journey is a heartbreaking tug-of-war between hope and frustration. Bursting onto the scene as a dynamic IPL star and a beacon of technical flair, he was touted as a future mainstay for India's T20 side. But even after multiple auditions, he is not the A-lister he was expected to be. Samson, unfortunately, has drifted from a cameo to an extra warming the bench.

**THE DUCK TALE**

Over a decade and 51 caps, Samson has delivered electrifying innings—three T20I centuries highlight his potential to dominate bowling attacks. Yet, these dazzling peaks are often followed by disappointing troughs

of low scores, including an alarming tendency to get out for ducks. He has registered six ducks in his career, frequently in crucial pressure moments, and even when he is in good form.His string of dismissals this year suggests pace bowling, even on Indian pitches, often undoes him. In the five-match T-20 series against England, where he got the opportunity to open, Samson aggregated just 51 runs, getting caught every time the ball hurried on to him.Samson's career average in T20I is a paltry 25.51, the lowest among top-order batters with 50-plus matches. But even this number is misleading. In his ten years with the Indian T-20 squad since his debut in 2015, Samson has beaten this average just twice, implying consistent failure resuscitated by occasional brilliance. For instance, his three hundreds in 2024 lifted his average to around 45. But for these scores, Samson would have averaged below 20. This shows he often fails, within the first 10 balls, hinting at over-eagerness or flaws in technique.The Indian team, brimming with talent, alongside promising newcomers, leaves limited room for tolerance of inconsistency. Thus, despite the many auditions Samson has been granted over a decade, his place in the team has hovered precariously, reflecting a career that, while punctuated by moments of undeniable talent and promise, has rarely justified the repeated faith shown by selectors through sustained, match-winning performances.

# Jannik Sinner beats Carlos Alcaraz in straight sets to retain ATP Finals title

**NEW YORK.. (Agency)**

Jannik Sinner clinched his second consecutive ATP Finals championship by defeating Carlos Alcaraz 7-6(4), 7-5 in Turin. In a match that saw both players enter unbeaten in the tournament, Sinner overcame the world No.1 before a supportive home crowd, celebrating after breaking Alcaraz in the final game. The Italian's victory extended his indoor hardcourt winning streak to 30 matches and earned him a record 5.07 million dollars. Despite the win, Sinner finished the season ranked just behind Alcaraz, who claimed the year-end No.1 spot.The 2025 season was defined by the Sinner–Alcaraz rivalry, with both players reaching all four Grand Slam finals. Sinner's triumph in Turin came after a year in which Alcaraz won Roland Garros and the US Open, both times defeating Sinner. This ATP Finals result

followed four losses to Alcaraz earlier in the year, but Sinner delivered when it mattered most at home.Sinner's win was markd by resilience during high-pressure moments. He saved the only break point of the first set before edging out Alcaraz in a tiebreak with precise shot-making and composure. Throughout the match, Sinner's serve was not at its best, but he managed critical points effectively, especially in the closing stages of both sets.Key moments included a 10-minute pause at 2-2 in the first set due to a medical emergency in the stands, and a medical timeout taken by Alcaraz at 5-4. Sinner, unfazed by these disruptions, rallied to take the first set.The second set saw Alcaraz break early, but Sinner responded by leveling the score at 3-3. Sinner then seized control of the crucial moments, breaking Alcaraz when the Spaniard served to stay in the match, closing out the contest in straight sets.Tactically, both players demonstrated aggressive baseline play, but Sinner's ability to maintain his nerve under pressure proved decisive. Alcaraz's decision to take a medical timeout appeared strategic, but Sinner's consistent play in the key moments shifted the momentum.

For Sinner, this title capped the best season of his career, having reached all four Grand Slam finals and winning two majors.

## 'I Feel Light As A Butterfly'

# Sherlyn Chopra

## Shares Post Breast Implant Removal Experience

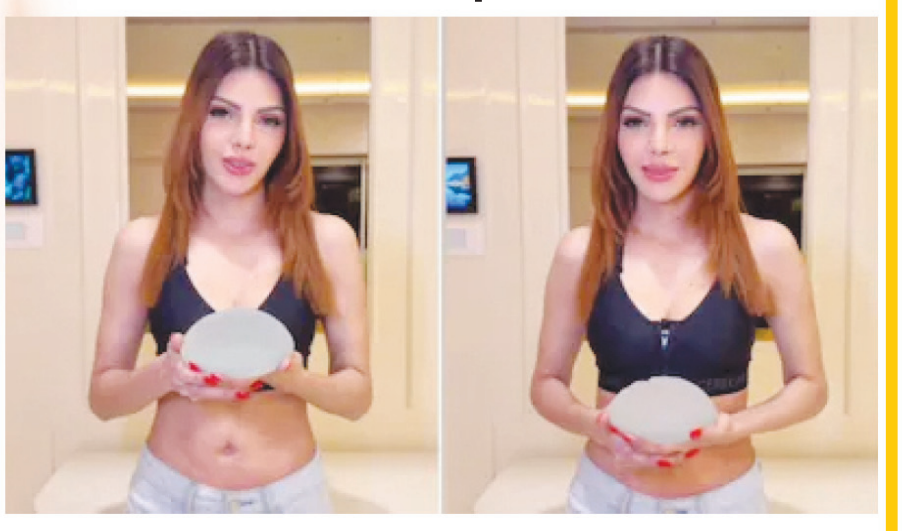

Actress and model Sherlyn Chopra recently announced that she is planning to undergo breast implant removal, and now after the surgery has been performed, Sherlyn Chopra has shared a fresh post to talk about her experience. In the clip, she urged young people not to be misled by social media and to live life on their own terms.

In the post shared by Sherlyn, the actress is seen saying, "Ye bhaari bojh mere seene se hatt chuke hain. 825 grams each. I feel light as a butterfly. Desh ke yuva peedi se meri guzaarish hai ki social media par wrongly influence ho kar external validation paane ki chahat mein apne body ke sath koi khilvaad na kare (This heavy burden has been lifted from my chest. 825 grams each. I feel light as a butterfly. I request the young generation of our country not to tamper with their bodies in the pursuit of external validation, wrongly influenced by social media)."

"Aapko jo bhi karwana ho, uske pros and cons ko consider kar ke, apne family aur medical experts ke sath in-depth discussions kare. Koi jaldbaazi na kare. Bheed ka hissa bilkul na bane. Apni authenticity aur realness ki hifaazat kare (Whatever you choose to do, consider its pros and cons and have in-depth discussions with your family and medical experts. Do not act in haste. Do not become part of the crowd. Protect your authenticity and realness)," she added.Sharing the video, Sherlyn captioned the post as, "I strongly believe that there's absolutely no point in living life with excess baggage. That's my personal opinion… To each his own. Huge thanks to my team of highly skilled doctors for my breast implant removal/breast explant surgery."

In yet another post, Sherlyn shared a picture of the silicone implants and wrote, "Silicone free! On the road to healing and recovery. Feeling much lighter after the removal of my breast implants, which weighed 825 grams each."

Last year, Sherlyn Chopra spoke publicly about a cosmetic procedure that went wrong. She explained that the work done by a cosmetologist resulted in her chin appearing disproportionately long, her lips being excessively enlarged, her jawline becoming unnaturally sharp, and her cheeks being overly puffed.

# Rashmika Mandanna

## Finds Kriti Sanon And Dhanush's Tere Ishk Mein Trailer 'Exciting'

Rashmika Mandanna has praised the newly released trailer of Tere Ishk Mein, starring Kriti Sanon and Dhanush. She shared the trailer and expressed her excitement, writing that she found it "exciting," along with a string of heart emojis. The film is releasing on November 28.

Taking to her Instagram stories, Rashmika Mandanna shared the poster and wrote, "You guys!! Go kill it!!! I wish the bestest to some of my favouritest people. So exciting this is". Makers have recently released the trailer which has received immense love from all corners.

**Tere Ishk Mein Trailer:**

After the strong reception to its teaser and soulful music, the makers of Tere Ishk Mein, Aanand L Rai and Bhushan Kumar, have unveiled the official trailer of one of the year's most awaited films. Starring Dhanush and Kriti Sanon, the trailer dives deeper into the raw, emotional and unpredictable world of Shankar and Mukti, a love story that pushes against reason, time and destiny. The new visuals offer a gripping look at the film's core themes of love, loss and redemption, revealing darker, more layered shades of the narrative that the teaser and songs only hinted at previously. Aanand L Rai's distinctive storytelling style, paired with the emotional depth of Himanshu Sharma and Neeraj Yadav's writing, sets the stage for a powerful cinematic journey.

The film marks Dhanush and Aanand L Rai's second collaboration after Raanjhanaa. The filmmaker recently shared, "After our last film, there were emotions we never fully let go of. Dhanush and I kept revisiting that space — what happens to love when innocence fades, when time changes people. Tere Ishk Mein grew from that unfinished thought."

For Aanand L Rai, Tere Ishk Mein isn't just another love story; it's a reflection of where he and his characters stand today: older, scarred, and still searching. At its core, Tere Ishk Mein explores the kind of love that refuses to stay neat or defined. It's about people who love deeply and lose completely, and how that loss shapes who they become.

**The Girlfriend Details**

Rashmika Mandanna, who has been basking in the success of her recent release, The Girlfriend, recently thanked fans for their overwhelming response to the film. She shared a wholesome note on social media, expressing gratitude for the appreciation and excitement. Helmed by Rahul Ravindran, and produced by Dheeraj Mogilneni and Vidya Koppineni, the movie also stars Anu Emmanuel and Rao Ramesh in pivotal roles.

## She Is Dharmendra's Daughter-in-Law, Acted In Hollywood, Now Travels the World As A Vlogger

Bollywood fans know the Deols as one of Hindi cinema's strongest film families, with Dharmendra, Sunny Deol, Bobby Deol, Esha Deol and even the younger generation Karan and Rajvir carrying the legacy forward. But not everyone knows that the iconic family also has a member who quietly walked away from showbiz despite a fast-rising career.

Her name is Deepti Bhatnagar, Dharmendra's daughter-in-law, who chose to swap film sets for airport terminals and now travels the world as a digital creator.Today, millions recognise her not for red carpets, but for her travel series and YouTube journeys across the globe. However, her story began long before content creation became a full-time dream for many.

**From Meerut to Modelling Success**

Born in Meerut, Deepti moved to Mumbai and first ran a handicrafts business before modelling found her. She soon won a Miss India title at 18 and landed campaigns that changed her life overnight. As she once told Hindustan Times, "Modelling was easy money, so I succeeded." Within a year, she had bought her first home in Juhu — from Madhuri Dixit.

**Films Across Hindi, Tamil, Telugu and Hollywood**

Deepti made her Hindi debut in Ram Shashtra (1995), followed by roles in Pelli Sandadi (Telugu, 1996) and Dharma Chakkaram (Tamil, 1997). She also appeared in Fred Olen Ray's Hollywood film Inferno, which coincidentally featured R. Madhavan in his first international project. Later, she was seen in Mann (1999) with Aamir Khan and Manisha Koirala.

**How She Married Into the Deol Family**

Before she ever imagined it, life brought her to the Deols. After a commercial with Sunny Deol, she was told to meet Dharmendra but admitted she was "too scared." Years later, she married Randeep Arya, Dharmendra's cousin Veerendra's son. They have two sons, Shubh and Shiv.

## Rajkummar Rao 'Can't Wait' To Meet Kiara Advani And Sidharth Malhotra's Baby Girl

Rajkummar Rao and Patralekhaa welcomed baby girl on November 15. The couple is enjoying the new phase. Many celebrities wished them. Kiara Advani and Sidharth Malhotra also congratulated the new parents. While expressing his happiness, Rajkummar said he "can't wait" to meet the little one and showered blessings.Taking to her Instagram stories, Rajkummar Rao shared Kiara Advani's wish and wrote, "Thank you, Kiara. God bless you three as well. Can't wait to meet your little one." Sidharth Malhotra and Kiara Advani welcomed their daughter on July 15, 2025, at Reliance Hospital in Mumbai.

**Rajkummar Rao, Patralekhaa Welcome A Baby Girl**

Rajkummar Rao and Patralekhaa have become proud parents to a baby girl. On Saturday morning, the couple issued a joint statement and revealed that their little princess arrived this morning, i.e. on the occasion of their fourth wedding anniversary. "We are over the moon. God has blessed us with a baby girl," the couple wrote and then added, "The greatest blessing God has given us on our 4th wedding anniversary."

**When Patralekhaa Talked About Her Pregnancy**

Previously, Patralekhaa talked about being pregnant when she told Hindustan Times, "We are super excited. Firstly, the baby's coming, and also, professionally, our first production is going to come out in a couple of months. We are also editing our second film. So there's a lot happening, and it's an exciting phase.""Me being pregnant has been the source of light for me this year.

It's actually a very strange journey that you take. It's difficult because physically you look different — your body changes in these nine months. It can also be a bit overwhelming because there's a new member who's going to join your family," the actress added.

**Rajkummar Rao and Patralekhaa's relationship**

Their love story is one of Bollywood's most heartfelt romances. The two first met over a decade ago, and their bond has only grown stronger with time. Rajkummar has often said he knew she was "the one" from the moment he saw her in an ad, and their connection blossomed when they worked together in the film CityLights in 2014.